(Established in 1804)

एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई
और
लायब्ररी ऑफ एशियाटिक सोसायटी मुंबई
का
प्रतिवेदन- २०१८-२०१९

टाऊन हाल
मुंबई ४०० ००१

बॉम्बे सार्वजनिक न्यास अधिनियम १९५० के अंतर्गत पंजीकृत पी.टी.आर नं. E- १०२०(बीओएम)

एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई

टाऊन हाल, मुंबई ४०० ००१

टेलेफोन 22660956/लायब्रेरी 22660062/मानद सचिव 22665560/फ़क्ष 22665139
वेबसाईट: www.asiaticsociety.org.in ई मेल : asiyaticsociety1804@gmail.com

मुख्य संरक्षक **महामहीम राज्यपाल, महाराष्ट्र**

न्यासी

2015- 2021	प्रो. जे. वि. नाईक- अध्यक्ष
	(२२-०७-२०१९ को देहान्त) अधिवक्ता नवरोज सिरवाई
2017 - 2023	डॉ. सुमा चिटणीस
	डॉ. अनिल काकोडकर
2013 - 2019 (2017 - 2019)	प्रो. भालचंद्र मुणगेकर
(2017 - 2019)	श्री. सायरस गुझदेर

वर्ष २०१८-२०१९ के लिये प्रबंधन समिति

निर्वाचित पदाधिकारी

अध्यक्ष: श्री. एस जी काले (आई ए एस, निवृत्त)

उपाध्यक्ष: श्री. योगेश कामदार
श्रीमती संजीवनी खेर
प्रो. मंगला सरदेशपांडे
डॉ. मीना वैशंपायन

मानद सचिव: प्रो.व्हिस्पी बालपोरिया

निर्वाचित सदस्य

2016 - 2019	2017 - 2020	2018 - 2020
श्री. के. हरिदास	श्री दिगंबर काले	श्रीम. सुषमा दाबक
डॉ. सूरज पंडित	प्रा. मीनल क्षीरसागर	डॉ. कुरुष दलाल
डॉ. वर्षा शिरगांवकर	श्री. सुरेन्द्र कुलकर्णी	श्री. विवेक गणपुले
श्री. रशीद वाडिया	डॉ. शेहेरनाझ नलवल्ला	डॉ. आनंद जोशी
डॉ. गीता कस्तुरी (डॉ. नम्रता गन्नेरी ने मार्च २०१८, में इस्तिफा देने के बाद उनकी जगहपर निर्वाचित)	श्री. अरविंद सोनावले	श्री. विठल नाडकर्णी

मा. वित्त सचिव:- **श्री.अनील जी. नेवालकर** (पदसिद्ध सभासद, ७-९-२०१७ से २०१९ साधारण सभा के अंत तक)

मानद सह वित्त सचिव श्री अरविंद सोनावले
श्रीमती माधवी कामत (पदसिद्ध सभासद, ७-९-२०१७ से २०१९ साधारण सभा के अंत तक

स्वीकृत सभासद डॉ. अरविंद जामखेडकर (पदसिद्ध सभासद, ७-९-२०१७ से २०१९ साधारण सभा के अंत तक) आर. मुरली (पदसिद्ध सभासद, ७-९-२०१७ से २०१९ साधारण सभा के अंत तक)

मानद निदेशक, **डॉ. पां. वा. काणे संस्था संस्था** डॉ. परिणीता देशपांडे (१-४-२०१७ से ३१-३-२०१९ और १-०४- २०१९ से ३१- ०३-२०२१ तक)

कर्मचारी प्रतिनिधी श्री सुनील भिरुड

केंद्र सरकार के नामिती संयुक्त सचिव,संस्कृती मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली

राज्यसरकार के नामिती श्री. सुभाष राठोड़(पुस्तकालय निदेशक,पुस्तकालयसंचालनालय,महारष्ट्र राज्य मुंबई)

लेखापरीक्षक श्री वीरेंद्र शहा ,
श्री ए डी बोरकर

अनुक्रमणिका

2018 की वार्षिक साधारण सभा के संकल्पो के संबंधमे की गयी कारवाई का प्रतिवेदन/ अनुपालन वार्षिक प्रतिवेदन : 3

1. वर्ष की झलकिंया (उल्लेखनीय मुलाकातें, स्मृतींमे) 4
२. सोसायटी द्वारा आरंभ की गयी परीयोज नायेअनुदान माध्यमसे चालू परीयोजनाये-MMS का अनुवादऔरसटीक आवृत्ती/ सिक्कों की पुस्तिका/प्रकाशित मोनोग्राफ्स/अन्य प्रकाशनों की स्थिती 9
3. कर्मचारी कल्याण समिती प्रतिवेदन 11
४. प्रतिवेदन स्टाक का सत्यापन,पुस्तकालय डीजीटीकरण परियोजना, प्रकाशन समिती, डॉ. टिकेकर सेंटर 12
५. सोसायटी स्थापना दिवस-फैलो शिप प्रदान समारोह तथाए शियाटिक सोसायटी के संस्थाप क तथासंरक्षकों के मोनोग्राम का प्रकाशन 16
6. कार्यक्रम 17

i) पुण्यार्थ व्याख्यान, युवा संघोष्ठी
ii) मुंबई रिसर्च सेंटर तथा सोसायटी के लिटरे चरक्लब द्वारा आयोजित कार्यक्रम
iii) डॉ.अरुण टिकेकर फेलोशिप (२०१९)प्रदान करना तथा' प्रार्थना समाजाचा इतिहास' इस पुस्तकका प्रकाशन
iv) सहयोगात्मक कार्यक्रम
v) विल्सन कॉलेज के साथ प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम

७. महामहोपाध्याय पां.वा.काणे इन्स्टिट्यूटक प्रतिवेदन, व्याख्यान तथा संगोष्ठी और प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम 28
8. एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई शोध पत्रिका 31
९. संशोधन फैलोशिप और पदक समिति अहवाल कनिष्ठ संशोधन फैलोशिप, रौप्यपदक अहवाल 31
10. टागोर फैलोशिप तथा शिष्यवृत्ति अहवाल 32
11. सदस्यता अहवाल और जाँच समिति बैठ कें 33
12. व्यवस्थापन समिति बैठ कें 34
13. समिति बैठ कें 38
14. ग्रंथालय सेवा 39
15. जतन और संवर्धन 42
16. जिल्द्साझी विभाग 42
17. वित्त 43
18. आभार 43

अनुक्रमणिका

घटक

आर्थिक समीक्षा 44
तुलनापत्र 46
आय-व्यय पत्रक 47
तुलनापत्र की अनुसूचियाँ 48
दान तथा अनुदान 72
निवेश सारांश अनुसूची 16 का विवरण 75
वृद्धी रेकोर्ड 76
लेख परीक्षकों का प्रतिवेदन 77
चल संपत्ती प्रमाणपत्र 78
बजट अनुमान 81
समिती सदस्य सूची 82
एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई की कर्मचारी सूची 86

वार्षिक प्रतिवेदन और शनिवार २५ अगस्त २०१८ को आयोजित वार्षिक सर्वसाधारण सभा में पारित संकल्पों के बारे में की गयी कारवाई संबंधी निवेदन

I. वार्षिक प्रतिवेदन में कारवाई योग्य कोई मुद्दा नहीं था|

II. वर्ष २०१८ की वार्षिक सर्वसाधारण सभा में पारित किये गये प्रस्तावों का पालन-

A. प्रबंधन समितीद्वारा आए प्रस्तावों पर नीचे दी गयी कारवाई की गयी (सर्व साधारण सभा बिंदु क्रमांक ८):

प्रस्ताव क्र. ६A

सर्वसाधारण सभा में पारित हुए प्रस्ताव क्र. ६ A के अनुसार निम्न लिखित आठ प्रतिष्ठित सदस्योंके नाम मानद फैलोशिप के लिए एकमत से स्वीकृत किए गए है| उन्हें यह फैलोशिप सोसायटी के स्थापना दिवस समारोह में २६ नवंबर २०१८ को प्रदान की गयी|

i. डॉ. फैजल देवजी(अनुपस्थिती मे)

ii. डॉ. ज्योतिन्द्र जैन(अनुपस्थिती में)

iii. गुलझार(अनुपस्थिती में)

iv. डॉ. जीम मासेलोस

v. डॉ. विजया मेहता

vi. न्यायमूर्ती श्री. बी.एन. श्रीकृष्ण

vii. डॉ. उषा ठक्कर

viii. डॉ. फारुख उडवाडिया

B. <u>सदस्यों से प्राप्त प्रस्ताव:</u>

सोसायटी के सदस्यों से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुए|

* * * * * * * *

एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई
वार्षिक अहवाल वर्ष २०१८-२०१९

१८०४ साल में स्थापित इस सोसायटी ने इस साल २९ नवम्बर २०१९ को २१४ साल पूरे किए है| जुलाई २०१९ में, यह अहवाल लिखते वक्त, प्रबंधन समिति के नाते, अगस्त २०१८ से पिछले बारह महीनों में हुए सभी समारोह तथा कार्यक्र मों का निवेदन देते हुए हमें खुशी हो रही है|

१. वर्षभर के उल्लेखनीय कार्यक्रम

हमारे सभी सदस्यों को ये जानकार खुशी होगी, की सोसायटी का यह साल विभिन्न कार्यक्रमों से व्यस्त रहा| 'जितने अधिककार्यक्रम, उतना अधिक विकास' इस विचार को मन में रखते हुएहमने हमारे सालभर के कार्याक्रमों का आयोजन निश्चित किया था| इसी अहवाल मे आगे विभिन्न उप-समितीओं के अहवाल में हमारी अनेकविध गतिविधिओं का विस्तृत विवेचन दिया गया है, जिससे इन समिति सदस्यों की इन कार्यक्रमों प्रति रुची और उन्होंने लिए हुए प्रयास की भी जानकरी हमें मिलती है| इसके लिए वे सभीं अभिनंदनीय है|

परिचय विभाग मे हम एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ कोलकाता द्वारा आयोजित एक प्रमुख कार्यक्रम का उल्लेख किए बिना आगे नहीं जा सकते| इसा तरह का यह एकमेव कार्यक्रम हुआ है| एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ कोलकाता ने १६ फेब्रुआरी २०१९ के दिन सभी एशियाटिक सोसायटीओं का जागतिक सम्मेलन आयोजित किया था| जिसमे एशियाटिक सोसाएटी ऑफ़ मुंबई का प्रतिनिधित्व मा. सचीव व्हिस्पी बालापोरिया और कार्यकारी समिती सदस्य डॉ. सूरज पंडित ने किया| एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ श्रीलंका, बांग्लादेश और मलेशिया ने भी अपने प्रतिनिधि भेजे थे, जबकि एशियाटिक सोसायटी ऑफ जपान और रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ ब्रिटन और आयर्लंड स्काईपद्वारा सहभागी हुए थे| भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय के संयुक्त सचिव इस अधिकार से डॉ. श्रावणकुमार भारत सरकार की तरफ से प्रतिनिधी रहे|आधुनिक तंत्रज्ञान की सहायता से विभिन्न स्रोतोंकी उपलब्धी, अभ्यासकों की लेनदेन तथा एनी ऐसे और कार्यक्रमों का आयोजन करने के सिवा एशियाटिक सोसायटीऑफ़ मुंबई भी उपर्युक्त जागतिक सम्मलेन जैसे कार्यक्रम के आयोजन की जिम्मेदारी लेकर बखूबी निभा सकती है, ऐसी आशा हम करते है| जागतिक स्तर की सभी एशियाटिक सोसायटीओं का यह एकत्रित सम्मलेन हमें अपने आप को किसी भी भौगोलिक सीमाओं में न बन्धने का सन्देश देता है|

सम्मलेन के आयोजकों के सिवा वहाँ उपस्थित सभी प्रतिनिधीओं ने अपने विचार रखते हुए उपलब्ध निधि की कमतरता की बात छेडी है| हमभी अपने हर वार्षिक अहवाल में ये बात छेड़ते है, और इस वास्तव को नजरअंदाज नहीं कर सकते| फिरभी हम अपने सभी दाताओं की सहायता से, हाथ में ली गयी कई योजनाएँ और कई लक्ष्य पूरे कर पाए है| हम हमें मदत करनेवाले सभी दाताओं के प्रति ऋणी है| हमने श्रेयनिर्देशसूची में उन सभी दाताओं का दानराशि सहित उल्लेख किया है|

चार साल पहले प्रारंभ हुआ ग्रंथालय डिजिटायझेशन प्रकल्प अपने दूसरे चरण में प्रवेश करने के लिए तैयार है| इसा प्रकल्प का नियोजन तथा देखरेख करनेवाली LDP समिति का कार्य सराहनीय है| हालाँकि बहुतसा कार्य पूरा हुआ है, अभी बहुतसा बाकी है, अत: यहाँ प्रकल्प आगे चालू रखना आवश्यक और महत्वपूर्ण है| हमारे ग्रन्थ संजीवनी पोर्टल का यश इसमे उल्लेखनीय है| इसमे अभी संस्थात्मक सदस्यता की शुरुआत हो चुकी है|

प्रकाशन समिती अपने चालू प्रकल्पों को पूरा करने के साथ ही कुछ नयी प्रकल्पों की शुरुआत करने जा रही है| इसी प्रकारे २१५ साल पहले जिन उद्दिष्टों को सामने रखकर सोसायटी की स्थापना हुई थी, उसकी पूर्तता हम कर रहे है|

उल्लेखनीय कार्यक्र मों में एक और घटना का निर्देश आवश्यक है- हमारे मानचित्र संग्रह में कुछ दिलचस्प मानचित्रों की वृद्धी हो गयी है| बिंदु १.१ के अंतर्गत आयरिश राजदूत श्री. ब्रायन मैकेल्डफ की भेट का विस्तृत वर्णन दिया गया है| श्री. मैकेल्डफ को हमारे मानचित्र संग्रह के बारे में दिशादर्शन करनेवाले हमारे विश्वस्त श्री. सायरस गुझदेर के हम ऋणी है| इन मानचित्रों के विषयमें,पुरानी किताबें और मानाचित्रों की मरम्मत के लिए अनुबंधपर नियुक्त श्रीम. अमालिना दवे हमेशा श्री. मैकेल्डफ के संपर्कमें रही| हाल ही में स्वर्गीय फॉय निसानकी जायदाद के विश्वस्तों से ६० मानचित्र प्राप्त हुए है|

इस उदार और बहुमूल्य दान के लिए हम स्वर्गीय श्री फॉय निसान के जायदाद के विश्वस्तों की आभारी है| सोसायटी के संग्रह में अब ८४१ किताबें, नियत का लिक और शोध पत्रिका एँ, पुस्तिकाएँ, विवरणिकाएँ, मानचित्रों के साथ ही कुछ कसैट्स और रेकोर्डिंग जैसे ऑडियो साधन भी समाविष्ट है| साथ ही, प्राप्त साहित्य की सूची और क्रमबद्धता के लिए अनुबंधपर कुछ कर्मचारी नियुक्त करने हेतु उन्हों ने सोसायटी को कुल मिलाकर १ लाख रुपयोंकी राशी भी सुपुर्द की है|

रोटरी क्लब ऑफ़ बॉम्बे और उनकी अर्बन हेरिटेज समिति के सदस्यों ने सोसायटी की कुछ अहम जरूर तें पूरी करने हेतु सामयिक निधी उपलब्ध किया था| इसमे स्वच्छता की मरम्मत, संरक्षण प्रयोग शाला और 'किताबें-गोद लें' योजना को बढ़ावा देना इन कार्यों का समावेश था| उन्होंने सोसायटी की सदस्यता बढाने के लिए भी अपना योगदान दिया है| सोसायटी कार्यालय के नूतनीकरण के लिये आवश्यक मान्यताएँ दी जाना आवश्यक है| हमारी संवर्धन वास्तुविशारद श्रीम. शीतल गांधी की सूचनाएँ और उनकी निगरानी में नियोजित किए गए इस कार्यालय का- जो की वास्तव में ही एक विरासत है- वातावरण कार्यसुखद हो गया है|

यहाँ ये दर्ज करना आवश्यक है की, सोसायटी के ग्रंथालय प्रमुख सभागृह, नियत कालिक कक्ष तथा संशोधन कक्ष का भी इसी तरह नूतनी करण करना आवश्यक है| इस के लिए सामाजिक दायित्व निधी(CSR Funds) जैसे अन्य मार्गों का अवलंबन अनिवार्य है|

समीक्षाधीन वर्ष में 'डिजिटाया झेशन स्टैण्डर्ड और वर्कफ्लोज फॉर कल्चरल हेरिटेज' इस विषयपर एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई और ब्रिटिश लाइब्ररी, लंडन द्वारा सांयोगिक रूप से ५ फरवरी २०१९ के दिन एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था|

इस अहवाल में अन्यत्र दी गयी दातासूची में उल्लेखित सभी दाताओं के प्रति हम अपना ऋण व्यक्त करतें है|

समीक्षाधीन वर्ष में, छत्रपती शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय के समिति में तीन साल कार्यकाल के लिए- जों कि २८ दिसंबर २०१८ से शुरू हुआ है- सोसायटी के प्रतिनिधीस्वरुप श्री. योगेश कामदार की पुनर्नियुक्ती हो गयी है|

काणे इंस्टिट्यूट के संचालकपद के लिए डॉ. परिणिता देशपांडे को दिनांक १ अप्रैल २०१९ से और दो साल के लिए नियुक्त किया गया है|

१.१. सोसायटी की कुछ उल्लेखनीय मुलाकातें

श्री. ब्रायन मैकेल्डफ, आयर्लंड के राजदूत:

आयर्लंड के राजदूत श्री. ब्रायन मैकेल्डफ ने ७ सप्टेम्बर २०१८ को सोसायटी का मानचित्र संग्रह देखने के लिए भेट दी| उनके साथ आयर्लंड की मुंबई स्थित महावाणिज्य दूत श्रीम. फर्जीन बिलि मोरिया भी थी| अध्यक्ष श्री. एस. जी. काले और ग्रंथपाल श्रीम. माया अवसिया ने उनका स्वागत किया, और उन्हें ग्रंथालय की सैर कराई| श्रीम. अमालिना दवे भी इसा वक्त वहाँ उपस्थित थी, और अतिथिओं ने उन्हें मानचित्रों के विषय में बहुत जानकार पाया| उन्होंने १७ वे शतक के भारतीय तट के कुछ मूल्यवान मानचित्र, रेखांकन और चिन्हों के तरफ हमारे अतिथिओं का ध्यान आकर्षित किया| उन्हें कुछ १००० साल पुराना एक बौद्ध हस्तलेख भी दिखाया गया| सोसायटीने इस मानचित्रों के जतन और संवर्धन के लिए किए प्रयासों से श्री. मैकेल्डफ इस कदर प्रभावित हुए, की उन्होंने १९ जुलाई २०१९ को सोसायटी को फिर एक बार भेट दी| इस भेट के दौरान उन्होंने भारत से जुड़े १६९० साल के कुछ मानचित्र अपने व्यक्तिगत संग्रह से सोसायटी को भेटस्वरुप प्रदान किए| साथ ही, कुछ महीनों बाद उनका भारतमें कार्यकाल ख़त्म होने से पहले कुछ और मानचित्र सोसायटी को भेट स्वरूप देने का वादा भी उन्होंने किया| उनके मानचित्रों का प्रदर्शन अगर एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई में आयोजित किया जाता, तो उसमें सहभागी होने की उनकी बड़ी इच्छा थी|

श्री. अरुण गोयल, सचिव, सांस्कृतिक मंत्रालय ने सोसायटी को ८ अक्तूबर२०१८ को भेट दी:

श्री राघवेन्द्र सिंग के बाद सांस्कृतिक सचिव बने श्री. अरुण गोयल ने सांस्कृतिक मंत्रालय के अधिकक्षा में आनेवाली मुम्बई स्थित कई संस्थाओंको ८ अक्तूबर २०१८ के दिन भेट दी| उन्होंने एक घंटा सोसायटी में बिताया और उन्हें 'ग्रन्थ संजीवनी' वेब पोर्टल का प्रेझेंटेशन दिखाया गया| ' द कलेक्शन वर्क ऑफ़ जे.वी. नाइक' यह सोसायटीद्वारा प्रकाशित पुस्तक की एक परत श्री. गोयल को भेटस्वरुप पेश की गयी| साथ ही सोसायटी का वार्षिक अनुदान १ करोड़ से १.५ करोड़ तक बढ़ाने, कोर्पस ग्रांट का अगला क़िस्त देने और सोसायटी को राष्ट्रीय संस्था के स्वरुप में मान्यता देने का अनुरोध करनेवाला पत्र भी दिया गया है|

हर्मेस की टीम की भेट

२९ अक्तूबर २०१८ के दिन हर्मेस की टीमने सोसायटी को भेट दी, और उन्होंने संवर्धन के लिए चुनी किताबों का सर्वेक्षण किया| ग्रंथपाल डॉ. माया अवसिया ने उनका स्वागत किया| संवर्धन प्रक्रिया और उसके बाद की किताबें देखकर वे बहुत संतुष्ट रहे, और संवर्धन के लिए कुछ मानचित्रगोद लेंने की इच्छा प्रदर्शित की|

डॉ. विनय सहस्रबुद्धे की भेट

सोसायटी के पूर्व उपसचिव, इंडियन कौंसिल ऑफ़ कल्चरल रिलेशन संस्था के अध्यक्ष और भारतीय राज्यसभा के सांसद, श्री. विनय सहस्रबुद्धे ९ फेब्रुअरी २०१९ के दिन सोसायटी में आये थे| उन्हें, किसी लोकोपकारी व्यक्ती ने दिए दान से तलघर में मोबाईल रैक्स दिखाए गए| महाराष्ट्र सरकार से प्राप्त ५ करोड़ की निधी से किए जानेवाले पुराने किताबों की संवर्धन की प्रक्रिया, ग्रंथालय डिजिटायझेशन प्रक्रियांतर्गत चुनी गई किताबों का डिजिटायझेशन जैसी योजनाएँ दिखाई गयी| MMRDA और मारीवाला चैरिटीज से प्राप्त अनुदान से अधिष्ठापित लिफ्ट के बारे में भी अवगत किया गया| रोटरी क्लब ऑफ़ बॉम्बे से मिली आर्थिक सहायता से दरबार सभागृह के आसपास की जानेवाली मरम्मत दिखाई गई| सोसायटी के कुछ बहुत पुराने और दुर्लभ किताबों पर आधारित कुछ स्मृतिचिन्ह और टाऊन हॉल की कुछ पुरानी तस्वीरें भी दिखाई गयी| सोसायटीने अपने आर्थिक संग्रह को बढ़ावा देने के लिए इन प्रयासों की उन्होंने सराहना की|

डॉ. सहस्रबुद्धे ने सोसायटी की मदत करने की इच्छा प्रदर्शित करते हुए, अपने MPLAD निधी से २५ लाख रुपयोंका निधि सोसायटी को देने की इच्छा प्रदर्शित की, और उसके लिए आवश्यक प्रस्ताव योग्य रूप में सादर करने के लिए कहा है| साथ ही, उन्होंने ये भी कहा- की जब भी सोसायटी कोई आंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम, प्रदर्शन, संगोष्ठी या परिसंवाद का आयोजन करता है, तो ICCR संस्थासे-जिसके वो अध्यक्ष है- आर्थिक सहाय्य पाया जा सकता है|

१.२ निम्नलिखित सदस्यों के निधनपर सोसायटी अपना दुःख प्रदर्शित करती है:

अजित महादेवन, सोसायटी के आजीव सदस्य, ५ ओक्तूबर २०१८ को ४९ वर्षं की आयुमे देहान्त हुआ|उन्होंने रणनीति, विलय और अधिग्रहण, और व्यवसायिक नेतृत्व जैसे कई क्षेत्रों में नेतृत्व किया और वहाँ 'इम्पैक्ट इंडिया' 'आँगन' जैसे संस्थाओं में सामाजिक निवेश किया|बाद में ब्रिजस्पान में भागीदार की तौरपर उनका समावेश, उनके क्षेत्रों को और विस्तारता रहा|

डॉ. श्रीनिवास एच. रिट्टी कैम्पबेल स्मृति पदक विजेता(२०१३-२०१५). १५ अगस्त२०१८ के दिन ८९ साल की आयु में देहावसान| वे जाने-माने पुरा लेख वेत्ता, प्रतिष्ठित भारतीय विद्या अभ्यासक और प्राचीन भारतीय इतिहास और पुरातत्व विद्या के कुशल शिक्षक रहे थे|

श्री. अरुण लक्ष्मण बोंगीरवार, जिन्होंने ग्रंथालय डिजिटायझेशन प्रक्रिया के लिए महाराष्ट्र सरकार से ५ करोड़ रुपयोंका अनुदान पाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी| १४ दिसंबर २०१८ को ७४ साल की आयु मी देहान्त हुआ| हालांकि वो सोसायटी के सदस्य नही थे, फिरभी, ग्रंथालय डिजिटायझेशन प्रक्रिया के लिये महाराष्ट्र सरकार के अर्थमंत्रीद्वारा घोषित ५ करोड का अनुदान पाने की प्रक्रिया मे आई कुछ प्रशासकीय तथा तांत्रिक समस्याओं को सुलझाने मे उनकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही थी| उनके बिना यह अनुदान सोसायटी को मिलना असंभव था| श्री. बोंगीरवार भारतीय प्रशासकीय सेवा के महाराष्ट्र काडर के १९६६बैच के विद्यार्थी थे| अपने कार्यकाल में उन्होंने पश्चिम महाराष्ट्र, विदर्भ, मराठ वाडॉ., और कोंकण में अपना कार्य किया| उन्होने महाराष्ट्र सरकार के व्यवसाय विभाग में MSSIDC बहुत साल काम किया, और उस दौरान महाराष्ट्र के पिछड़े विभागों के लिए कुछ आकर्षक निवेश योजनाएँ सफलतापूर्वक बनाई थी| १९९५-१९९९ में उन्होंने मुख्यमंत्री का सचिवपद और १९९९-२००१ मुख्य सचिवपद निभाया था| जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट(JNPT) के अध्यक्षपद से निवृत्त हो गए| अपनी सेवाकाल तथा निवृत्ती बाद भी कई बिनसरकारी संस्थाओं से उनके अच्छे सम्बन्ध रहे थे|

डॉ. इरवाथम महादेवन कैम्पबेल सम्मानप्राप्त, २६ नव्हंबर २०१८ को ८८ साल की आयु में देहान्त हुआ| वे प्रसिद्द पुरालेखावेत्ता और प्रशासकीय सेवक थे| तमिल-ब्राम्ही शिलालेख का सफल वाचन किया था, और सिन्धु संस्कृती के जानेमाने पुरातत्ववेत्ता थे| उनकी इस रुची और अभ्यास के बारे मेंइतिहासाचार्य के. ए. नीलकान्त शास्त्री से १९६१ के दौरान हुई एक आम मुलाकात में पता चला|लेकिन यह रुची अपर्याप्त आर्थिक स्थिती के कारण कभी फल नहीं पाया, और सिर्फ 'इंडस स्क्रिप्ट: टेक्स्ट, कॉनकॉर्डेंस और टेबल्स' में ही परिणत हो पाया है| उन्होंने बहुत से सम्मान पाए, २००९ में वे पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया| २०१० में अभिजात तमिल विभाग में तोकप्पीयन जीवनगौरव सम्मान भी मिला था| २०१०-२०१२ कालावधी का कैम्पबेल स्मृति स्वर्णपदक एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबईने उन्हें प्रदान किया था| उनके जाने से पुरालेखविद्या संशोधन क्षेत्र में बडी ही कमी महसूस होगी|

श्री. नैन्सी रूसी दारूवाला बहुत लम्बी बीमारी के बाद ४ जनवरी २०१९ के दिन देहांत हुआ| १९७६ साल से एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई की सदस्या थी| वो नैशनल थिएटर ऑफ़ परफोर्मिंग आर्ट्स(NCPA) इस जाने माने संस्था में असिस्टंट प्रोग्राम अफसर थी| कई राष्ट्रीय और आंतरराष्ट्रीय वादक, रंगमंच कलाकार, वादक समूह, वाद्यावृन्दों के कार्यक्रमों का आयोजन, संयोजन उन्होंने किया| भारतीय और कर्नाटकी संगीत और नृत्य की प्रमुख की तौरपर लगभग रोज उनकी दुनिया के कई प्रसिद्ध संगीतकार तथा नाट्यसमूहों से बातचीत होती रही| इससे भारतीय संगीत के साथ ही पश्चिमी संगीत में भी उन्हें विशेष रूचिथी| उनके पास 'कॉमन टच' था, इस लिए वह राजनेता, राजदूत और विश्व के कई प्रसिद्ध कलाकरों के साथ ही फिरस्ते, गरीब और शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांग लोगों से भी उतनीही सहजता से बात कर सकती थी|

दरील डी'मोंटो १६ मार्च २०१९ को देहांत हुआ| वे एशियाटिक सोसायटी के आजीव सदस्य थे| पत्रकारिता को लेकर उनकानिडर दृष्टिकोण और वंचित लोगों की तरफ से किए कुछ वार्तांकनों के लिए वे जाने जाते थे| अपने वाचकों को प्रत्यक्षदर्शी खबर देने के लिए उन्होंने कुछ खतरों से भरी मोहिमें भी की थी| उन्होंने 'संडे रीव्ह्यू' का सम्पादक पद, टाइम्स ऑफ़ इंडिया का नियतकालिक विभाग और इंडियन एक्सप्रेस की आजीव सम्पादक के तौरपर काम किया था| आव्हानात्मक खबरें पाने के लिए खतरा उठाने की हिम्मत उनसे बहोतों ने पाई| आजभी बहुत से ज्येष्ठ पत्रकार उन्हें बड़े आदर से याद करते है| वो सचमें ही एक बहादुर पत्रकार और सभ्य व्यक्ति थे| उनके जानेसे पत्रकारिता जगत की बहुत ही बड़ी हानी हुई है|

श्री गिरीश कर्नाड सोसायटी के मानद सदस्य और जानेमाने लेखक, कवी, दिग्दर्शक और अभिनेता थे| १० जून २०१९ बेंगलुरु में ८१ साल के आयु में निधन हुआ| उनकी पीढी के वह सबसे बड़े कन्नडिगा माने जाते थे| उनके नाटक विषय और लौकिक रूपसे आपने आपमें बहुत ही व्यापक रहे थे| फिल्म और टेलिव्हिजन इंस्टीट्युट-पूने, द संगीत नाटक अकादमी-नई दिल्ली, और नेहरू सेंटर-लंदन में काम करते वक्त, उन्होंने ये साबित किया की एक श्रेष्ठतम अभिनेता और दिग्दर्शक होने के बावजूद वो एक उत्तम प्रशासक भी थे| होंड स्कॉलर बनाकर उन्होंने ऑक्सफड यूनिवर्सिटी में तत्वज्ञान, रराज्यशास्त्र और अर्थशास्त्र की पढाई की थी| फुलब्राईट स्कॉलर और विजिटिंग प्राध्यापक होने के कारन, कुछ काल तक उनका वास्तव्य शिकागो की यूनिव र्सिटी में रहा था| उनके जाने से न केवल भारतीय नाटक और सिनेमा क्षेत्र बल्कि पूरे देश की ही हानी हुई है|

डॉ. सदाशिव गोरक्षकर सोसायटी के पूर्व सदस्य थे| ८६ साल की आयु में १३ जुलाई २०१९ के दिन उनका देहान्त हुआ| मॉडर्न म्यूज़ियम मूवमेंट के वास्तुविशारदों में से एक थे| उनके जाने से म्यूज़ियम मूवमेंट तथा सिटिज हेरिटेज मूवमेंट की भी बड़ी ही हानी हुई है| छत्रपती शिवाजी महाराज वस्तु संग्रहालय जो पहले प्रिन्स ऑफ़ वेल्स म्यूज़ियम के नाम से जाना जाता था- उसके भूतपूर्व संचालक रहा चुके थे| इस संग्रहालय से उनका संबंध १९६४ में जब उन्हें संग्राहलय का सहायक संग्रहाध्यक्ष बनाया गया तबसे से था| भारतीय कला और संस्कृती के क्षेत्र में जानेमाने विद्वान डॉ. मोती चंद्रा और कार्ल खांडलावाला की निगारानी में बढ़ते हुए डॉ. गोरक्षकर एक बहुत ही चाणाक्ष विद्यार्थी के रूपसे जाने जाते थे| १९७५ साल में उन्हें संग्रहालय का संचालक बनाया गया, तबसे १९९६ में पदानिवृत्त होने तक उन्होंने यही पद के जिम्मेदारी सँभाली थी| डॉ. गोरक्षकर को मॉडर्न म्यूज़ियम मूवमेंट के एक वास्तुविशारद के रूप में पहचानना ही उचित रहेगा|

प्रा. जे.वी.नाईक सोसायटी के आजीव सदस्य और विश्वस्त समिती के अध्यक्ष थे| २२ जुलाई २०१९ को देहान्त हुआ| १९६० में उन्होंने अपनी पदव्युत्तर शिक्षा इतिहास विषय लेकर मुंबई विद्यापीठ से पूरी की| उन्होंने एल्फिन्स्टन महाविद्यालयसे अपने शिक्षकी नौकरी का आरंभ किया, साथ ही में, वह इस्माइल युसूफ महाविद्यालय में भी पढ़ाते थे| प्रधापक और मुंबई विद्यापीठ के इतिहास विभाग प्रमुख पद से निवृत्त होकर उन्होंने अपना ३५ साल का शिक्षक का पेशा पूरा किया| २००७ में वो इंडियन हिस्ट्री कांग्रेस के अध्यक्ष रहें थे| उनके कार्यरत विद्यार्थीओं से उन्हें यह सम्मान प्राप्त हुआ था| मुंबई,महाराष्ट्र और पश्चिम महाराष्ट्र के इतिहास के बारे में उन्होंने अंग्रेजी और मराठी में भी काफी लेखन किया| उनके कई संशोधन पत्र,कई शोधपत्रिकाओं में तथा सम्पादित खंडों में प्रकाशित हुए है| ष्शियातिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई ने भीं उनके कुछ संशोधनपत्रोंका संकलन 'कलेक्टेड वर्क ऑफ़ डॉ.जे.वी नाइक- रिफॉर्म एंड रेनेसन्स इन नाइंटीन्थ सेंचुरी महाराष्ट्र' इसा नाम से प्रकाशित किया है| उनकी बहुश्रुत और सौम्यता से भरे व्यक्तिमत्व की कमी उनके सभी विद्यार्थी, मित्र और सहायकोंको हमेशा ही महसूस होगी|

श्री राजा ढाले आम्बेडकरी आन्दोलन के प्रमुख नेता| मुंबई में १६ जुलाई २०१९ के दिन ७९ साल की आयुमे उनका देहांत हुआ| ३० सप्टेम्बर १९४० में सांगली जिलेमे नांद्रे गाँव में उनका जन्म हुआ था| उन्होंने अपना उच्च शिक्षण मुंबई में लिया| १९९८ से वह सोसायटी के आजीव सदस्य थे| आम्बेडकरी विचारों के पुरस्कर्ता होने के साथ ही वह बौद्ध तत्वज्ञान के भी बहुश्रुत विद्वान् थे| वह ए ज्वलंत वक्ता तथा मराठी साहित्य में प्रस्थाप्त अभिजात शैली की कड़े विरोधका थे| 'लिटिल मैग्झीन' आन्दोलन का नेतृत्व उन्होंने किया था| 'दलित पैन्थर' संघटन के वो सह-संस्थापक थे, लेकीन बाद में दलित शब्द का प्रयोग करना उन्हें मंजूर नहीं था| डॉ. आंबेडकर की किताब 'रिडल्स इन हिन्दूइझम' के बारे में हुए आन्दोलन में तथा मराठवाडॉ. विद्यापीठ का नाम बदलकर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर का नाम देने के आन्दोलन में उन्होंने महत्वपूर्ण सहभाग लिया था| वह एक भाषान्तरकार, कवी और चित्रकार होने के साथ ही बहुआयामी व्यक्तीमत्व थे| उनका जाना मराठी साहित्यविश्व तथा दलित आन्दोलन के लिए बडाही नुकसानकारक है|

१. अनुदान से आरम्भ की हुई योजनाएँ

A. सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय से आर्थिक अनुदान के लिए प्रकल्प कि योजना :

एशियाटिक सोसायटी, मुंबई - इनके अधिकार क्षेत्र के हस्तलिखित का अनुवाद और उसका चिकित्सक मूल्यमापन:

एशियाटिक सोसाइटी, मुंबई की तरफ से चार हस्तलिखितों का अनुवाद और चिकित्सक मूल्य मापन के लिए चयन किया गया था ।प्रकल्प का आरंभ डिसंबर २००८ में डॉ..म.म.पी.व्हि.काणे संस्था कि मदत-मार्गदर्शन से हो गया । जिस हस्तलिखित का अभ्यास के लिए चयन किया गया वह इस प्रकार है :

- संहृयाद्रिखंड - जिसके चार विभाग किये गये ।

स्कंदपुराण का पूर्वार्ध , उत्तरार्ध , आमलीग्राम महात्म्य (आदि रहस्य) और रेणुका महात्म्य।

स्वयंभू पुराण, सकृत सागर , वेरुळ महात्म्य :

इस प्रकल्प में इन सदस्योंका समावेश हैं:

डॉ.ए.पी.जामखेडकर - M. A. Phd -प्रकल्प पर्यवेक्षक और संपादक

डॉ.ए.ए.जामखेडकर - M. A. Phd - ज्यू.

संपादक

डॉ.अंबरीश खरे - M. A. Phd - ज्यू. संपादक

डॉ.एस.ए.पंडित - M. A. Phd -प्रकल्प समन्वयक और सन्माननी संशोधक

श्रीमती प्राची मोघे - M.A.Phd - सन्माननीय संशोधक

श्रीमती प्राची चौधरी - M.A.संशोधक सहायक

श्रीमती राधा सबनीस - M.A. संशोधक सहायक

काम का सविस्तर विवरण इस प्रकार :

वेरुळ महात्म्य का प्रकाशन नोहेंबर २००८ में हो गया । इसमें इसका परिचय, पुस्तक चिकित्सक मूल्यमापन आवृत्ति , अंग्रेजी में अनुवाद और स्पष्टिकरण कोश का समावेश है ।

सहृयाद्रिखंड-- (पूर्वार्ध / उत्तरार्ध)

चिकित्सक मूल्यमापन के लिए आठ हस्तलिखित उपलब्ध थे। प्रत्येक हस्तलिखित में ८६ प्रकरण, २१० दुबंदी कागद क्रमांक (Folios) और ४६१८ चरण हैं ।इन सब का पूरा परिक्षण किया गया । प्रकरण १ से २२ और ३० से ४० तक का मूल्यमापन पूरा हो गया। इसकी चिकित्सा भी हो गयी

सहृयाद्रिखंड-- आमलीग्राम महात्म्य -

चिकित्सक मूल्यमापन कि तैयारी के लिए नौ (९) हस्तलिखित उपलब्ध थे ।प्रत्येक हस्तलिखित में ३५ प्रकरण, ६५ folios और ६७५ चरण का समावेश हैं । जूलाई २०१९ तक चिकित्सा , अनुवाद और स्पष्टिकरण कोश पूरा हो गया

था । परिचय का काम तैयार हो रहा है ।आगस्ट २०१९ के अंत तक प्रकाशन कि कापी सादर कि जाएगी ।

संहृयाद्रिखंड --रेणुका महात्म्य,

१२ हस्तलिखित चिकित्सक मूल्यमापन के लिए उपलब्ध थे । प्रत्येक हस्तलिखित में ६६ प्रकरण , १६५ folios (दुबंदी कागद क्रमांक) और ३५०० चरण का समावेश है। जूलाई २०१९ तक सात (७) हस्तलिखित की बारीकियों से जांच पड़ताल की गई ।

सविस्तर हस्तलिखित

जो नौवारी संहिता में हैं इस पर काम चालू है । पुस्तक का अनुवाद पूरा हो गया है ।

स्वयंभू

पुराणसात (७) हस्तलिखित चिकित्सक आवृत्ति के लिए तैयार थे । प्रत्येक हस्तलिखित में १० प्रकरण , १४१ folios और १७५५ चरणों (verses) का समावेश है । इस पुस्तक कि चिकित्सक आवृत्ति और अनुवाद पूरा हो गया है ।

सकृत सागर

पांच (५) हस्तलिखित का चिकीत्सक आवृत्ती के लिये चयन किया गया ।प्रत्येक हस्तलिखित में १४५६ चरण और ११० Folios , का समावेश है ।संपादन और चिकित्सक आवृत्ति काम प्रगती पथ पर है ।

ii. **एशियाटिक सोसाइटी, मुंबई के अधिकार में सिक्कों की पुस्तिका,**

डॉ.शैलेंद्र भंडारे सिक्कों की पुस्तिका का काम कर रहे है । ७ जनवरी २०१९ में इन्होने संस्था से भेंट की और सोसायटी के प्रधान अधिकारी यों ने मिलकर इस विषय पर चर्चा करके इसे अंतिम स्वरुप दिया । २८ फरवरी को संस्था में अधिकारीयों के बिच यह निर्णय लिया गया, कि डॉ.. भंडारे जी को सिक्कों की कापी जल्द से जल्द भेजने की बिनती की जाएं।२४ मई २०१९ को फिर एक बार उनको mail भेज के पूछा की वे संस्था को सिक्कों की कापी कब भेज सकते है ।३ जून को उन्होंने बतलाया,सिक्कों के चित्र जो उन्हें भेजें गये थे वह यथायोग्य नहीं है।सभा मे जो निर्णय लिया गया था और हस्तलिखित में समाविष्ट किया गया दर्जा फोटो कापी के लिए योग्य नहीं हैं, अतः उन्होंने यह सूचना दी है कि दोबारा हस्तलिखित के चित्रों की प्रतिमा ली जाए।इस अपूर्ण काम प्रक्रिया स्वीकार की गई है।

A. प्रबंध प्रकाशन

इस साल के दौरान संस्था ने, तीन और संस्थापक और मार्गदर्शक के तीन प्रबंध प्रकाशित किए । यह संस्था के उद्घाटन समारोह पर प्रसिद्ध किए गए थे ।इन प्रबंधों का सविस्तर विवरण इस प्रकार है -

i -- मेज़र जनरल वंश केन्नडे - (१७८५ - १८४६) – माधवीजी. आर. कामत द्वारा।

ii -- कॅप्टन जेम्स मॅकर्डो (१७८५ - १८२०) - कुंजीलता शहा द्वारा ।

iii -- ऑर्थर बेडफोर्ड ओरीवर -(१८१० - १८६६) - वृंदा पाठारे द्वारा ।

B. अन्य प्रबंधों कि स्थिती,

i -- सोपारा के पुरानकालिन वस्तु संग्रह इसका कार्यक्षेत्र विस्तारित होने के कारण , नये वस्तू संग्रह का एकत्रीकरण प्रगतीपथ पर है ।

ii -- मुंबई के हिंदू मंदिर -- सामाजिक दृष्टिकोण --डॉ. उषा विजयालक्ष्मी, जिन्होंने मंदिरों का दोबारा परिक्षण किया। अपने प्रकल्प को पुन: सुधारीत किया है। यह काम पूर्ण होने के प्रगती पथ पर है ।

1. कर्मचारी कल्याण समिति का वृत्तांत

अध्यक्ष - मि.एस जी काले आमंत्रक - मि.सुनिल बिरुड

संस्था ने बढ़ाई हुई राशि(D. A) अपने कर्मचारियों को दें दि है ।कर्मचारी कल्याण योजना नुसार प्रत्येक कर्मचारी को सालाना २०००/ ₹ परिपूर्ती के तौर पर वैद्यकीय खर्चे उन्हे अथवा उनके कुटुंब सदस्य को दिये जाते है ।

कर्मचारी कल्याण निधि

इस निधि कि स्थापना १९९६ कुछ उद्देश्य से उनके लिए की गई थी,जिन्हें तात्काल राशि कि जरूरत है।१२ समान हफ्तों में यह निधी कुल १०,३५००० ₹ कर्ज के रूप में जिन्हें जरूरत है, उन्हें देने कि सुविधा है,जैसे वैद्यकीय उपचार,महाविद्यालयीन शिक्षा अथवा घर कि मरम्मत। सातवें वेतन आयोग के सिफारिश के मुताबिक मॅनेजमेंट ने मानवतावादी और आर्थिक दृष्टिकोण से इसकी पूर्तता की है । तथापि संस्था के संग्रह वृद्धि के लिए भी इसका उपयोग करने का निर्णय लिया गया है ।

भारत सरकार और सांस्कृतिक मंत्रालय को ऐसी बिनती कि जाएगी ,की कुछ अधिकारियों कि समिति बिठाई जाए, जो केंद्रिय सातवें वेतन आयोग के सिफारिश अनुसार एशियाटिक सोसाइटी ऑफ मुंबई को और कितना अधिक अनुदान मिल सकता इसका निर्णय लें सकें , कारण सांस्कृतिक मंत्रालय और भारत सरकार ने अगर अनुदान वृद्धि की, तो व्यवस्थापक समिति सातवें वेतन आयोग शुरु करने के पक्ष में थी।

4. अहवाल

4.1- संग्रह गणती

एशियाटिक सोसायटी के ग्रंथालय में पुस्तकें , नियत कालिकों के बांधिव खंड, सरकारी अहवाल , मुंबई सरकारी अधिकृत पत्रिका , व्यवस्थापन अहवाल और वृत्तपत्रीय फाईल्स का संग्रह हैं ।

दिनांक ११/७/१९६३ - में प्रबंध समिति कि सभा नं ४ (IV) में निर्णय लिया गया , सोसायटी के ग्रंथालय का संग्रह, संग्रह गणती के समय प्रत्यक्ष रूप मे सत्यापित करना है । इसका नियत समय इस साल के १ जनवरी २०१९ से जनवरी ३१-२०१९(दोनों दिनों का अंतर्भाव है) तय हुआ था ।

इस साल ग्रंथालय के पुस्तकों का संग्रह दशमान अंकों के वर्गिकरण(००० - ९९९) पुस्तक रचना (shelf) के सांकेतिक अंकों के साथ जांच के साथ मिलाया गया । रचना पर्चे (shelf slip)के साथ वहां ३९० फाईल्स का समावेश है । इसके पांच समुदाय बनाएं गये और प्रत्येक समुदाय में ७८/७९ फाईल्स का विभाजन किया गया हैं ।

१,२,९३२ पुस्तकों कि जांच हुई , जिस में ३१९ का पता नहीं लगा । ऐसी संभावना है, की ये पुस्तक उनके निर्धारित जगहों पर शेल्फ पर नहीं रखें डरें और पुरानी पुस्तकें जो डिजीटाया झेशन के लिए निकालें गये थे वे भी शेल्फ पर अब तक नहीं रखें। तथापि इन ३१९ खंडों कि जांच जारी हैं ।आज कि तारीख तक ४५ पुस्तकों का पता लग गया हैं और बाकी पुस्तकों कि खोज जारी हैं ।

4.2– ग्रंथालय डिजीटा याझेशन प्रकल्प

इस प्रकल्प का मुख्य उद्देश्य पुराने , दुर्लभ और महत्त्वपूर्ण पुस्तकें सुरक्षित रहें उनका सही तरीके से जतन हो सके । ग्रंथालय डिजीटायाझेशन का यह प्रकल्प निर्धारित समय पर सफलतापूर्वक प्रगती पथ पर है।अभी तक सोसायटी ने २५,८०० पुस्तकें , २४६२ हस्तलिखित और १६०१ नक्शे (Maps) फेज -१ का डिजीटायाझेशन किया है। दस्तावेज का सूक्ष्म छायाचित्रण (Microfilming) और बारिकीसें निरीक्षण (Scanning) भी साथ में ही प्रगती पथ पर हैं।

वेब पोर्टल ग्रन्थ संजीवनी पर १९२३ तक , टाइम्स ऑफ इंडिया के अंकों के दस्तावेज का छायाचित्रण प्रभावी रूप से हुआ है और १८९६ तक का , संगणक प्रणाली में डाल दिया गया हैं।

सारस्वत बैंक से इसके लिए ₹१५ लाख के अनुदान का दायित्व लिया गया है। इसके अतिरिक्त सोसायटी द्वारा संगणक अंकन काम के अनुदान के लिए किए गए फोन कॉल्स को भी प्रभावी रूप से प्रतिसाद मिला है।

अन्य लोगों के साथ दान देनें वालों में प्रसिद्ध नाम - बृहत् भारतीय समाज , एच टी पारेख फाउंडेशन ,ऑब्जरवर रिसर्च फाउंडेशन एंड हर्मस हैं।

अनेक दातृत्वों द्वारा किए गए इस संगणक अंकन प्रकल्प का दायित्व पूर्ण हुआ है।सभा में ऐसा निर्णय लिया गया है,की संशोधन कार्य हेतु काम करने वालों को सोसायटी इसका अंकात्मक चित्र उनके अपेक्षित आकार में शुल्क के साथ उन्हें उपलब्ध करा सकती हैं।

ग्रंथ संजीवनी कि संस्थागत सदस्यता खुली है, और इस परिश्रम के लिए, इस काम को जारी रखने के लिए मदद एवं आधार स्वीकार कर रहे हैं। भविष्य में ग्रंथ संजीवनी दैनिक सदस्य (daily members) तैयार कर सकती हैं।

ग्रंथ संजीवनी में प्रवेश हेतु इन दैनिक सदस्यों के लिए अल्पकालिक संगणक कि सुविधा प्रत्येक दिन के शुल्क के साथ उपलब्ध कराई जाएगी। इन महत्वपूर्ण हस्तलिखितों का जतन करने के लिए यह परिणाम प्रभावी रूप में होगा।

'सांस्कृतिक विरासत के संगणकीय अंकन के मापदंड और कार्यप्रवाह' इसकी कार्यशाला ५ फरवरी २०१९ - दरबार सभागृह में, एशियाटिक सोसाइटी मुंबई और ब्रिटिश ग्रंथालय के संयुक्त उद्यम से आयोजित की गई थी । इस कार्यशाला में, ग्रंथ संजीवनी कि विस्तृत प्रस्तुती दिखाई गई थी। कार्यशाला में अनिवार्य रूप से OCR कि बारिकीयों पर ध्यान केंद्रित किया गया था। और प्रतिभागियों के लिए ये बहुत उपयोगी साबित हो गई।

क्लाउड सर्व्हरपर अब KOHA कि पूरी जानकारी (database) उपलब्ध हैं , और सोसायटी सदस्यों के लिए Web OPAC २४ X ७ उपलब्ध हैं।

4.3 -- प्रकाशन समिति का विवरण:

अध्यक्ष : डॉ. मीना वैशंपायन

प्रकाशन समिति, एशियाटिक सोसायटी मुंबई के प्रकाशन प्रकल्प का पर्यवेक्षण कर रही है ।यहां के अनेक प्रकल्पों को वित्त राशि विमल शहा फाउंडेशन से मिल रही हैं, जो २०१४ में प्रस्थापित हुईं थीं ।२०१८-२०१९ में प्रकाशन समिति की देखरेख में इन पुस्तकों का प्रकाशन हुआ।

1. जे आर बी जीजीभॉय द्वारा मुंबई का शब्द रेखा चित्र - (संपादन और परिचय श्री मुरली रंगनाथन) ३ नवंबर २०१८ में प्रकाशित हुआ । इस समारोह में मि.नेविल मेहता , मुख्य कार्यकारी अधिकारी (Bombay first) , साउथ कॅरोलिना विश्वविद्यालय- अमरिका - इतिहास के प्राध्यापक डॉ..दिन्या पटेल इनका , जे आर बी जीजीभॉय के द्वारा बॉम्बे लिखित चित्र के उनके चयन किए मुद्दों पर बीज भाषण हुआ । इसमें विस्तार से खिंचे छायाचित्र , मुद्रित और हस्तलिखित स्त्रोत के विस्तृत छायाचित्र , जीजीभॉय द्वारा शहर के स्पष्ट, ज्वलंत रेखांकित चित्र , तथा उनके अभ्यास विषय में ऐतिहासिक रेखाचित्र और समकालीन प्रतिमाएं , इनकी

सार्वजनिक संस्था,जो विशेष रूप से कायदा और न्यायपालिका से संबंधित है , प्रसिद्ध मुंबई रहिवासी फिरोज शाह मेहता , रदयार्ड किपलिंग और जेम्स मॅकिंस्टोश और शहर पारसी संस्थाओं से प्रस्थापित संबंध, यह भी शामिल हैं ।इसका लोकप्रिय सार्वजनिक क्षेत्र में बहुत अच्छेसे स्वागत हुआ , और विद्वानों कि प्रशंसा भी हासिल हुई । वृत्तपत्रिय प्रतिनिधि के साथ इंडियन एक्सप्रेस से(३ दिसंबर,२०१८) और पर्सिना (२१ दिसंबर,२०१८)भी अच्छी व्याप्ती पुस्तक को मिल गई , जिन्होंने मुखपृष्ठ पर प्रदर्शित किया ।Scroll के संपादक, नरेश फर्नांडिस- इन्होंने १२ अप्रैल २०१९ मे ' किताबखाना' कि ओर से पुस्तक की वृद्धि हेतु समारोह आयोजित किया, जिसमें संपादक श्री मुरली रंगनाथन से बातचीत हुई ।

2.डि जी वैद्य द्वारा प्रार्थना समाज का इतिहास(संपादन तथा सर्व समावेशी टिप्पणी निवृत्त अध्यापक डॉ..राजा दिक्षित, सावित्रीबाई फुले विद्यापीठ पुणे)

१ फरवरी २०१९ में प्रकाशित हुआ । यह प्रार्थना समाज का व्यापक इतिहास है , जिसमें मुंबई के धार्मिक तथा सामाजिक संस्कृति आंदोलन और पश्चिमी भारत-१९वी सदि और २०वी सदि के पूर्व दशक की विस्तृत जानकारी दी गई है। इस आंदोलन का आरंभ आजाद खयाली संप्रदाय के अनुयायियों द्वारा हुआ था । वाचकों द्वारा इस पुस्तक का उत्साह पूर्वक स्वागत हुआ , विशेष रूप से,जो प्रार्थना समाज से जुड़े थे । और एक खास समारोह पुणे विद्यापीठ और भांडारक ओरिएंटल संस्था से ५ मार्च २०१९ में आयोजित किया गया । इस पुस्तक का प्रकाशन मुख अतिथि श्री सदानंद मोरे , इनके द्वारा हुआ । भारी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति के साथ समारोह को जबरदस्त प्रतिसाद हासिल हुआ ।

विमल शहा एनडाउंमेंट पब्लिकेशन श्रृंखला द्वारा अन्य जारी प्रकल्प इस प्रकार हैं--**1-विरचंद धर्म द्वारा कार्यसमुदाय** - (संपादन-डॉ.. हेमंत दवे) को दिसंबर २०१६ में मंजूरी मिल गई। काम प्रगती के ऊंचे स्तर पर है और संपादक ने इसे शीघ्र खत्म करने की बिनती की है । आशा है कि यह पुस्तक २०१९-२० में प्रकाशित हो जाएगा ।

इस साल प्रकाशकों द्वारा नूतन प्रकल्पों को मंजूरी मिल गई है , वह इस प्रकार:

1- वांग्मयिन संस्था मुंबई, कार्यवाही की लिखित नोंद ,१८०४ -१८२९, (संपादन- श्री मुरली रंगनाथन)

प्रकाशकों की कार्यवाही प्रारंभिक गतिविधियों पर और सोसायटी का विकास तथ सोसायटी के इतिहास को मिले स्त्रोत सामग्री पर प्रकाश डालेंगे । यह पुस्तक विद्वत्ता पूर्ण संदर्भ के साथ परिचय और सोसायटी के आरंभिक इतिहास की कार्यवाही स्पष्ट रूप से विषद करेंगी ।

2- बुद्धघोष

बी सी लॉ द्वारा , यह पहला पुस्तक है जो १९४८ में एशियाटिक सोसाइटी द्वारा प्रकाशित हुआ , जो बहोत दशकों से प्राप्त नहीं है । और जो प्रतियां हैं वे अच्छे स्थिती में नहीं हैं । इसलिए मई २०१९ में इसकी नकल का पुनः प्रकाशित करने का निर्णय लिया गया , जिसमें आरंभिक बुद्धधर्म (early) का परिचय होगा । इस कार्य को पूर्ण करने कि तारीख दिसंबर २०१९ है ।

3- द बॉमबे बिल्डर-१८६० के शहर विकास के मानचित्रण- नक्शे (Mapping) तैयार करना -(संपादन- मुरली रंगनाथन)

इस पुस्तक में, द बॉमबे बिल्डर, इस पत्रिका से चयन किए गए लेख होंगे । प्रतिमाह यह पत्रिका वास्तु- स्थापत्य तज्ञ को समर्पित है , और वास्तु कला को, जो मुंबई शहर से सीधे संबंधित है ।१८६० सदि के शहर के परिचय में यह लेखों का संकलन है और उनके संदर्भ हैं । यह दौर भूमि सुधार के लिए बेशुमार, पागलों जैसे काम करने वाले और तीव्र गति से होने वाले बिल्डिंग गतिविधियों द्वारा रखा हुआ चित्र है । पुस्तक में चित्र , दृष्टिकोण और छायाचित्रों का समावेश होगा । यह पुस्तक अनेक दुर्लभ और अब तक सार्वजनिक क्षेत्र में असुलभ दस्तावेज लाने का काम करेगा ।

4 - ए के प्रियोलकर द्वारा निबंध - (संपादन - डॉ.. नितिन रिंधे , मराठी के अध्यापक, चेतना महाविद्यालय)

प्रथम चरण में इस प्रस्तावित प्रकल्प का ए के प्रियोलकर द्वारा किए गए कामों का छपाई का काम करना। यह पुस्तक चयन किए निबंध कि चरित्र और इतिहास के विषय स्वरुप व्यवस्था करेगा ।[१०:४८,

5-दादोबा पांडुरंग - चरित्र और आत्मचरित्र - (संपादन , संशोधन और लेखन डॉ.. मीना वैशंपायन)

यह मराठी आत्मचरित्र (प्रथम प्रकाशन १९४८ में , ए के प्रियोलकर के संपादन में हुआ था) नाम , टिप्पणी के साथ पुनः प्रकाशित होने वाला है। इस शुरू हुई प्रकल्प कि जिम्मेदारी प्रबंध समिति ने जनवरी २०१९ में ASM के संस्थापक और अभिभावक के प्रकाशन समिति को सौंप दी। तदनुसार समिति ने इस प्रकल्प कि प्रतिष्ठा की समीक्षा की और इसके समापन पर और इस विशेष प्रबंध के प्रकाशन के विषयों पर विचार विमर्श किया।

जॉन स्टिव्हनसन - डॉ.. मृणाल कुलकर्णी द्वारा

एडवर्ड राशटेक - डॉ.. शहनाज़ नलवाला द्वारा

ए एम टि जॅक्सन - डॉ.. मीना वैशंपायन द्वारा , और

जॉन विल्सन - विस्पी बालापोरिया

लेखकों ने उनके प्रबंध के लिए समय कि बिनती की है , आशा है कि वे समय पर यह काम २०२० तक पूर्ण करेंगे।

जे व्हि नाईक द्वारा किए गए काम, (संपादन और परिचय श्री मुरली रंगनाथन)

जो प्रथम नवंबर २०१६ में प्रकाशित हुआ और मार्च २०१८ में इसकी पुनः छपाई हुई।यह लगातार शैक्षिक प्रेस को आकर्षित कर रहा है। इसकी सकारात्मक प्रतिक्रिया पत्रिकाओं में प्रकाशित हुई है, जैसे - मनुष्य के इतिहास का अभ्यास(studies in people s history) इरफान हबीब द्वारा।

आर्थिक और राजकीय साप्ताहिक - प्राची देशपांडे द्वारा (Economic and policies weekly) और लोकसत्ता - श्रद्धा कुंभोजकर द्वारा।

राजाराम मोहन राय फाउंडेशन द्वारा इसकी ३२८ कापियां भारत के ग्रंथालयों में वितरण हेतु ख़रीदीं गयी थी। प्रकाशन समिति की सिफारिश से सोसायटी ने रोहन प्रकाशन, पुणे- इन्हें १अप्रैल २०१९ से एक साल के लिए प्रशिक्षण आधार पर वितरण के लिए नियुक्त किया था।

4.4 - डॉ. अरुण टिकेकर केंद्र - अग्रिम अध्ययन के लिए, (अध्यक्ष - डॉ. मीना वैशंपायन) संयोजक - माधवी. जी.कामत डॉ..टिकेकर अग्रिम अध्ययन ने तीसरे वर्ष की गतिविधियां सफलतापूर्वक पूर्ण किए हैं।२०१९ के फेलोशिप दिसंबर २०१८ में घोषित किए थे। इस साल कि फेलोशिप के लिए न्यायपीठ ने कोल्हापुर के डॉ..मंजुषा देशपांडे के प्रकल्प को चयन किया है।इस साल से मुख्य थिम (विषय) ' संस्कृति' चुना गया था '। डॉ..मंजुषा देशपांडे का विषय ' विस्मरण में गए हुए व्यंजन' (forgotten food items): स्थलांतर और शहरीकरण का प्रभाव, यह है।

फेलोशिप वार्षिक पुरस्कार समारोह १ फरवरी २०१९ को आयोजित हुआ। गत साल प्रथम पुरस्कार प्राप्ती मि. अजय कौतिकवार ने अपना प्रकल्प,उसका अवलोकन और निष्कर्श प्रस्तुत किया।साथ ही इस साल के पुरस्कार प्रार्थी अपने प्रकल्प का पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के साथ विवरण करेंगे।

साल २०२० फेलोशिप पुरस्कार के विषय केंद्र बाद में घोषित करेंगे।

इतिहास के पूर्व स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला और सेमिनार की योजना बनाई गई है।

5.सोसायटी स्थापना दिन - सन्माननिय फेलोशिप और प्रबंध प्रकाशन दिन

२६ नवंबर २०१८ , दरबार सभागृह में एशियाटिक सोसायटी मुंबई का २१५ स्थापना दिन समारोह,सिग्नोरा स्टेफानिआ कॉस्टनाझ, कौंन्सुल जनरल , कौंन्सुलेट जनरल,इटली -का सोसायटी के सन्माननिय फेलोशिप आठ विद्वानों को प्रदान किए।

१- डॉ. फैसल देवजी (अनुपस्थित)

२ - डॉ. ज्योतिंद्र जैन (अनुपस्थित)

३ - श्री गुलजार (अनुपस्थित)

४ - डॉ. जिम मेसायल्वहो

५ - मि. जस्टिस बी एन श्रीकृष्न

६ - डॉ. ऊषा ठक्कर

७ - डॉ. फरोख ई.उड्वाडिआ

तद्नंतर सिग्नोरा स्टेफानिआ कॉस्टनाझ इन्होंने एशियाटिक सोसायटी मुंबई के संस्थापक और मार्गदर्शकों पर तीन प्रबंधों का प्रकाशन किया।

१ - मेज़र जनरल वंश केनड़े(१७८३-१८४६) माधवी जी आर कामत द्वारा

२ - कॅप्टन जेम्स मॅकर्डो (१७८५-१८०२)कुंजलता शहा द्वारा

३ - आर्थर बेडफोर्ड ऑर्बर (१८१०-१८६६) वृंदा पाठारे द्वारा

इस अवसर पर श्री अरविंद जामखेडखर और अनुराधा जामखेडकर द्वारा संपादित, टिप्पणी तथा अनुवादित किया हुआ घुसुमेसाख्यान और वेरुलमहात्म्य इन पुस्तकों का भी प्रगटन हुआ।

मि एस जी काले (I A S Retd) सोसायटी के अध्यक्ष, समारोह के अध्यक्ष थे। कार्यक्रम को अपार सफलता मिली।१२ दिसंबर २०१८ को प्रो.ज्योतिंद्र जैन ने सन्माननिय फेलोशिप का स्वीकार करने स्वयं सोसायटी को भेट दे दीं, जो उन्हें सोसायटी स्थापना दिवस समारोह पर उनकी अनुपस्थिति में घोषित किया गया था। ज्योतिंद्र जैन जी ने अपनी प्रशंसा में कहा, सोसायटी से प्राप्त हुई यह फेलोशिप सचमुच महत्वपूर्ण सम्मान है। उन्होंने सभासदों के साथ प्रत्युत्तर स्वरुप बातें की, समारोह के दिन उपस्थिति थे।

साथ ही डॉ..फैसल देवजी ने २० दिसंबर को सोसायटी को भेट दे दीं, जिन्हें फेलोशिप प्रदान की गई थी। वे भी समारोह पर अनुपस्थित थे। उन्होंने भी समारोह में उपस्थित सभासदों के साथ वार्तालाप किया और उनके सम्मान के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

एक विशेष घटना के रूप में २३ फरवरी २०१९ को , अध्यक्ष , सन्माननिय सेक्रेटरी डॉ. शहनाज नलवाला और गीता कस्तुरी जी ने बांद्रा स्थित श्री गुलजार जी कें घर भेंट दी, और उन्हें सम्मान के साथ फेलोशिप प्रदान की, जो स्थापना समारोह दिवस पर अनुपस्थित थे। उन्होंने बहुत दरियादिली से अतिथियों का स्वागत किया और अपने अनुपस्थिति पर तहे दिल से खेद प्रकट किया। उन्होंने उन प्रतिनिधियों से कहा , की सोसायटी को दोनों की समय सुविधा के अनुसार भेंट करेंगे।

सोसायटी ने दो सन्माननिय व्यक्तियों को पदक और गौरव प्रशस्तिपत्र पहुंचाने की व्यवस्था की। स्वर्गिय प्रो.प्रमोद चंद्रा (पदक और गौरव प्रशस्तिपत्र) और डॉ..कॅरमल बेरक्सान (पदक), इन्हें डॉ.. ए पी जामखेडकर के हाथों, जो ८ जून से २३ जून २०१९ को अमरिका जाने वाले थे। पदक डॉ..कॅरमल बेरक्सान को और स्वर्गिय प्रमोद चंद्रा जी की पत्नी के पास पहुंचाया दिया।

6 - आयोजन

अध्यक्ष - सुश्री सुषमा वी. दाबक

संयोजक - ॲड. ए व्हि गोपालकृष्ण

इस साल के दौरान सोसायटी ने सिवाय प्रो. एल बी केनिए् के अलावा सारे एनडाउमेंट व्याख्यानोंका आयोजन किया , उनका व्याख्यान हर अल्टरनेट साल आयोजित किया जाता है। अपने विषय में प्रसिद्ध तज्ञ लोगों के व्याख्यानों का सोसायटी के दरबार सभागृह में आयोजन किया गया था। सारे व्याख्यानों को बहुत उपस्थिति तथा प्रशंसा प्राप्त हुई। साल के सारे एनडाउंमेंट व्याख्यानों का सविस्तर विवरण इस प्रकार है :

i.सेंटर फॉर लेबर स्टडिज एनडाउंमेंट :

इस अध्ययन केंद्र द्वारा 'कालबादेवी में कार्ल मार्क्स ' इसका ८ दिसंबर २०१८ को आयोजन किया गया, जिसका निर्देशन मि. मनोज शहा ने किया था। उनकी कल्पनाएं अमर्याद थी। इसका रंगमंचीय अविष्कार मि. सत्वित पुराणिक द्वारा बहुत शानदार रहा और विचार प्रेरक भी।उनके हल्के विनोद दर्शकों ने इतना सराहा, की सबको ऐसा लग रहा था कि यह खत्म ही ना हो।

ii - डॉ..मनि कामेरकर एनडाऊंमेंट व्याख्यान -

१३ दिसंबर - डॉ. मनि कामेरकर एनडाऊंमेंट व्याख्यान डॉ. आकिल बीलग्रामी द्वारा हुआ, (सिडनी मॉर्गेनबेसर- तत्वज्ञान के प्राध्यापक)

वैश्विक विचार अध्यापक समिति,१८ दिसंबर, २०१८ - कोलंबिया विश्वविद्यालय- क्या भारतीय धर्मनिरपेक्षता थी ? - निर्देशक तथा पटकथा लेखक मि. शाम बेनेगल जी का व्याख्यान हुआ,जो बहुत ही विचरप्रवर्तक रहा। प्रश्न-उत्तरों के समय सभासदों का उत्साह पूर्वक सहभाग रहा।

iii - दुर्गा भागवत एनडाउंमेंट व्याख्यान -

८ तारीख- दुर्गा भागवत एनडाउंमेंट व्याख्यान डॉ. कीर्ति मनकोडी द्वारा हुआ ,जो एशियाटिक सोसाइटी के सन्माननिय फेलो हैं , और कला इतिहास,पुरातत्वज्ञ है।२१ जनवरी २०१९ - भारतीय विरासत कि लूट- इस विषय पर डॉ.. देवांगना देसाई जी का व्याख्यान हुआ जो कला इतिहास इंडॉलॉजिस्ट है और एशियाटिक सोसायटी के सन्माननिय फेलो है।डॉ.. मनकोडी जी के व्याख्यान के प्रकटीकरण को , कला इतिहास के विशषतज्ञ डॉ.. देसाई जी के व्याख्यान की प्रशंसनीय सहायता हो गई।

IV - जस्टिस के टि तेलंग एनडाउंमेंट व्याख्यान :

तारीख-२५ , जस्टिस के टि तेलंग एनडाउंमेंट व्याख्यान डॉ.. पी जे शेरिन (PAMA के अध्यक्ष) द्वारा हुआ।अनुशासित पुरातत्विय विज्ञान, केरल , द्वारा ' २८ जनवरी २०१९ -पट्टनम (Muziris), प्रथम समुद्रीय शहरी क्रांति में भारतीय उपमहाद्वीप का प्रमाण और प्रमुख भूमिका' पुरातत्व में स्वतंत्ररुप से संशोधन करनेवाले डॉ.. रुकसाना नानजी व्याख्यान के अध्यक्ष थे , जिन्होंने विषय तज्ञ होने के नाते इस विषय पर विद्वत्ता पूर्णप्रकाश डाला।

V –मि.बी जी देशमुख एनडाउंमेट व्याख्यान

नौ - बी जी देशमुख एनडाउंमेट व्याख्यान डॉ..हर्ष मांदेर द्वारा , मानवी हक के कार्यकर्ता और लेखक, ' हृदय का विभाजन: भारत के अनमोल विचार' इस विषय पर १३ फरवरी २०१९ को हुआ। व्याख्यान के अध्यक्ष पत्रकार और लेखक मि.नरेश फर्नांडीस थे। दर्शकों ने बहुत ही बौद्धिकता से प्रतिक्रया व्यक्त की , और डॉ. .मंदेर जिन्होंने अपनी लंबी चौड़ी यात्रा के दौरान हिंसा और पीडॉ. के अनुभव सुनाए उससे दर्शक भावनिक रुप से जुड़ गए।

Vi - गुलेस्तान और रुस्तम बिलिमोरिया एनडाउंमेट व्याख्यान:

२१ वा व्याख्यान सर जे.जे. कला महाविद्यालय के अध्यापक, डॉ. मुस्तनसिर दलवी द्वारा २७ फरवरी,२०१९ को दिया गया। विषय- सर्वदेशीय वास्तुकला: १९३०/१९४० में मुंबई के क्षेत्र का पुनः निर्माण। इसके अध्यक्ष प्रसिद्ध वास्तुसंरक्षक मि.विकास दिलावरी , जिनकी टिप्पणियों ने आगे वक्ता के व्याख्यान पर प्रकाश डाला।

Vii श्रीमती नबदुर्गा बॅनर्जी एनडाउंमेट व्याख्यान :

अशोक विश्वविद्यालय , सोनपेत , में इतिहास के अध्यापक ,डॉ. उपिंदर सिंग द्वारा ५ मार्च २०१९ को सादर हुआ। विषय- स्त्रियां-सामर्थ्य और हिंसा: प्राचीन भारत दृष्टिकोण, डॉ. उषा विजयालक्ष्मी, पाटकर-वर्दे महाविद्यालय, मुंबई, सहायक अध्यापक और इतिहास विभाग प्रमुख, व्याख्यान के अध्यक्ष रहे, जिन्होंने वक्ता के विद्वत्तापूर्ण सखोल संशोधन की प्रशंसा की।

Viii : श्रीमती बन्सरी शेट स्मृती व्याख्यान :

२६ वा श्रीमती बन्सरी शेट स्मृती व्याख्यान डॉ..वृंदा ग्रोवर, वकील , संशोधक और नई दिल्ली के मानवी हक और स्त्रियों के हक की गतिविधियों में सक्रिय है , द्वारा २२ मार्च २०१९ को सादर हुआ , विषय- दंडमुक्ती और सामुहिक अपराध : भारतीय न्यायप्रणाली में शांति और धीमी कानाफूसी, मुंबई हाय कोर्ट के वरिष्ठ वकील संजय सिंघवी अध्यक्ष रहे, इस क्षेत्र में इनके विशाल अनुभव ने इसकी गंभीरता प्रबलता से प्रगट की।

ix अध्यापक धिरेंद्र नरीन एनडाउंमेट व्याख्यान

अध्यापक श्री गणेश देवी द्वारा, प्रसिद्ध विद्वान और भाषातज्ञ , भारतीय भाषाओं की विविधता, इस विषय पर ५ अप्रैल २०१९ को व्याख्यान हुआ। मि .जेरी पिंटो , कवि , उपन्यासकार , अनुवादक व्याख्यान के अध्यक्ष रहे , दर्शकों पर इनके अनुभव की झलक पड़ी।

गुलेस्तान और रुस्तम बिलिमोरिया एनडाउंमेट युवक सेमिनार :

८ दिसंबर २०१८ को गुलेस्तान और रुस्तम बिलिमोरिया एनडाउंमेट युवक सेमिनार का आयोजन किया गया। इसका विषय था (थीम) ,' कार्ल मार्क्स-आज ' ,

वरिष्ठ पत्रकार और राज्यसभा सदस्य श्री कुमार केतकर और डॉ..विवेक मोंटेरिओ, भारतीय श्रमिक संघ के सेक्रेटरी (CITU) महाराष्ट्र , ये दोनों वक्ता थे। अध्यापक कान्नमा रामण्णा (निवृत्त) नागरिक शास्त्र और राजकीय विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, यह सेमिनार प्रमुख थे।

५ मई १८१८, उसके जन्म के दो सौ साल बाद , प्रश्न उठाए गए ,' आज कार्ल मार्क्स हमें कुछ कहते?' दास कॅपिटल के बाद से पूरे विश्व में परिवर्तन आ गया। पूंजिवाद ने स्वयं अनेक प्रश्नों के विभिन्न रुप उजागर किए। यह सेमिनार इन प्रश्नों कि माँग थी ।जब की दो सौ साल का अंतर पार करने के बाद - मार्क्स के विचार उसके पुस्तक और व्याख्या-विवेचन से आज भी हमारे साथ है।

दो विख्यात वक्ताओं ने मार्क्स के तत्वज्ञान का अनेक अंगों से परिक्षण किया। मुंबई के विभिन्न महाविद्यालयों से ७५ विद्यार्थि शिक्षकों के साथ शामिल हुए थे , जिन्हें इसका फायदा हुआ। सेमिनार के समापन पर सहभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

मुंबई संशोधन क्षेत्र से कार्यक्रम का आयोजन

अध्यक्ष : मि . योगेश कामदार

संयोजक : डॉ.. कुरुष दलाल

मुंबई संशोधन केंद्र से आयोजित हुएं कार्यक्रम

I. मंटो समारोह - यह समारोह १० अगस्त २०१८ को मनाया गया।

समारोह का विवरण इस प्रकार रहा:

A :- मंटोज् बॉम्बेवॉक - ४० विद्यार्थियों का समुदाय जैसे कल्पना और चरित्र का अंतर्मिश्रण था, सुबह ११ बजे से लेकर दोपहर १ बजे तक उनमें से अधिकतर विद्यार्थियों ने रफिक बग़दादी के साथ मंटो की बॉम्बे' ख़ोज ली।मेरवान - ग्रँट रोड स्टेशन (पूर्व) के बाहर जहां मंटो निश्चित रूप से बन मस्का का चाय के साथ आनंद लेता था। यह समुदाय घुम फिरकर वहां आ गया जहां पहले प्रतिष्ठित ज्योती स्टुडियो हुआ करता था। लॅमिग्टन रोड - ग्रँट मार्ग से सिनेमा डिस्ट्रिक्ट- नाचने वाली लड़कियों के घरों से गुज़रे , वे ' पिंजरे ' जहां मंटो के वाचकों ने उसके कथा - कहानियों से उस दलाल और तवायफों को महसूस किया।

मंटो की समकालीन मुंबई राजकीय उथल-पुथल में आजादी के आंदोलन में प्रमुख थी। इस कारण कांग्रेस हाऊस और जीना हॉल को भेट देना अनिवार्य था। अरब गली की ईमारतों कि भीड़ में , जहां मंटो रहता था , वहां इस समुदाय का वॉक खत्म हुआ। इस वॉक में भारिभरकम उपस्थिति थी।

B : - मंटो समारोह - उसी दिन बाद में कथा-कथन इस आयोजन में दरबार हॉल में काफी भीड़ में सहभागी ३ से ७ तक - ' लायसन्स ' और ' सोने की अंगूठी ', इन दो कथाओं का वाचन सुनने हेतु जमा हुए थे।यही कार्यक्रम आगे - शब्दों की दुनिया में मंटो , चुगताई और नरेटिव्हज ऑफ डिसेंट - द्वारा परोमिता चक्रबर्ती द्वारामंटो को याद करते हुए - देवेंद्र मोहन द्वाराचलता रहा।' मंटो की यात्रा ' इस प्रर्दशनी में शाम के समय नंदिता दास द्वारा प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का बहुत ही शानदार आयोजन हुआ।

ii. ये है मुंबई मेरी जान - मुंबई बॉलीवुड संगीत में

' ये है मुंबई मेरी जान'यह कार्यक्रम १४ दिसंबर,२०१८ को - बॉलीवुड संगीत में मुंबई- इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम की संकल्पना और प्रर्दशन श्री माणेक प्रेमचंद द्वारा किया गया। कार्यक्रम बहुत ही मनोरंजक था।

iii.मेडिकल असोसिएशन (वैद्यक समिति) का हेरिटेज वॉक :३ फरवरी २०१९ को मेडिकल असोसिएशन के वॉक का आयोजन किया गया। ३३ लोग (३२ जो सभासद नहीं थे और १ सभासद) वॉक में शामिल हुए।इस वॉक के परिणाम हेतु सोसायटी ने ६५००₹ जमा किए।

IV.आधुनिक मुंबई - २० वीं सदी की तरफ: रविवार १० फरवरी २०१९ को इसका आयोजन किया गया। वॉक का नाम' आधुनिक मुंबई ' था।इस हेरिटेज प्रोजेक्ट (वारसा प्रकल्प)के संस्थापक और सहायक सुश्री अलिशा सदिकोट ने इसका संयोजन किया था।

३ मार्च २०१९ को सॉल्ट पॅन (नमक क्यारी)वॉक का आयोजन :

मुंबई संशोधन केंद्र के सभासद मि.विनायक परब ने रविवार ३ मार्च २०१९ को सॉल्ट पॅन वॉक का आयोजन किया था। मिलने का स्थान वडाला सॉल्ट पॅन , शांति नगर था। वडाला सॉल्ट पॅन एक अनूठी इकोसिस्टिम है , जो लगभग ३३५५ एकर जमीन पर बनी है। मुंबई इलाका और आसपास के शिलालेख हमें यह जानकारी देते है , की इन सॉल्ट पॅन का प्राचीन काल से अस्तित्व है। पुराने खाते पुस्तक में इनसे मिलने वाली आय राशि भी देखने को मिलती है हम। मुंबई कि यह जमीन इतनी महत्वपूर्ण थी , की राजा भी श्रेष्ठता पाने के लिए इसका दान करते थे आय कि वृद्धि करने के कारण पोर्तुगीज , ब्रिटिश और मराठा काल में इन सॉल्ट पॅन ने बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके आर्थिक महत्व के साथ , इकोलॉजिकल क्षेत्र में और इनके विकास से सॉल्ट पॅन के इर्द-गिर्द जीवन चक्र कि अलग ही संस्कृति घूम रहीं हैं। तथापि शीघ्रता से बढ़ रहे जमीन के दबाव में न केवल इकोलॉजिकल संरचना को बाधा पहुंचती है , बल्कि पुरे जीवन शैली और संस्कृति को बाधा निर्माण हो रही है।

vi .डॉ.कुरुष एफ दलाल द्वारा अभिव्यक्ति:८ मार्च २०१९ को, डॉ. कुरुष एफ दलाल- सहायक अध्यापक , पुरातत्व - एक्स्ट्रा म्यूरल स्टडिज केंद्र, मुंबई विश्वविद्यालय - इन्होंने, " हंबीरराव " : मधृययुगीन कालखंड के कम प्रसिद्ध शासक - इस पर विचार प्रकट किए। पुरातत्व संग्रहालय - महाराष्ट्र राज्य के निर्देशक - डॉ.तेजस गर्गे अध्यक्ष थे। श्रोता भारी संख्या में उपस्थित थे।

' द सर्कल ' इस अनुबोधपट (सिनेमा) का आयोजन:

सोसायटी के दरबार हॉल में १५ मार्च,२०१९ को ' द सर्कल '(अवधि ६०मि) इस अनुबोधपट का प्रर्दशन हुआ। योगा कि ताकत से होने वाले परिवर्तन , इस विषय पर थी। मुंबई की सड़कों पर रहने वाले बच्चे, (street children) जिन्हें मादक पदार्थो की आदत लग जाती हैं , धारावी पर केंद्रित यह फिल्म समाज के अतिसंवेदनशील लोगों को ढूंढ़ती हैं, उन्हें अपनाकर अंत में उनके जीवन में सुधार लाते हैं।

निर्माता-निर्देशक तथा लेखन- फिलिपा फ्रिसबे का था।

फिल्म के बाद प्रश्न-उत्तरों का सत्र भी रह।

vi :- तेजस गर्गे द्वारा अभिव्यक्ति (talk):

१९ जूलाई २०१९ को कोंकण के पाषाण शास्त्र (Petroglyphs) पर महाराष्ट्र राज्य पुरातत्व संग्रहालय के निर्देशक डॉ.. तेजस गर्गे द्वारा इसकी अभिव्यक्ति हुई। कार्यक्रम के अध्यक्ष,डॉ..कुरुष दलाल, पुरातत्व के सहायक अभ्यासक - सेंट्रल फॉर एक्स्ट्रा म्यूरल स्टडिज, मुंबई विश्वविद्यालय, यह थे। दर्शकों की भारी संख्या में उपस्थिति थी।

६.४ : - ASM साहित्य सभा (Literatury Club) Litclub का आयोजन :

अध्यक्ष: मिसेस संजीवनी खेर

संयोजक : प्रा. मीनल क्षिरसागर

यह साल ASM के लिए काफी सफल रहा। बहुत ही मनोरंजक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें सभासदों की और अन्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में क्लब के सभासदों में सुझाव बनाने में सौहार्द पूर्ण बातचीत हुई और हर सुझाव के गुणों पर चर्चा हुई।

I : - योगा पर अभिव्यक्ति -(A talk on Yoga)

१३ अगस्त २०१८, पर ' योगा कि आदत ' इस विषय पर मि. विठ्ठल नाडकर्णी - वरिष्ठ लेखक और स्तंभलेखक तथा टाईम्स आफ इंडिया के भूतपूर्व विज्ञान संपादक इन्होंने अपनी अभिव्यक्ति सादर की। डॉ.. नाडकर्णी अनेक अधिकारों पर काम करते हैं। दस साल से 'हटयोगा' कि शुरुआत करके इस पर संशोधन भी किया है। २१ वीं सदी में मगन दर्शकों को कुछ यौगिक स्थिती तथा क्रियाओं का उन्होंने व्यवहार उपयोगी प्रत्यक्ष रूप में दिखाई दिया। जिन्हें बेबी सिंपल नाम दिया है।

ii : - प्यार के बगीचे पर वार्तालाप :

१ नवंबर २०१८ पर, मीरा गोडबोले- कृष्णमूर्ति द्वारा लिखित और चित्रित, ' प्यार के बगीचे ' पर वार्तालाप का आयोजन किया गया था। यह चार दिलकश ,अंत: परस्पर कथाओं का संच है , कथा के किरदारों के उलझन में, नई दिल्ली के लोधी उद्यान के ऐतिहासिक मकबरे , रोम के रोमन फ़ोरम के शानदार खंडहर , न्यू यार्क सिटी के सेंट्रल पार्क का प्राकृतिक लँडस्केप , और मुंबई के हँगीग गार्डन में सुंदरता से कांटे गये पौधों की विशेषता, इस माध्यम से तेढे-मेढे मोड़ लेते हैं।

अत्यंत सुंदर कलम से निकला इस कथाओं का चुनाव और चित्रण तथा विशेष रूप से संकल्पना कि असलता की काफी सराहना हुई।

iii : - डॉ.. एस. एस.धकतोडे द्वारा अभिव्यक्ति :

२० नवंबर २०१८ पर , डॉ..धकतोडे का उनकी पुस्तक , थॉमस जेफरसन और डॉ..बाबासाहेब आंबेडकर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया था। असामान्य और रोचक विषय पर, यह इन दो विख्यात राजकीय विचारवंतो का तुलनातमक अभ्यास है। उनका इस विस्तृत संशोधन के लिए आभार। इन दो महान नेताओं की विचारों कि साम्यता में एक नयी अंत: दृष्टि देने में डॉ.. धाकतोडे सक्षम रहे। ये दोनों व्यापक रूप से भिन्न सामाजिक और भौगोलिक प्रांत से आए थे। व्याख्यान को अत्यंत सराहा गया।

iv : - आयेषा रामचंद्रन द्वारा अभिव्यक्ति :

१३ दिसंबर, २०१८ को, आयेषा रामचंद्रन - तुलनात्मक साहित्य के सहायक अध्यापक , येल (Yale) विश्वविद्यालय, इनका आयोजन हुआ।प्रिती तनेजा का नया , प्रशंसनीय उपन्यास, वुई दॅट आर यंग(we that are young) पर अपने विचार व्यक्त किए।

v : - इंदुमती रामन द्वारा अभिव्यक्ति :

१० जनवरी २०१९ , को भागवत मेला पर सुश्री इंदुमती रामन द्वारा वार्तालाप का आयोजन हुआ। तंजावुर ज़िले ब्राम्हन पुरषों द्वारा मंदिरों में सादर होने वालीं नृत्य परंपरा , जो विष्णु के अवतार श्री नरसिंह को समर्पित होती है। नृत्य नाटिका में , शास्त्रीय नृत्य तथा शुद्ध कर्नाटक संगीत , संवाद और रस्म रिती रिवाज़ सामग्री की समृद्धता थी। इस वार्तालाप में , भागवत मेला का इतिहास , तंजावुर मराठा राजा के संदर्भ में स्पर्श किया गया। वार्तालाप में स्लाईड्स का चित्रण , जो अत्यंत जानकारी देनेवाला था , जो बहुत सराहा गया।

डॉ.. डेविड काट्झ द्वारा अभिव्यक्ति :

मुक्तिबोध भारतीय विद्या (Indology) संशोधन संस्था द्वारा २२ फरवरी,२०१९ को , धार्मिक हस्तलिखितों का डिजीटल संरक्षण,इस विषय पर अभिव्यक्ति हुई। मुक्तिबोध भारतीय विद्या संशोधन संस्था (MIRI) फायदा कमाने हेत नहीं काम करती , भारतीय खजाने का तत्वज्ञान और लिखित वारसा जो ख़तरे में है, उसे समर्पित है। संस्था ऐसे प्राचीन पुस्तकों कों ढुंढती है और उनकी पहचान कराकर, जो ख़राब हो रहें है अथवा कायम स्वरुपी जो नष्ट हो रहे है, ऐसे धार्मिक ग्रंथों का ग्रंथालय, जो ज्ञान और भारतीय विद्या बुद्धिमत्ता इन ग्रंथों में हैं,जो भारत की समृद्ध और प्राचीन धरोहर है , इसका संरक्षण करके विश्व को दे रहीं हैं। डिजिटल पुस्तक ऑनलाइन डिजिटल ग्रंथालय के रुप में विश्व भर में विनाशुल्क लिए प्रचार कर रहे हैं - इस प्रकार विश्व संस्कृत समिति और भारतीय विद्या के विद्वानों को उपलब्ध करा रही हैं, और इनका संशोधन करने हेतु उत्साहित कर रही है।

मुक्तिबोध भारतीय विद्या संशोधन के निर्देशक मंडल के डॉ.. डेविड काट्झ संस्थापक सदस्य है। वे हाल में ही मुक्ती बोर्ड में अध्यक्ष और सभापति का काम कर रहे है। उनके व्यावसायिक जीवन में, डॉ..काट्झ मेडिसिन केस वेस्टर्न रिजर्व युनिवर्सिटी - क्लेव्हेन्ड , ओहियो , यहां मज्जातंतू और मनश्चिकीत्सा के अध्यापक है।(Neuroscience and Psychiatry)डॉ.. क्काट्झ का संशोधन- आनुवंशिक मज्जातंतू का विकास और विकार के इलाज का विकास पर केंद्रित है , और वैद्यक क्षेत्र में इनके मज्जातंत विज्ञान के व्याख्यान ने पुरस्कार जीत लिया है।इस अभिव्यक्ति ने विद्वत्तापूर्ण दर्शकों को आकर्षित किया।

vii - : प्राध्यापक डॅनिअल चारटिअर द्वारा अभिव्यक्ति :

साहीत्य क्लब ने सेंटर फॉर युरोपीयन स्टडिज और मुंबई विश्वविद्यालय के सहयोग से Qumaq and Inuit literature : the recent emergency of new literature from the Artic , २८, फरवरी को डॉ..डॅनिअल चारटिअर कि अभिव्यक्ति का आयोजन किया।

जेरी पिंटो , कवि, उपन्यासकार और अनुवादक समारोह के अध्यक्ष थे। कुछ लोग आर्टिक में रहते हैं , कुछ Inuit जैसे, जिन्हें पहले एस्किमो ज कहते थे , इन्होंने बाकी विश्व के नज़र में आर्टिक का प्रतिनिधित्व किया , इसलिए नहीं कि, उन्होंने राज्य का अधिकतर भाग व्याप्त लिया है और अनेक देशों में विस्तार हो रहा है , बल्कि उनका जीवन मुश्किल वातावरण में मनुष्य का जिंदा रहने के लिए जो संघर्ष चलता है , उसका सार्वभौमिक प्रतिक है।" उत्तर कि कल्पना " पर Inuit लेखक और कलाकारों का अधिकतर झुकाव एक भाग है । काल्पनिक उतर , मुख्यत: फ्रेंच , जर्मन , इंग्लिश और अमरीका द्वारा बनाया गया है , यह शतकों से चली बातचीत का फ़ल है। २०वी सदी के अंत में जो Inuit वांग्मय का उद्भव हुआ , वह हमें इस कल्पना पर फिर से विचार करने को कहते है। कुछ Inuit लेखक , जिनमें Taamusi Qumaq शामिल है , इनके वांग्मय एक जरिया है , Inuit के नजरिए से देखने और उनकी संस्कृति को समझने का प्रवेशद्वार है , जो हमने सिर्फ बाहर से और दूर से देखा है। उत्तर कि प्रतिमाओं के संशोधन में - Universite du Quebec a Montreal, के डॅनिअल चारटिअर एक परीपूर्ण प्राध्यापक है , और उत्तर कि प्रतिकुल परिस्थिति और आर्टिक और अंतरर्राष्ट्रीय प्रयोग शाला तुलनात्मक बहुविषयक प्रतिनिधित्व के अभ्यास में ।प्रसिद्ध Inuit नेता Taamusi Qumaq , मराठी आत्मचरित्र का प्रकाशन फ्रेंच में करनेवाले - इस अभिव्यक्ति के अध्यक्ष थे।Je veux que les Inuits soient libres

प्राध्यापक जयंत धुपकर ने इसका मराठी अनुवाद किया है। EFUL और सेंटर फॉर युरोपीयन स्टडिज, मुंबई विश्वविद्यालय ने इसे प्रकाशित किया। दर्शकों को यह व्याख्यान बहुत जानकारी देने वाला लगा और वास्तविक रूप से आँखें खोल देने वाला।

viii : - हिंदी कार्यक्रम ' दों सितारे '

१४ मार्च,२०१९ दो सीतारें नाम के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

शैलेन्द्र और साहिर लुधियानवी के वांग्मयिन सरगमी के उत्कृष्ट रचनाओं का आनंद लेने का कार्यक्रम में प्रयास किया गया।

१९५० - १९६० में हिंदी सिनेमा में जिन्होंने ऊंचे स्तर पर राज किया। मनुष्य जीवन के सीधे सरल अनुभव , दुर्लभ संवेदनशीलता से , तथा बेशुमार भावभावना उनके सिनेसंगीत में प्रतिबिंबित होते थे, जो प्रसिद्ध सिनेसंगीत उनकी रचनाओं का संमिश्रण था , जिसे बहुत यश प्राप्त हुआ।

सभागार में पुरे अंधकार में इन काव्यात्मक मिश्रण के चार गानें पेश किए गए, ताकि दर्शक उनकी शब्द-रचना पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

वरिष्ठ पत्रकार अंबरीष मिश्र हिंदी कार्यक्रम के यजमान थे।विगत चार दशकों से मुंबई का प्रसिद्ध इतिहास का वृत्तांत कर रहे है। और १५ साल से हिंदी गीतों की तुलना और महफ़िल पेश कर रहे हैं।इस संकल्पना और कार्यान्वित करने का श्रेय प्रसाद पानसे को जाता है। समारोह बहुत सुंदर ढंग से सादर हुआ।

xi : - मराठी पुस्तक का प्रक्षेपण :

अल्बर्ट कामु - मराठी पुस्तक का प्रक्षेपण :

1 अप्रैल,2019 को अलोक ओक संपादित ' नव्या क्षितीजाचा शोध ' , इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। प्रसिद्ध उपन्यासकार , नाटककार , सिनेमा-नाटक के समिक्षक और पटकथाकार मि.किरण नगरकर द्वारा इसका प्रकाशन हुआ। कार्यक्रम को अच्छी उपस्थिति मिल गई थी ।

x : - 16, अप्रैल 2019 को प्रकाशन -, मुसलमानी मुलखातली मुशाफिरी -

मुसलमानी मुलखातली मुशाफिरी - श्रीपाद रामचंद्र टिकेकर ,ने यह वृत्तांत 1931 में लिखा था। 16 अप्रैल,2019 को सोसायटी के अध्यक्ष मि.एस.जी.काले द्वारा,90 साल पुराना यह दुर्लभ पुस्तक दुबारा प्रकाशित हुआ , क्योंकि यह सिर्फ एक यात्रा वृत्तांत नहीं है, बल्कि लोग और प्रांत का सामाजिक, राजकीय दस्तावेज हैं , जो स्पष्ट, शानदार और वास्तव शैली में लिखा हुआ है। यह मि. एस आर टिकेकर के पेशावर , क्वेट्टा और तेहरान यात्रा का परिणाम है , विशेष रुप से ' केसरी ' वृत्तपत्र ने सहयोग दिया था। उस जमाने में ये प्रांत यात्रा के नक्शे पर प्रसिद्ध नहीं थे, और मराठी में शायद इस प्रकार का यह पहला यात्रा वृत्तांत है। राज्य शास्त्र के , पूर्व विभाग प्रमुख,डॉ..मनिषा टिकेकर - SIES विद्यालय , इन्होंने इस पुनः प्रकाशित पुस्तक कि विद्वत्तापूर्ण प्रस्तावना लिखकर , विस्तृत टिप्पणी भी दीं हैं। इस प्रकार पुस्तक को अधिक वाचनीय बनाया है। कार्यक्रम का संयोजन बहुत अच्छा हुआ और दर्शकों ने भी डॉ..मनिषा टिकेकर कि इस प्रस्तावना के आलोचना कि खूब सराहना की।

xi :- मेरा शेक्सपिअर के साथ आकस्मिक मिलन - अरुण नाईक द्वारा अभिव्यक्ति:

23 अप्रैल, शेक्सपियर कि जयंती पर स्मरणीय सत्र का , माय एनकाऊंटर विथ शेक्सपियर - इसका अरुण नाईक , लेखक , प्रकाशक , थिएटर समीक्षक , निर्देशक और अनुवादक द्वारा आयोजन किया गया। इस कार्यप्रणाली के अभिव्यक्ति में मि.अरुण नाईक ने शेक्सपियर कि प्रमुख प्रस्तुती और हॅम्लेट , मॅकबेथ और अथेल्लो के मराठी अनुवाद कि समीक्षा भी की। उन्होंने, इस स्ट्रॅटफोर्ड में रहने वाले इस व्यक्ति ने सचमुच यह नाटक लिखे हैं क्या? इस विवादग्रस्त विषय,जो उसपर आरोपित किया जाता है, उसे भी स्पर्श किया।

xii : -. योग और ध्यान पर व्याख्यान :

21 जून,2019 को मि.संजय भाटिया, मुंबई के पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष , द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर लिट् क्लब (LitClub) ने एक प्रेरणादाई व्याख्यान का आयोजन किया। भारतीय प्रशासन सेवा सदस्य (IAS) मि.संजय भाटिया पहले शहर और औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष थे , और स्वयं प्रसिद्ध साधक है। 17 साल से,आतमपरिवर्तन के लिए ध्यान चिकित्सा का और उत्पादन संवर्धन का अनुभव है। अभिव्यक्ति का केंद्र बिंदु अपनी अंत: जागृति के अनुभव,इस पर आधारित ध्यान कि अनोखी प्रणाली पर था।

xiii : - अ सोलो थिएटर पिस टायटल्ड " कास्ट ऑफ ऑल शेम" (A solo theatre piece titled " Cast off All Shame)

24 जूलाई,2019 को,अ सोलो थिएटर पिस टायटल्ड का प्रर्दशन किया गया। आज के स्त्री की कथा- भक्ति काव्य के साथ , इस संमिश्रण का यह प्रर्दशन (शो) बहुत विचारप्रवर्तक और हास्यकारक भी था। डॉ.. उल्का मयुर द्वारा इसका लेखन , निर्देशन और प्रर्दशन किया गया , जो लेखक और कथाकार (storyteller) और मुंबई के थिएटर व्यवसाय में है। खेल कि शुरुआत जनाबाई का आत्मा रेडियो शो पर अधिकार ग्रहण करता है, और समकालीन सोसायटी के स्त्री के साथ क्रोधभरा खेल रहा है , इसके जवाब में इन अतिपीडॉ. सहनेवाली स्त्रियोंकी कथा जनाबाई भक्ति आंदोलन में मुक्ती कि कथाएं , कराईकल अमैयार , सोयराबाई अव्वैयार , अक्क महादेवी और लाल दे,इन कवयित्रियों की गूढ़ अध्यात्मवादी कविता सुनाकर करती है। भक्ति आंदोलन और कविताओं का विस्तृत संशोधन करके इस शो का यह भाग अनभिज्ञ कथा प्रकट करतीं हैं, और शरणागत की आशा बयान करतीं हैं, जिसमें स्त्री और पुरुष ऐसा भेद नहीं था , और सब वास्तविक अर्थ से मुक्त थे। थिएटर कंपनी स्टोरी सर्कल कि डॉ..उल्का मयुर सहायक संस्थापक और कला निर्देशक है।

6.5 :- डॉ..अरुण टिकेकर फेलोशिप पुरस्कार और प्रार्थना समाजाचा इतिहास, इसका प्रर्दशन समारोह :

1 फरवरी,2019 , शाम 5 बजे- सोसायटी के दरबार हॉल में घोषित किए गए डॉ..अरुण टिकेकर फेलोशिप के 3 पुरस्कार प्रार्थिओंके समारोह का आयोजन किया गया। ज्यूरी कमिटी की सिफ़ारिश से, इस साल का पुरस्कार डॉ..मंजुषा देशपांडे को प्रदान किया गया। उनसे चुना गया विषय -' विस्मरण व्यंजन: स्थलांतर और शहरीकरण का परिणाम ' - पर उन्होंने संक्षिप्त जानकारी दी और इसके ख़ोज पर कि गई उनकी कार्यप्रणाली भी विषद की। और दो पुरस्कार प्रार्थी - जिन्होंने अपना प्रकल्प पुरा किया था।

मि.अजय कौतिकवार

प्रकाशन समिति ने इस अनुकूल परिस्थिति का लाभ लेने का निर्णय लिया, की सोसायटी का प्रकाशन (प्रार्थना माजाचा इतिहास) , संपादन,डॉ..राजा दिक्षित- इस पुस्तक का भी प्रकाशन करे। 1927 में डि. जी.वैद्य द्वारा मूलतः इस पुस्तक का प्रकाशन हो चुका था , अनेक सालों से यह पुस्तक उपलब्ध नही है। दुर्लभ और पुराने पुस्तकों की पुनः प्रकाशन योजना में सोसायटी ने यह प्रकाशित किया , जिसे विमल शहा मेमोरियल फंड से अनुदान मिला।

सोसाइटी के अध्यक्ष मि.एस.जी.काले(IAS Retd)) इस समारोह के अध्यक्ष रहे, और उन्होंने पुस्तक का प्रकाशन किया। उन्होंने विशेष रूप से बताया- इस पुनः प्रकाशित पुस्तक के संपादन करने वाले डॉ..दीक्षित , और इसके साथ पुणे , रत्नागिरी , वाई , सातारा यहां से आए हुए दर्शकों ने देखा,की प्रकल्प को यश मिला है।इस उत्साह और अथक परिश्रम के लिए उपाध्यक्ष डॉ..मीना वैशंपायन का आभार।

यह निरंतर इंडिया प्रिंटिंग प्रेस और प्रकाशकों के संपर्क में थे। और स्वयं पुस्तक कि छपाई और सूची बनाने के काम का संचालन किया।

डॉ..राजा दिक्षित प्रार्थना समाजाचा इतिहास, पुस्तक अद्ययावत बनाने में बहुत दूरदर्शी थे , इसके लिए सूची बनाई थी, और दुसरे आवृत्ति कि मौलिकता में और संशोधन करने वालों के लिए और वाचकों को आनंद मिले इसलिए उन्होंने 465 फूटनोट्स बनाएं थे।इस दुसरी आवृत्ति के लिए मुख्यत: डॉ.. राजा दिक्षित , डॉ..मीना वैशंपायन और इंडिया प्रेस के डॉ..आनंद लिमये, इन सबका इस उत्कृष्ट कार्य के लिएआभार। यह घोषित किया गया है, की इस पुस्तक का प्रकाशन पुना में भांडारकर ओरिएंटल इन्स्ट्यूटिट के सहयोग से भी हो रहा है।दुर्भाग्यवश - प्रो. जे.व्हि.नाईक, सोसायटी बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के मुख्य और प्रसिद्ध इतिहासकार, इन्होंने स्वयं पुस्तक प्रकाशन करने कि संम्मती दी थी, प्रकृति अस्वास्थ कि वजह से समारोह में उपस्थित नहीं रहें।

5 मार्च 2019, को पुना में भांडारकर ओरिएंटल इन्स्टीट्यूट (BORI) के विशाल और आरामदायक हॉल में, प्रार्थना समाजाचा इतिहास इस पुस्तक का प्रर्दशन हुआ। दूसरी कोई भी संस्था इस महत्त्वपूर्ण पुस्तक के लिए इससे अधिक उचित नहीं। प्रमुख अतिथि के रूप में प्रसिद्ध लेखक, इतिहासकार और बोर्ड कि ट्रस्टी में से एक सदस्य डॉ..सदानंद मोरे थे। सोसाइटी के अध्यक्ष मि.शरद काळे समारोह के अध्यक्ष थे। मि.मोरे जी ने अपने भाषण में पुस्तक और ASM कि गतिविधियों कि प्रशंसा की। उन्होंने प्रार्थना समाज कि तत्व अधोरेखीत की, और नये पहेलूंओं के संशोधन कि ओर ध्यान आकर्षित किया। डॉ..दिक्षित ने इस पुराने पुस्तक के संपादन में आईं मुश्किलों का वृत्तांत बताया। मि.शरद काळे ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा , प्रार्थना समाज जैसे सुधारात्मक क्षणों का ऐतिहासिक दृष्टिकोण भविष्य के संशोधनों को मदद करता है। विठ्ठल रामजी शिंदे और प्रार्थना समाज इन दोनों के विचारों के संबंध को खोजना ऐतिहासिक महत्त्वपूर्ण है, इसलिए इस प्रकार के संशोधन पर आधारित प्रकल्प जारी रहना महत्वपूर्ण है। BORI के सन्माननिय सेक्रेटरी डॉ..बहुलकर जी ने अगस्त गॅदरींग का स्वागत किया। डॉ.. मीना वैशंपायन, ASM के उपाध्यक्ष मत के प्रस्ताव के लिए आभार दिए, और भविष्य में इस प्रकार सहयोग से गतिविधियों के आयोजन कि इच्छा व्यक्त की, जो दोनों संस्थाओं के लिए उपयुक्त होगी।

उत्साहि संशोधक और पुना के बुद्धीजीवी वर्ग कि हॉल में क्षमता से अधिक उपस्थिति थी पुस्तक कि 47 कापियों कि उस दिन बिक्री हुई। हमारे कर्मचारी सदस्य मि. विजय रिकामे , इन्होंने पुस्तक बिक्री में सहायता की।

6.6 -- सहयोगी कार्यक्रम :

1: सहयोगी व्याख्यान :- एशियाटिक सोसाइटी और कन्सुलेट जनरल, इटली- इनकी सहयोग से 19,अक्टुंबर को सहयोगी व्याख्यान का आयोजन किया गया। प्रो.तान्या राय जो दिल्ली विश्वविद्यालय में इटालियन भाषा सिखाते है। इटालियन लँग्वेज अँड द नेट्स ,इस विषय पर, इस तांत्रिक युग कि भाषाएं,इस पर उन्होंने व्याख्यान दिया। इटालियन अधिकारियों ने इस विषय का चयन किया, जहां इटली इस सप्ताह में पुरे विश्व में इटालियन भाषा उत्सव मना रहीं हैं। सिग्नोरा स्टेफानिआ कॉस्टन्झा , इटली के कौन्सुल जनरल ने व्याख्यान के सारे उपस्थितियों को विनम्रता से चाय-नाश्ता प्रस्तुत किया।

ii : रोटरी क्लब, मुंबई की तरफ से आर्म चेअर यात्रा का प्रबंध :

The world through our windshield (Driving through our windshield) इस नाम से , भारत से लंडन- इन 18 देशों कि एक कुर्सी यात्रा (an armchair tour) का 28 सितंबर 20186 पर रोटरीयन अशोक और वत्सला जटिया द्वारा कार्यक्रम किया गया रोटरी क्लब मुंबई ने इसका आयोजन किया था। इस कार्यक्रम को अच्छी उपस्थिति हासिल हुई।

iii -: डाजीटाईजेशन - एक दिवसीय कार्यशाला :

५ फरवरी,२०१९ को, सोसायटी ने ब्रिटिश ग्रंथालय के सहयोग से सांस्कृतिक विरासत सामग्री (Culture Heritag Material) के लिए डिजीटाइजेशन के मापदंड और कार्यप्रवाह'इस विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला संयोजित की। इसके लिए ३५ सहभागियों कि मर्यादा रखीं गई थीं। कार्यशाला का प्रमुख ध्येय डिजीटाइजेशन प्रक्रिय का ज्ञान देना था , ऑनलाइन आकलन के लिए पुस्तकों का चयन करना, और OCR के साऑफ्टवेअर के आवेदन का व्यावहारिक ज्ञान देना था। ३३ दर्ज किए सहभागी और ५ सभासद ग्रंथालय डिजीटाइजेशन प्रकल्प के लिए उपस्थित रहे थे। सोसायटी के अध्यक्ष मि.एस.जी.काळे ने कार्यशाला का उद्‌घाटन किया। प्रो. विस्पी बालापोरिया- सोसायटी के सन्माननिय सेक्रेटरी, इन्होंने सहभागियों का स्वागत किया, और कार्यशाला के आगामी सत्रों कि जानकारी दी। कार्यशाला का प्रारंभ, ब्रिटिश ग्रंथालय के डिजिटल क्यूरेटर,मि.टॉम डेरीक के प्रस्तुतीकरण से हुआ - ब्रिटिश ग्रंथालय में, डिजीटाइजेशन के कार्यप्रवाह के साथ, डिजीटाइजेशन कि योजना बनाना , तांत्रिक मापदंड (technical standards) , उपकरण सामग्री तैयार करना और दस्तावेजों कि तैयारी करना और संभालना। ग्रंथपाल डॉ..माया अवसिआ ने एशियाटिक सोसाइटी मुंबई, यहां डिजीटाइजेशन के स्त्रोत में अवलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने एशियाटिक सोसाइटी में IFLA डिजीटाइजेशन के लिए दिशानिर्देश, चयन किए सामग्री का डिजीटाइजेशन कार्यप्रवाह प्रस्तुत किया , स्कॅनिंग , गुणवत्ता जांच , मेटाडाटा निर्मिती - इन सब बातों का विवरण किया। KGC मायक्रोसिस्टिम के मि.परवेज बनाटवाला ने डिजीटल पोर्टल ग्रंथसंजीवनी से, आकलन प्रस्तुत किया। उन्होंने पोर्टल पर विभिन्न जांच (serchec) कैसे सुत्रीत किए जाते हैं यह भी समझाया। दोपहर के सत्र में, OCR सॉफ्टवेयर टेसरॅक्ट (Tesseract) और ट्रांसंकिबस (transkribus) इन दोनों पर भारतीय लिपि और वास्तव में इसका प्रयोग कैसे किया जाता है- यह समझाकर प्रस्तुत किया। उन्होंने कैसे Transkribus भारतीय भाषाओं के लिए और Tesseract इंग्रजी भाष के लेखन के लिए उपयुक्त है,ये समझाया। यह सब सामुहिक उपक्रमों में - सात गट बनाकर समझाया। प्रत्येक गट को उन्हें दिए गए अभ्यास (case study) पर डिजीटाइजेशन कौशल (strategy) कि तैयारी करने को कहा। तदनुसार सारे समुदायों ने इसमें भाग लिया, और प्रत्येक गट के प्रतिनिधि ने उस डिजीटल कौशल को प्रस्तुत किया। कार्यशाला सहभागियों को प्रमाणपत्र दिए गए।

6.7 : सहयोगी पाठ्यक्रम आयोजन (Collaborative Courses Held):

स्थानिय संस्कृति , ६ (२०१८ - २०१९)

स्थानिक संस्कृति अभ्यासक्रम - २०१२ -१३ में, विल्सन महाविद्यालय और एशियाटिक सोसाइटी मुंबई, के सहयोग से आरंभ किया गया , और अब इसका छटा वर्ष चालू है। यह स्थान आधारित (field based) अभ्यासक्रम है, और इस का केंद्र बिंदु केवल मुंबई शहर कि स्थानिय संस्कृति और लगत के उपनगरीय में प्रत्यक्ष स्थान पर विशेषज्ञों द्वारा दिए जाने वाले व्याख्यानों पर है। इस साल, इस अभ्यासक्रम में अनेक सत्र दक्षिण मुंबई से परे और वसाहतीय इतिहास (Colonial history) और उपनगरीय मुंबई के सांस्कृतिक स्थानों को खोजना है,(cultural spaces)- तथा सत्र/ संसाधन व्यक्ती से भेंट।

I : गुरुपरब के अवसर पर सहभागियों को Langaar में निमंत्रण , खालसा महाविद्यालय

ii : मुंबई का बदलाव (Evolution) - विल्सन महाविद्यालय, डॉ..कुरुष दलाल

iii : Open Codes प्रदर्शन,मॅक्समुलर भवन, एशियाटिक सोसाइटी

iv : खोटाचीवाडी अंद्रे बाप्तिस्ता

v : एशियाटिक सोसाइटी मुंबई, ग्रंथालय के कर्मचारी

vi : आर्ट गैलरी, TIFR क्यूरेटर, भव्य रामक्रिश्न

vii : जोगेश्वरी गुंफा - डॉ.. सुरज पंडित

viii : विले पार्ले -२ walks - मि.संदिप दहिसरकार

ix: वडाला सॉल्ट पॅन - मि. विनायक परब

x : बाणगंगा - मिस स्नेहा , पुरातत्व जिज्ञासु

xi : ज्ञान के साथ भ्रमण , दुर्ग (Walk with Words , forts) मिस अलिशा सदिकोट

xii : दादर - माटुंगा , मिस अलिशा सदिकोट

xiii : सेंट थॉमस चर्च, दुर्ग - मि.राजन जायकर

साल के माध्यम से अभ्यासक्रम को इतना विशाल यश प्राप्त हुआ, की विद्यार्थि और अन्य सहयोगियों के लिए कारण बन गया , और सहभागी उनके व्यग्र कार्यक्रम होते हुए भी दिलों जान से इस वाक में शामिल हुए ।

2 : - प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम - भारतीय मुद्रासंग्रह और लिपि

(Indian Numismatic & Scripts)

विल्सन कॉलेज का इतिहास विभाग और एशियाटिक सोसाइटी मुंबई , इन दोनों में भारतीय मुद्रा संग्रहण और लिपि इस विषय में सहयोग हूआ है। इस साल TY. BA. के और SY. BA.के २४ विद्यार्थियों ने इस प्रकल्प में सहभाग लिया। १८ से २३ अगस्त तक कक्ष सत्रों (classroom sessions) का आयोजन किया गया था। मि. रमेश गोवरी ने ब्राम्ही और खरोष्टि लिपि के सत्रों का संयोजन किया, और इसमें इन दोनों लिपि के प्राथमिक अक्षरों से पहचान करा दिया। विद्यार्थियों ने उनके स्वयं के नाम लिखकर इस लिपि का अभ्यास किया,और ब्राम्ही लिपि में शब्दों के मनोरंजक खेल भी खेले। मि. महेश कार्ला ने भारतीय मुद्रा संग्रह का सत्र संयोजन किया, और विद्यार्थियों ने न केवल मुद्राओं के इतिहास कि जानकारी ली ,बल्कि मुद्राओं का निरीक्षण करके, मि, . काळे जी के निजी संग्रह के विभिन्न काल के असल और नक़ल मुद्राओं का भी निरीक्षण किया। २५ अगस्त को मि. रमेश गोवरी के मार्गदर्शन के साथ ब्राम्ही लिपि की अधिक जानकारी पाने हेतु कान्हेरी गुफाओं को भेट दी। दुसरे सत्र में, विद्यार्थियों ने एशियाटिक सोसाइटी के ग्रंथालय कि और दरबार हॉल वगैरह से भेंट की, और सोसायटी के दुर्लभ समृद्ध कलाकृतियों के संग्रहालय को देखने का अवसर पाया।

स्नातकोत्तर और संशोधकों के लिए ,म.म.पी.व्ही.काणे संस्था- अध्यक्ष :- डॉ..ए.पी.जामखेडकर

संयोजक : - डॉ..परिणीता देशपांडे (सन्माननिय संचालक)

इस साल के दौरान रिपोर्ट के अनुसार, काणे संस्था ने वार्षिक सेमिनार का आयोजन किया। मार्गदर्शक डॉ..अनुराधा रानडे के मार्गदर्शन में श्रीमती डि.नागमणी ने इतिहास विषय में अपना नामांकन दाखिल किया। साल के दौरान ५ विद्यार्थियों ने इतिहास विषय और प्राचीन भारतीय संस्कृति, इस विषय में Ph.d के लिए साक्षात्कार (interview) दिया। इतिहास विषय में ई

इस साल ३ संशोधन करने वाले विद्यार्थि, जिन्होंने Ph.d के लिए नामांकन किया था, मुंबई विश्वविद्यालय, सफलतापूर्वक अपना संशोधन और मौखिक परीक्षा भी दे दीं। डाक्टर ऑफ फिलासाफी (Ph.d) का पुरस्कार उन्हें प्रदान किया गया।

विद्यार्थियों के विषय और मार्गदर्शक के नाम :

श्रीमती किरण उत्तम ठाकरे : वारली का इतिहास (जि-ठणे,१९४५-१९७५) - डॉ..मंगला पुरंदरे

श्रीमती तेरेसा थॉमस पेरिइरा : तालूका वस ई के स्थानिक स्वराज्य का इतिहास,(१८६४-१९७५)- डॉ..मंगला पुरंदरे

श्रीमती रमिला गायकवाड : दक्षिण कोंकण के भूदान आंदोलन का इतिहास, (१९५१-१९६०)- डॉ..अनुराधा रानडे तहे दिल से सब विद्यार्थि और उनके मार्गदर्शकों का अभिनंदन।

7.1 : म.म.डॉ..पि.व्हि.काणे स्मृती व्याख्यान :

३८- म.म.पि.व्हि.काणे स्मृती व्याख्यान,७ फरवरी,२०१९ को डॉ..व्हि सेल्व्हाकुमार, समुद्रीय इतिहास और समुद्रीय पुरातत्व विभाग, तमिल विश्वविद्यालय, तंजावुर के सहायक अध्यापक द्वारा हुआ, विषय- दक्षिण भारत की प्रारंभिक राजनीतिक प्रणाली: राज्य गठन का अभ्यास (चोल काल का प्रारंभिक इतिहास)

डॉ..विजयालक्ष्मी- इतिहास विभाग, पाटकर विद्यालय, मुंबई के व्याख्याता , अध्यक्ष रहे थे। व्याख्यान को अच्छी उपस्थिति प्राप्त हुई।

7.2 : काणे स्मृती सेमिनार :

दो दिन का म.म.काणे स्मृती राष्ट्रीय सेमिनार, २२ और २३ फरवरी,२०१९ को, राज्य कि संकल्पना: सिद्धांत और प्राचीन भारत का इतिहास ,इस विषय पर सोसायटी के दरबार हॉल में आयोजित किया गया। नई दिल्ली के भारतीय कौंसिल- इतिहास संशोधन के प्रायोजन से समारोह का आयोजन किया गया था। इस समारोह का उद्घाटन डॉ..आर चंपकलक्ष्मी - इतिहासकार और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के भूतपूर्व प्राध्यापक, द्वारा २२ फरवरी को सुबह १० बजे हुआ।

समारोप का भाषण प्रो. अशोक चौसलकर, राजकीय सिद्धांत और भारतीय राजकीय तत्वज्ञान के प्रसिद्ध विद्वान, कोल्हापुर- द्वारा संपन्न हुआ। सेमिनार का समृद्ध अनुभव हासिल हुआ और समारोह को अच्छी उपस्थिति प्राप्त हुई। अपने उद्घाटिय भाषण में डॉ..चंपकलक्ष्मी , जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली, के भूतपूर्व प्राध्यापक, इन्होंने प्राचीन भारत के राज्य के सिद्धांत- सामान्य रूप, और दक्षिण भारत- विशेष रूप , इनके अवलोकन पर ध्यान केंद्रित किया।

प्रथम शैक्षणिक सत्र में, अध्यक्ष डॉ..परिणीता देशपांडे थी।

दो पेपर का सादरीकरण हुआ। डॉ.. निर्मला कुलकर्णी- शोध वैज्ञानिक, संस्कृत का उन्नत अभ्यास केंद्र (Advance sturdy in Sanskrit), सावित्रीबाई फुले विद्यापीठ पुणे, इन्होंने 'सामंजस्य पूर्ण वर्चस्व के लिए आचार पद्धति'- इस विषय पर पेपर सादर किया।

दूसरा पेपर डॉ.. उषा ठक्कर , मणिभवन गांधी संग्रहालय, मुंबई के अध्यक्ष , द्वारा- कौटिल्य के अंतरराज्यीय संबंध , जिसमें उसके दुर्लभ राजकीय दृष्टिकोण को प्रकट किया। उन्होंने कहा , कौटिल्य का मंडल (Mandal) सिद्धांत भू-राजनितीक धारणा पर आधारित था , जो लगत का राज्य है वो शत्रु है (वास्तविक और संभावित) और इस राज्य के लगत का राज्य, इसी समान तर्क से उसका शत्रु होता है , और जो पहले राज्य का मित्र होता है। इन दोनों पेपर्स पर उत्साह से चर्चा हुई।

इतिसरे सत्र के अध्यक्ष डॉ..प्राची मोघे थी , भारतीय विद्या भवन, मुंबई के सहायक संचालक है।

इस सत्र के दोनों पेपर्स कौटिल्य के अर्थशास्त्र से संबंधित थे।

पहला पेपर - डॉ..संहिता जोशी, सहायक अध्यापक, नागरिक शास्त्र और राज्यशास्त्र विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय, उनके पेपर का विषय था , राज्य साधन है या हेतु?(State a tool or a teleos) कौटिलिय राज्य और आधुनिक राज्य कि संकल्पना पर तुलनात्मक अभ्यास था। उन्होंने कौटिल्य कि राज्य कि संकल्पना के आधार पर इस प्रश्न का उत्तर देने का प्रयास किया और आधुनिक राज्य कि कल्पना में समानता और विभिन्नता,इस तुलना से अपने विचार प्रकट किए। उन्होंने कहा, कौटिल्य के मतानुसार राज्य प्रजा के आनंद का साधन होता है , और आधुनिक राज्य स्वयं जिवित रहने के लिए अभिमुख (oriented) होता है।

दुसरा पेपर- डॉ..राधाक्रिश्न पिल्लई - उपनिदेशक, चाणक्य नेतृत्व अध्ययन कि अंतरराष्ट्रीय संस्था (International institute of leadership's - CIILS) , मुंबई विश्व विद्यालय पर आधारित स्वायत्त संस्था, अपने पेपर में इन्होंने ' अर्थशास्त्र सुशासन के आधार पर- महान नेतृत्व के माध्यम से इसकी संकल्पना, इस पेपर में उन्होंने कहा , कौटिल्य सुशासन का नमुना (model) सर्जन करने में सहायक रहें , जिसे आज के आधुनिक युग के राज्यशास्त्र के विद्वान आश्चर्य से देखते हैं , प्राचीन भारतीय संस्कृति और इतिहास को।

सेमिनार अगले दिन भी जारी रहा।

शनिवार,२३ फरवरी २०१९, सुबह ११ बजे से,प्रथम सत्र के अध्यक्ष डॉ..अलका बकरे, आर.जी.भांडारकर संस्कृत विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय के भूतपूर्व मुख्य,

इस सत्र में तीन पेपर्स का सादरीकरण हुआ। डॉ..अपूर्वा निबांधे- मुंबई विश्व विद्यालय, संस्कृत विभाग के व्हिजिटिंग फैकल्टी, इन्होंने ' रामायण काल के राज्य कि संकल्पना ' इस विषय पर पेपर सादर किया, जिसमें उन्होंने ' राम-राज्य ' जो सुशासन का चिन्ह बन गया था, इस संकल्पना का विस्तृत विवरण किया।

दुसरा पेपर- सुरज पंडित, मुंबई साठे महाविद्यालय, प्राचीन भारतीय संस्कृति के विभाग प्रमुख द्वारा सादर हुआ। उनके पेपर का विषय, राज्य कि संकल्पना- बुद्धिस्ट दृष्टिकोण, यह था। तद्पश्चात,डॉ..प्राची मोघे, इन्होंने धर्मशास्त्र के आधार पर राज्य कि संकल्पना, इस विषय पर पेपर सादर किया।

भोजन के बाद के सत्र में डॉ..मीनल काटरनिकर, मुंबई विश्वविद्यालय के तत्वज्ञान विभाग के सहायक अध्यापक, अध्यक्ष रहे। दो पेपर्स का सादरीकरण हुआ। डॉ..माधवी नरसाळे, सहायक अध्यापक, संस्कृत विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय,

राज्य कि संकल्पना- नीतिवाक्यम्रत के विशेष संदर्भ में। नीतिवाक्यम्रत को सोमदेवसुरी द्वारा रचित - कौटिलिय अर्थशास्त्र जैन विस्तार है (jain treaties) इसका आधार है। जैन परंपरा नुसार राजा के मार्ग दर्शन के लिए इसकी रचना की गई थी। डॉ..नरसाले के मतानुसार जैन परंपरा कि राज्य संकल्पना और कौटिल्य के तत्त्वों से ज्यादा भिन्न नहीं है।

दुसरा पेपर- डॉ..कामिनी गोग्री, मुंबई विश्वविद्यालय के भूतपूर्व सहायक अध्यापक , तत्वज्ञान विभाग और अनेक अभ्यासक्रमों के समन्वयक। जैन लेखों में वर्णन किया हुआ राज्य का सिद्धांत - इस विषय पर इन्होंने पेपर सादर किया। इन्होंने कहा, बौद्ध सुत्त से भिन्न, प्रारंभिक जैन धार्मिक पुस्तकों में राज्य कि उत्पत्ति के सिद्धांत कि स्पष्ट रूप से नोंद नहीं है और शामिल भी नहीं है। तथापि, इस प्रकार का सिद्धांत उन्हें मालूम नहीं था ऐसा नहीं। इसके लिए प्राचीन काल के आनुषांगिक संदर्भ , कल्पित और महान राज्यसत्ता और Thananga में दंडनीति के प्रकार , ये उदाहरण निष्कर्ष के लिए दिए।

समारोप का भाषण,प्रो. अशोक चौसलकर- राजकीय सिद्धांत और भारतीय राजकीय तत्वज्ञान के विद्वान, कोल्हापुर , इनके द्वारा सादर हुआ। उनका व्याख्यान अत्यंत ज्ञानवर्धक रहा। प्राच्य तानाशाही (oriented despotism) हायड्रालिक सोसायटी , और उत्पादन पर राज्य का नियंत्रण, इसके संदर्भ उन्होंने दिए। उनके संदर्भ बहुत ही शिक्षाप्रद और आज के राजकीय परिदृश्यों से मिलते-जुलते थे।

काणे संस्था के सन्माननिय संचालक,डॉ.. परिणीता देशपांडे ने सेमिनार के संयोजन के प्रति आभार व्यक्त किया, और प्रमुख व्याख्याता, और समारोप के व्याख्याता के प्रति तथा जिन्होंने पेपर सादर किए, विभिन्न विद्वानों के, समिति के सभासद, विद्यार्थि, कार्यालय पदाधिकारी, मि. विजय रिकामे ने जो परिश्रम लिए और बाकी कर्मचारी के आभार व्यक्त किए, इसकेसाथ, अध्यक्ष मि.शरद काळे,उनकी प्रेरणादायक उपस्थिति के लिए और सन्माननिय सेक्रेटरी प्रो. विस्पी बालापोरिआ कि सहायता के लिए आभार व्यक्त किया।

7.3 : प्राचीन भारतीय संस्कृति - प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम,

२०१४ - २०१५ के शैक्षणिक वर्ष में शुरू हुआ इस प्राचीन भारतीय संस्कृति प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम का यह पांचवां वर्ष है। इस साल भी २६ सहभागियों का उत्साह पूर्ण प्रतिसाद मिला, जिन्होंने इस अभ्यासक्रम के लिए नाम दर्ज किए। वे सारे भिन्न-भिन्न पार्श्वभूमी से आए थे और उनका उद्देश्य भारतीय संस्कृति कि समृद्ध विरासत के बारे में अधिक जानकारी लेने का था। अभ्यासक्रम ४ अगस्त २०१८ से आरंभ हुआ और प्रत्येक शनिवार को दोपहर १.३० से ४.३० तक (९० घंटे - लगभग ८ मास) यह संचालित किया जाता था। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए ₹ ३५००/- शुल्क था। अनुदेश और प्रश्नपत्रिका का माध्यम अंग्रेजी था। तथापि विद्यार्थियों कि मांग देखकर व्याख्यान अंग्रेजी और मराठी दोनों भाषाओं में दिए गए। विद्यार्थियों को व्याख्यान का सारांश दिया जाता था, ताकि उन्हें विषय समझने में मदद होती थी। समिति ने कुछ उपयुक्त मराठी और अंग्रेजी पुस्तक भी विद्यार्थियों के लिए और भविष्य में आने वाले विद्यार्थियों को भी लाभ हो जाए, ऐसे खरीद लिए। अभ्यासक्रम में दो पेपर्स का अंतर्भाव था - प्राचीन भारत के संस्कृति के स्त्रोत और प्राचीन भारतीय संस्कृति का वास्तव।

प्रत्येक पेपर को ७५ गुण थे। और विद्यार्थियों को दोनों पेपर्स के २५ गुण के स्वाध्याय सादर करने थे। जो अध्यापक इन विषयों के लिए निमंत्रित किए गए थे, वे अपने विषय के बहुत ही विद्वान और अनुभवी थे। पिछले वर्ष कि तरह इस वर्ष का उद्घाटन व्याख्यान डॉ..श्रीमती सिंधु डॉ.ंगे द्वारा भारतीय संस्कृति के वैदिक स्त्रोत पर दिया गया। सारे व्याख्यान और उनके आशय के लिए विद्यार्थि बहुत आनंदित हुए थे। दो शैक्षणिक स्थानयात्रा (field trip) का भी प्रबंध किया गया था। १३ अक्टूबर २०१८ को छत्रपति शिवाजी संग्रहालय की सिक्कों की गैलरी (coin gallery) और RBI संग्रहालय लेके गये थे। विषयतज्ञ डॉ..महेश कार्ला ने सिक्कों के निरिक्षण के लिए विद्यार्थियों को मार्गदर्शन किया।

दुसरी स्थानयात्रा में अंबरनाथ के अंबरनाथ शिवालय को डॉ..कुमुद कानिटकर अभ्यासक्रम के फैकल्टी के साथ ३ फरवरी को भेंट दी गई।

pg no 27.

विद्यार्थियों को इन दोनों स्थान यात्रा पर स्वाध्याय सादर करने को कहा गया था। मार्च २०१९ को अभ्यासक्रम सफलतापूर्वक पूरा हुआ और विद्यार्थियों को पर्याप्त समय देकर २० और २७ अप्रैल को परिक्षा ली गई।

7.4 : संस्कृत - प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम

शैक्षणिक वर्ष- २०१७ - २०१८ में आरंभ किया गया संस्कृत भाषा प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम का यह दुसरा वर्ष है। १२ विद्यार्थियों ने इस अभ्यासक्रम के लिए नाम दर्ज किए। वे सारे भिन्न भिन्न पार्श्वभूमी से आए थे और भारतीय विरासत कि यह भाषा सिखने के लिए उत्सुक थे। अभ्यासक्रम ४ अगस्त २०१८ को आरंभ हुआ और प्रत्येक शनिवार को १.३० से ४.३० के बीच संचालित किया जाता,(कुल १२० घंटे - लगभग ८ मास)। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए₹३५०० शुल्क था। अनुदेश और प्रश्नपत्रिका का माध्यम अंग्रेजी था, तथापि विद्यार्थियों कि बिनती से मराठी में इसका विवरण किया गया। अभ्यासक्रम में दों पेपर्स का अंतर्भाव था। पहले पेपर का लक्ष्य- व्याकरण और भाषा कौशल पर था। दुसरे पेपर का लक्ष्य- पढना , आकलन और अनुवाद था। प्रत्येक पेपर को ८० गुण थे और मौखिक परीक्षा को १५ गुण थे। विद्यार्थि सारे व्याख्यान और पूरे अभ्यासक्रम से संतुष्ट थे। अभ्यासक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण हुआ और परीक्षा २० और २७ अप्रैल को संचालित कि गयी। विद्यार्थियों ने दोनों पेपर्स के स्वाध्याय पूर्ण किए। मई महीने के अंत तक इसका परिणाम घोषित किया जाएगा और २२ जून २०१९ को विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिए जाएंगे।

मॅनेजिंग कमिटी , विशेष रूप से सन्माननिर अध्यक्ष , मि. एस.जी. काळे , सन्माननिय सेक्रेटरी, प्रो. विस्पी बालापोरिआ और कार्यालयों के कर्मचारियों ने अभ्यासक्रम को बहुत सहायता दी। अभ्यासक्रम के संमन्वयक के नाते मि.विजय रिकामे ने ख़ास तौर पर काम निभाया।

8. एएसएम जर्नल

अध्यक्ष: डॉ. ए.पी.जामखेडकर

संयोजक:- डॉ. कुरुष दलाल

डॉ. परिणिता देशपांडे और डॉ. अम्बरीश खरेद्वारा सम्पादित किया गया सोसायटीका, शोधपत्रिका खंड ८९(२०१५-२०१६) अभी तैयार हो रहा है|

यूजीसी सेल- जर्नल विश्लेषण से प्राप्त जानकारी देने के लिए हमें खुशी हो रही है, की सोसायटी की शोधपत्रिका अब UGC-CARE में शामिल हो गयी है, जो हम http://ugccare.unipune.ac.in इस लिंक पर सकते है|

9.संशोधन, शिष्यवृत्ती और पदक समिती:

अध्यक्षा: प्रा. मंगला सरदेशपांडे

संयोजिका: डॉ. प्राची मोघे

9.1 कनिष्ठ संशोधन शिष्यवृती:

२०१८-२०१९ इस साल के दौरान साल की कनिष्ठ संशोधन शिष्यवृती प्रदान किये गये लोग और उनके शोधनिबंधों के नाम नीचे दिये गये है:

क्र.	कनिष्ठ संशोधक शिष्यवृती	शिष्यवृतीधारक के नाम	विषय
१	न्यायमूर्ती की. टी. तेलंग भारतीय विद्या फैलोशिप	श्री. नितीन हडप	दृश्य लोक: मिथिकल वर्ल्ड इन इंडियन आर्ट एन्ड आयकॉनोग्राफी
2	एशियाटिक सोसायटी फैलोशिप (समाजशास्त्र)	श्रीम. कविता पांडेय	ए स्टडी ऑफ ओक्वर्थ लेप्रसी म्यूजियम मुंबई, एन्ड आर्कीटायपल सोशल और मेडिकल स्कर्ज ऑफ इंडिया
3	एशियाटिक सोसायटी फैलोशिप(समाजशास्त्र)	श्री. योगीराज सप्रे	ए स्टडी ऑफ चेंजिंग सोशल कस्टम्स एन्ड इन्फ्ल्यूएन्स ऑफ व्हेरियस डॉक्टरीन्स एन्ड सेक्टस ऑन द लाईफ ऑफ द कोली कम्युनिटी इन अलिबाग तालुका, रायगड डिस्ट्रीक्त
4	मुख्य न्यायाधीश एम.सी. छागला आधुनिक भारतीय इतिहास शोधनिबंध फैलोशिप	डॉ. देविका केरकर	जे.बी. क्रिपलानी: द ऑपोझिशन इयर
5	इन्दाल समाजशास्त्र फैलोशिप	श्री. अमित भगत	स्टडी ऑफ सोशो-कल्चरल एलिमेंटस ऑफ मेगालिथिकल ट्रेडीशन्स अमंग द मिडीया- गोंड ट्राईब ऑफ विदर्भ रीजन
6	गुलेस्तान बिलिमोरिया मुंबई/ महाराष्ट्र सम्बंधित अभ्यास फैलोशिप	श्री. निखील पुरोहित	व्हिजीटर्स एक्सेसेबलिटी इन करन्ट(कॉन्टेम्परारी) आर्ट एक्झीबिशन एन्ड आर्ट प्रोग्रामिंग इन मुंबई
7	श्रीम. विमल एन . शाह स्मृति मीडिया अध्ययन फैलोशिप	श्री. निखील बेल्लार्येकर	द पोट्रेयल एन्ड रिसेप्शन ऑफ़ मराठा नेव्ही अंडर द आंग्रेज इन कॉन्टेम्परारी १८th सेंच्युरी डच मीडिया

क्र.	कनिष्ठ संशोधक शिष्यवृती	शिष्यवृतीधारक के नाम	विषय
8	श्रीम. विमल एन . शाह स्मृति पाली-बौद्ध अभ्यास संशोधन फैलोशिप	श्री. अमित वैद्य	द स्टडी ऑफ़ बोधिसत्व अवलोकितेश्वर विथ स्पेशल रेफ़रन्स टू द मान्युस्क्रिप्ट "एकादशमुखम"
9	डॉ. श्रीम. शीला राज स्मृति इतिहास फैलोशिप	श्री. विनोद यादव	महाराष्ट्र राज्य पुराभिलेखागार में हिन्दी और मराठी अखबारों में मनपा विद्यालय से संबंधित खबरें- एक ऐतिहासिक वर्णन (१९४७-२०१०)

९.२ साल २०१८-२०१९ के लिए निम्नलिखित कनिष्ठ फैलोशिप प्रपोजल्स शैक्षणिक मापदंडों को पूरा करती नहीं पाई गयी है| अत: उन्हें पुन:प्रेषित ना करें|

क्र.	फैलोशिप
1	जी. एस. पोहेकर स्मृति फैलोशिप- जापान सम्बंधित अभ्यास-शिक्षण, संस्कृति इ.
2	एशियाटिक सोसायटी की श्रम अध्ययन फैलोशिप

९.३ प्रसिद्द अभ्यासक को जानेवाला रौप्यपदक: जनवरी २०१६- दिसंबर २०१८इस कालावधी का एशियाटिक सोसायटी का रौप्य पदक एकमत से डॉ. रेणुका जे. पोरवाल को उनके 'द जैन स्तूपऍट मथुरा आर्ट एन्ड आयकॉन्स(२०१६)' इस किताब के लिए दिया जाएगा| समिति के अनुसार यह किताब प्राच्य कला, विज्ञान और साहित्य को आगे ले जाने के समाज के उद्दिष्टों को आगे ले जाने की कसौटी पर खरा उतरता है|

१०. टागौर फैलोशिप/शिष्यवृत्ती

नेहरू मेमोरियल म्यूज़ियम और ग्रंथालय ने सोसायटी को सूचित किया है की राष्ट्रीय निवड समिति ने इस साल की टागौर शिष्यवृत्ती के लिए डॉ. सुलभा कोरे को चुना है| (TNFCR 2017-18) साथ ही पूर्व टगौर राष्ट्रीय शिष्यवृत्ती विजेती डॉ. राज्यलक्ष्मी सेठ का अन्तिम अहवालराष्ट्रीय निवड समितिद्वारा सम्मत किया गया है| वह अहवाल सोसायटी के वेबसाईटपर डाला गया है, और अगली कार्यवाही के लिए नेहरू म्यूज़ियम तथा ग्रंथालय को भेज दिया गया है|

इसा साल में एशियाटिक सोसायटी के संस्थात्मक स्तर की खोज और जाँच समिति(ILSSC) ने नेहरू म्ज्यूजियम और ग्रंथालय को निम्नलिखित व्यक्तिओं को चुनकर उनकी सिफारिश की है-

टगौर फेलोशिप:

	नाम	विषय
1	डॉ. जयश्री राजगोपालन	रस रिप्रेझेंटेशन इन वाल्मिकी रामायण
2	कु. इंदुमती रामन	डिजाईन एन्ड ऱ्हीटोरिक इन भागवत मेआ यक्षगानम(नाटकम)

टागौर शिष्यवृत्ती:

	नाम	विषय
1	डॉ. गीता कस्तुरी मालिनी	विजयोत्तर तंत्र एन्ड कुंडलिनी योग
2	श्री. मुरली आर.ए.	शिष्यवृती संस्कृती: टूवर्डस न्यू हिस्ट्री ऑफ द एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई

११. १.४.२०.१८ से ३१.३.२०१९ तक का सदस्यता अहवाल

११.१. ११.१ सदस्यता

सर्वेक्षण के वर्ष अंतर्गत 2 सदस्योंने इस्तीफा दिया, 5 सदस्यों का देहांत हो गया, और 136 नए सदस्य, रीडर तथा भारतीय विद्यार्थी दाखिल किए गए है| ३१ मार्च २०१९ को कुल सदस्य संख्या- 3,092 है| उसका विवरण निम्न सारणी में दिया है-

वर्गीकरण	१-४-२०१८ के अनुसार	नए सदस्य	इस्तीफे	मृत्यु	पदबदल	५(c) नियम अंतर्गत निकाले गए सदस्य	३१-३-२०१९ को कुल सदस्य
आजीवन-स्थायी(LR)	1857	38	-	6	10	-	1,899
आजीवन(R)	583	39	2	1	-9	-	610
भारतीय विद्यार्थी सदस्य	156	25	-	-	-	-	181
रीडर सदस्यता	215	24	-	-	-1		238
अस्थायी(NR)	10	7	-	-	-	-	17
आजीवन अस्थायी(NRL)	113	2	-	-	-	-	115
अस्थायी नॉन-बॉरोइंग (NRNB)	0	-	-	-	-	-	0
अस्थायी-आजीवन-नॉन-बॉरोइंग(NRLNB)	-	5	-	-	-	-	5
संस्थात्मक सदस्य	14	-	-	-	-	-	14
पैट्रोन सदस्य	8	-	-	-	-	-	8
विदेशी विद्यार्थी सदस्य	0	-	-	-	-	-	0
कार्पोरेट दीर्घकालीन सदस्यता	0	-	-	-	-	-	0
वाणिज्य दूतावास सदस्य	1	-	-	-	-	-	1
राजनयिक सदस्यता	1	-	-	-	-	-	1
कुल सदस्य	**2,962**	**136**	**2**	**7**	**-**	**-**	**3089**

११.२ अलग से सूची बनाये गए २६२ स्थायी आजीवन और ३६ अस्थायी आजीवन सदस्यों के उनका वर्तमान पता और इमेल आयडी प्राप्त न होने के कार,बहुत सालों से कोशिश करने के बावजूद कोई संपर्क प्रस्थापित नहीं हो पाया है|

११.३ यह अहवाल बनाते समय हमारे निम्नलिखित सदस्यों का देहांत अभिलेखित करते हुए हमें बहुत दुःख हो रहा है, तथा हम उन शोक-संतप्त परिवारों के साथ अपना दुःख और हानी की अनुभूति व्यक्त करते है:

A. आजीवन-स्थायी:

१. श्री. अजित महादेवन
२. श्री. नंदकुमार रेगे
३. श्री. दरील आर. डी'मोंटे
४. श्री. फॉय निसेन
५. प्रा. जे.व्ही. नाइक
६. श्री. राजा ढाले

B. स्थायी: श्रीम.नैन्सी दारूवाला

११.४ नीचे (वार्षिक महासभा २०१8 से वार्षिक महासभा २०१9- ६ बैठकें ली गयी) इस कालावधी में ली गयी बैठकों में जाँच समिति के सदस्यों की उपस्थिति दर्शायी गयी गयी है|

जाँच समिति सदस्य [वार्षिक महासभा २०१८- वार्षिक महासभा २०१९- अक्तूबर २०१८- अगस्त-२०१९]:

क्र.	सदस्य का नाम	उपस्थिति	अनुपस्थिती की छुट्टी	अनुपस्थित	कुल
1.	श्री. बलदेव जी. चावला	5	2	-	7
2.	डॉ. प्रसाद पी.अकोलकर(अध्यक्ष)	7	-	-	7
3.	डॉ. कुमुद कानिटकर	5	2	-	7
4.	डॉ. ज्योत्स्ना पी. पटवर्धन	4	2	1	7
5.	डॉ. उषा विजयलक्ष्मी	2	4	1	7
6.	डॉ. प्राची मोघे	2	4	1	7
7.	कु. ममता कानडे	3	3	1	7

12. व्यवस्थापन समिति

सोसायटी के व्यवस्थापन समिति में २१ सदस्य और अध्यक्ष रहते है| इसके अलावा २ सहाय्यक सदस्य, मा. अध्यक्ष, काने इंस्टिट्यूट, कर्मचारी प्रतिनिधि और भारत सरकार(सांस्कृतिक मंत्रालय) और महाराष्ट्र सरकार(पुस्तक संचालनालय) का प्रत्येकी एक नामांकित सदस्य रहता है|

12.1 नीचे १ अप्रैल, २०१८ से १६ अगस्त २०१८ के दौरान ली गयी बैठकों में सदस्यों के उपस्थिति दर्शाई है|(४ बैठकें):

१अप्रैल से २०१८ का वार्षिक महासभा (१९ अगस्त २०१८)

क्र.	सदस्य का नाम	उपस्थिति	अनुपस्थिती की छुट्टी	अनुपस्थित	कुल
1.	श्री. एस. जी.काले **(अध्यक्ष)**	4	-	-	4
2.	श्री. योगेश कामदार **(उपाध्यक्ष)**	3	1	-	4
3.	श्रीम. संजीवनी खेर **(उपाध्यक्षा)**	2	2	-	4
4.	प्रा. मंगला सरदेशपांडे **(उपाध्यक्षा)**	3	1	-	4
5.	डॉ. मीना वैशंपायन **(उपाध्यक्षा)**	4	-	-	4
6.	प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया **(मा. सचिव)**	4	-	-	4
7.	श्री. अनिल नेवालकर**(मा. वित्त सचिव**) (पदसिद्ध सदस्य- २२-०८-२०१५ से२०१७ के वार्षिकमहासभा तक)	3	1	-	4
7.	श्री. अरविंद सोनावले **(मा. उप वित्त सचिव)** (पदसिद्ध सदस्य- २२-०८-२०१५ से २०१७ के वार्षिक महासभा तक)	4	-	-	4

9.	श्रीम. माधवीजी. कामत **(मा. उपसचिव)**	4	-	-	4
10.	डॉ. नम्रता गन्नेरी (मार्च २०१८ में त्यागपत्र)	-	-	-	4
11.	श्री. हरिदास के.	-	4	-	4
12.	श्री. दिगंबर कांबळे	4	-	-	4
13.	प्रा. मीनल क्षीरसागर	4	-	-	4
14.	श्री. सुरेंद्र कुलकर्णी	4	-	-	4
15.	के.के. मिश्रा	1	2	1	4
16.	डॉ मोहसिना मुकादम (अप्रैल२०१८ से नियम १६(a) अनुसार सदस्यता रद्द की गयी)	-	-	-	-
17.	डॉ. शेहेरनाज़ आर. नलवल्ला	4	-	-	4
18.	डॉ. सूरज पंडित	2	2	-	4
19.	श्रीम. पुष्पा राय(नवंबर २०१८ से नियम १६ (a) अनुसार सदस्यता रद्द की गयी)	-	-	-	-
20.	डॉ. वर्षा शिरगावकर	2	2	-	4
21.	श्री. गिरीश वकील	1	2	1	4
22.	डॉ. उषा आर. विजयलक्ष्मी	3	1	-	4
23.	श्री. रशीद वाडिया	2	2	-	4
24.	डॉ. ए.पी. जामखेडकर(सहयोगी- २२-०८-२०१७ से २०१९ के वार्षिक महासभा तक)	2	2	-	4
25.	श्री. मुरली आर.(सहयोगी- २२-०८-२०१५ से २०१७ के वार्षिक महासभा तक)	3	1	-	4
26.	मा. अध्यक्ष म.म.डॉ. पी. वी काणे इंस्टीट्यूट निमंत्रित- डॉ. परिणिता देशपांडे १- ४-२०१७ से ३१-३-२०१९ तक विस्तृत कालावधी)	3	1	-	4
27	एएसएम कर्मचारी प्रतिनिधि- श्री. सुनील भिरुद	4	-	-	4
28	केंद्र सरकार नामांकित: संयुक्त सचिव – सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार	4	-	-	4
29	राज्य सरकार नामांकित: श्री. किरण धांदोरे संचालक, पुस्तक संचलनालय	4	-	-	4

१२.२ नीचे १९ अगस्त २०१८ से ३१ मार्च २०१९ तक की गयी बैठकों में सदस्यों की उपस्थिति दर्शाई गयी है| (७ बैठकें)
२० अगस्त से ३१ मार्च २०१८

क्र.	सदस्य का नाम	उपस्थिति	अनुपस्थिती की छुट्टी	अनुपस्थित	कुल
1.	श्री. एस. जी.काले**(अध्यक्ष)**	7	-	-	7
2.	श्री. योगेश कामदार **(उपाध्यक्ष)**	6	1	-	7
3.	श्रीम. संजीवनी खेर **(उपाध्यक्षा)**	7	-	-	7
4.	प्रा. मंगला सरदेशपांडे **(उपाध्यक्षा)**	7	-	-	7
5.	डॉ. मीना वैशंपायन **(उपाध्यक्षा)**	7	-	-	7
6.	प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया**(मा. सचिव)**	7	-	-	7
7.	श्री. अनिल नेवालकर **(मा. वित्त सचिव**) (पदसिद्ध सदस्य- २२-०८-२०१५ से२०१७ के वार्षिकमहासभा तक)	4	3	-	7
8.	श्री. अरविंद सोनावले **(मा. उप वित्त सचिव)** (पदसिद्ध सदस्य- २२-०८-२०१५ से २०१७ के वार्षिकमहासभा तक)	7	-	-	7
9.	श्रीम. माधवी जी. कामत**(मा. उपसचिव)**	7	-	-	7
10.	श्रीम. सुषमा दाबक	7	-	-	7
11.	डॉ. कुरुष दलाल	3	4	-	7
12.	श्री. वि.वि. गणपुले	5	2	-	7
13.	डॉ. गीता कस्तुरी	6	1	-	7
14.	डॉ. आनंद जोशी	5	2	-	7
15.	श्री. हरिदास के.	6	1	-	7
16.	श्री. दिगंबर काम्बले	5	2	-	7
17.	प्रा. मीनल क्षीरसागर	7	-	-	7
18.	श्री. सुरेन्द्र कुलकर्णी	5	2	-	7
19.	श्री. विठाल नाडकर्णी	5	1	1	7
20	डॉ. शहेरनाझ आर. नलवाला	6	1	-	7
21	डॉ. सूरज पंडित	6	1	-	7
22	डॉ. वर्षा शिरगावकर	5	2	-	7
23	श्री. रशीद वाडिया	4	3	-	7
24	डॉ. ए.पी. जामखेडकर (सहयोगी- ७-९-२०१७ से २०१९ के वार्षिक महासभा तक)	3	4	-	7

25	श्री. मुरली राय(सहयोगी- ७-९-२०१७ से २०१९ के वार्षिक महासभा तक)	5	2	-	7
26	मा. अध्यक्ष म.म. डॉ. पी. वी काणे इंस्टीट्यूट निमंत्रित- डॉ. परिणिता देशपांडे १- ४-२०१७ से ३१-३-२०१९ तक विस्तृत कालावधी)	5	2	-	7
27	एएसएम कर्मचारी प्रतिनिधि- श्री. सुनील भिरुद	6	1	-	7
28	केंद्र सरकार नामांकित: संयुक्त सचिव – सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार	5	2	-	7
29	राज्य सरकार नामांकित: श्री. किरण धांदोरे संचालक, पुस्तक संचलनालय	7	-	-	7

१२.३ नीचे १ अप्रैल, २०१९ से २०१९ के वार्षिक महासभा के दौरान ली गयी बैठकों में सदस्यों के उपस्थिति दर्शाई है| (३ बैठकें):

१ अप्रैल २०१९ से २०१९ के वार्षिक महासभा तक (२५ जुलै २०१९)

क्र.	सदस्यों का नाम	उपस्थिति	अनुपस्थिती की छुट्टी	अनुपस्थित	कुल
1.	श्री. एस. जी.काले **(अध्यक्ष)**	3	-	-	3
2.	श्री. योगेश कामदार **(उपाध्यक्ष)**	3	-	-	3
3.	श्रीम. संजीवनी खेर **(उपाध्यक्षा)**	3	-	-	3
4.	प्रा. मंगला सरदेशपांडे **(उपाध्यक्षा)**	2	1	-	3
5.	डॉ. मीना वैशंपायन **(उपाध्यक्षा)**	1	2	-	3
6.	प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया**(मा. सचिव)**	3	-	-	3
7.	श्री. अनिल नेवालकर **(मा. वित्त सचिव**) (पदसिद्ध सदस्य- २२-०८-२०१५ से२०१७ के वार्षिकमहासभा तक)	2	1	-	3
8.	श्री. अरविंद सोनावले **(मा. उप वित्त सचिव)** (पदसिद्ध सदस्य- २२-०८-२०१५ से २०१७ के वार्षिकमहासभा तक)	3	-	-	3
9.	श्रीम. माधवी जी. कामत**(मा. उपसचिव)**	3	-	-	3
10.	श्रीम. सुषमा दाबक	3	-	-	3
11.	डॉ. कुरुष दलाल	3	-	-	3
12.	श्री. वि.वि. गणपुले	3	-	-	3
13.	डॉ. गीता कस्तुरी	2	1	-	3
14.	डॉ. आनंद जोशी	1	2	-	3

15.	श्री. हरिदास के.	1	2	-	3
16.	श्री. दिगंबर काम्बले	3	-	-	3
17.	प्रा. मीनल क्षीरसागर	3	-	-	3
18.	श्री. सुरेन्द्र कुलकर्णी	3	-	-	3
19.	श्री. विठाल नाडकर्णी	2	1	-	3
20	डॉ. शहेरनाझ आर. नलवाला	3	-	-	3
21	डॉ. सूरज पंडित	1	2	-	3
22	डॉ. वर्षा शिरगावकर	2	1	-	3
23	श्री. रशीद वाडिया	2	1	-	3
24	डॉ. ए.पी. जामखेडकर(सहयोगी- ७-९-२०१७ से २०१९ के वार्षिक महासभा तक)	-	3	-	3
25	श्री. मुरली राय(सहयोगी- ७-९-२०१७ से २०१९ के वार्षिक महासभा तक)	3	-	-	3
26	मा. अध्यक्ष म.म.डॉ. पी. वी काणे इंस्टीट्यूट निमंत्रित- डॉ. परिणिता देशपांडे १- ४-२०१७ से ३१-३-२०१९ तक विस्तृत कालावधी)	1	2	-	3
27	एएसएम कर्मचारी प्रतिनिधि- श्री. सुनील भिरुद	3	-	-	3
28	केंद्र सरकार नामांकित: संयुक्त सचिव – सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार	1	2	-	3
29	राज्य सरकार नामांकित: श्री. किरण धांदोरे संचालक, पुस्तक संचलनालय	2	1	-	3

१३. समिती बैठकें

सोसायटी के विविध उपक्रमों का आयोजन करने हेतु व्यवस्थापन समितीने कई छोटीछोटी समितियाँ बनाई है| समीक्षण वर्ष में २०१७ के वार्षिक महासभा से २०१८ के वार्षिक महासभा तक व्यवस्थापन समिति और अन्य उपसमितिओं की बैठके नीचे दी गयी बैठके ली गयी:

(१ अप्रैल २०१८ से ३१ मार्च २०१९ तक, २०१८ की वार्षिक महासभा से २०१९ की वार्षिक महासभा तक):

क्र.	समिति बैठकें	ली गयी बैठकों की संख्या	
		आर्थिक साल 1-4-2017 से 31-3-2018 तक	**वार्षिक महासभा नुसार 19-8-2017से अगस्त 2018 तक**
1	व्यवस्थापन समिति	11	03
2	वित्त और निवेश समिति	02	02
3	पूर्व-आधुनिक किताबें चयन समिति	08	08

4	आधुनिक किताबें चयन समिति	10	11
5	नियतकालिक समिति बैठकें	04	05
6	पुण्यार्थ व्याख्यानसमिति	03	03
7	म.म. डॉ. पी. वी. काणेपदव्युत्तरशिक्षण और संशोधन संस्था समिति	03	02
8	संशोधन फैलोशिप और पदक समिति	06	06
9	शोधपत्रिका समिति	03	04
10	एएसएम साहित्यिकक्लब	01	01
11	मुंबई संशोधन केंद्र	10	09
12	कर्मचारी कल्याण समिती	-	-

१४. ग्रंथालय सेवा

१४.१ ग्रंथालय के सभी सदस्यों को गुरूवार की बुक डिस्प्ले सूची तथा उपलब्ध शोधपत्रिकओंकी सूची सह सभी अपडेट्स ई-मेल द्वारा भेजे गए है|

A. इस साल में १९०१ किताबें + ४१ जिल्दबंद खंड ग्रंथालय में समाविष्ट किए गए है| उसका विवरण नीचे दिया गया है:

४३९ किताबें खरीदी गयी, और ७३१ किताबें धर्मार्थ प्राप्त हुई| (५०८+२२३ श्री पुंडे तथा डॉ. गीलडर द्वारा भेट किये गये)उनमे १४ मोनोग्राफ और ४१ जिल्दबंद खंड संग्रहों का समावेश है|

B. इस साल खरीदी गयी किताबों की विषयवार सूची नीचे दी गयी है:

श्रेणी	**खरीदी गयी किताबों की संख्या**
विविध	10
तत्त्वज्ञान	17
धर्म	41
समाजशास्त्र	79
भाषाशास्त्र	03
विज्ञान	07
तंत्रज्ञान	11
कला	16
साहित्य	132
इतिहास और भूगोल	123
खरीदी गयी कुल किताबें- 439	

C. इस लिए ३१ मार्च २०१९ को किताबें और जिल्दबंद खंडों की कुल संख्या 2,60,894

अग्रेनीत: ३१ मार्च २०१८ को किताबें और जिल्दबंद खंडों की कुल संख्या		2,58,952
किताबों की कुल संख्या+समीक्षण प्रति+३१ मार्च २०१९ को शामिल किए गए नियतकलिकों का जिल्दबंद खंड	1942	
किताबों की कुल संख्या+समीक्षण प्रति+३१ मार्च २०१९ को शामिल किए गए नियतकलिकों का जिल्दबंद खंड		2,60,894

१४.२ किताबें दान देनेवाले दाता:

ग्रंथालय को किताबें दान देनेवाले नीचले सभी दाताओं के प्रति सोसायटी आभार प्रदर्शित करती है:

A) व्यक्तिगत:

१. श्रीम. हुमेरा अहमद
२. डॉ. आसावरी उदय बापट
३. श्री. लक्ष्मण भोले
४. श्री. सुधीर ब्रम्हे
५. श्रीम. सरोजिनी चव्हाण (लेखिका)
६. श्रीम. परवेझ कूपर
७. श्री. रूसी जे. दारूवाला
८. डॉ. देवांगना देसाई
९. डॉ. अरुणा ढेरे
१०. डॉ. रमेश गौर
११. श्रीम. केतायुन एन. गिल्डर
१२. डॉ. (श्रीम) विजया गुपचूप
१३. श्री. निर्मल कुमार जैन
१४. डॉ. लीला जोईस
१५. श्रीम. सुमती जोशी
१६. डॉ. रवी खेत्रपाल
१७. प्रा. मीनल क्षीरसागर
१८. श्री. रविन्द्र कुमार (लेखक)
१९. श्रीम. नीलोफर मकेई
२०. श्रीम. न्या. सुजाता मनोहर
२१. श्रीम.मीना मेनन
२२. श्री. विठाल नाडकर्णी
२३. डॉ. शेहेरनाझ नलवाला
२४. स्व. फॉय निसान की जायदाद
२५. डॉ. दत्तात्रय डी. पुंडे
२६. श्री. एस. राममूर्ती
२७. डॉ. रश्मी रेखा सैकिया
२८. डॉ. सूर्यप्रभा शशीधरन
२९. श्रीम. योजना शिवानंद
३०. डॉ. लक्ष्मण श्रेष्ठ
३१. डॉ. पीटर स्केलिंग
३२. डॉ. मीना तालीम
३३. श्री. योगेश ठक्कर
३४. श्री. एम. आर. वेंकटेशन

B.संस्था:

(पूर्व आधुनिक श्रेणी)

१. पारुल प्रकाशन प्रा. लि.
2 तिरुमला तिरुपती देवस्थानम इन्फोर्मेशनसेंटर

(आधुनिक श्रेणी में)

१. युवा विकास और क्रीडॉ. मंत्रालय
2 सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पोलिस अकादमी
3. अर्बन डिझाइन रिसर्च इंस्टीट्युट

१४.3 धर्मार्थ प्राप्त अखबार

सोसायटी को नीचे दिए हुए १० दैनिक अखबार धर्मार्थ दिए जाते है:
आफ्टरनून, आनंद बझार पत्रिका(बंगाली), दैनिक दबंग दुनिया मुंबई (मराठी), फ्री-प्रेस जर्नल(अंग्रेजी), मुंबई समाचार(गुजराती), नवशक्ती(मराठी), टेलीग्राफ, संडे गार्डियन(इंग्रेजी) और इन्कलाब(उर्दू),

१४.४ दैनिक अखबारों की खरीदारी

सोसायटी ने अन्य १२ अधिक अखबारों का शुल्क भरा है:

अंग्रेजी:	टाइम्स ऑफ़ इंडिया(मुंबई मिरर के साथ), इकॉनॉमिक टाइम्स, हिन्दुस्तान टाइम्स, इंडियन एक्सप्रेस, बिझनेस स्टैण्डर्ड, द हिन्दू और द स्टैट्समन
हिन्दी/ मराठी	हिंदी: नवभारत टाइम्स मराठी: नवाकाळ, लोकसत्ता, महाराष्ट्र टाइम्स और सामना

११४.५ नियतकालिक:

A. साल के दौरान शुल्क भरे नियतकालिकों की संख्या ४९ रही है| इसके अलावा सोसायटी के शोधपत्रिका के बदले ३० नियतकालिक प्राप्त हुए तथा २१ नियतकालिक धर्मार्थ प्राप्त हुए है| विवरण नीचे दिया है

२०१७-१८ साल के लिए अनुमोदित नियतकालिक		**बदली और धर्मार्थ**	
सेजऔर अन्य प्रकाशनों द्वारा खरिदारी	24 टायटल्स	धर्मार्थ(नियतकालिक और न्यूजलेटर)	12 टायटल्स
संलग्न पब्लिशरसब्सक्रिप्शन एजंसी द्वारा खरीदारी	15 टायटल्स	बदली(सोसायटी के शोधपत्रिका के बदले)	30 टायटल्स
इन्फोर्मेटिक्स पब्लिशिंग लिमि. द्वारा खरीदारी	10 टायटल्स	-	
खरीदारी के लिए कुल अनुमोदित	**49 टायटल्स**	**कुल**	**42 टायटल्स**

नियतकालिकों के जिल्दबंद खंडों की संख्या ४१ है, और ४०९ संच जिल्दसाजी के लिए तैयार है|

B धर्मार्थ प्राप्त हुए नियतकालिक

नीचे दिए गए नियतकालिक सोसायटी को धर्मार्थ प्राप्त हुए है:

क्र.	नाम	क्र.	नाम
1	ॲक्टा एशियाटिका: बुलेटिनऑफ़ द इंस्टीट्यूट ऑफ़ ईस्टर्न	13	जर्नल ऑफ रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ श्रीलंका
2	ऐसी अक्षरे	14	कोरिया
3	बुलेटिन ऑफ़ द अरबिंदो इंटरनैशनल सेंटर ऑफ़ एज्युकेशन	15	न्यूज फ्रॉम चायना
4	डिफेन्स सायन्स जर्ना	16	प्रबुद्ध भारत ऑर अवेकन्ड इंडिया
5	डेन्वर क्वार्टरली	17	रॉयल एशियाटिक सोसायटी(हाँगकाँग शाखा) न्यूजलेटर
6	DESIDOC जर्नल ऑफ़ लायब्ररी इन्फर्मेशनटेक्नॉलॉजी	18	सदर्न इकॉनॉमिस्ट
7	DRDO (न्यूजलेटर)	19	श्रद्धा
8	ग्यानमोचक त्रिमासिक	20	थर्ड कन्सेप्ट
9	IIPC फोटोग्राफिक जर्नल	21	तिबेटियन बुलेटिन
10	IIPS वर्किंग पेपर्स सिरीज	22	ट्रांझॅक्शन ऑफ़ द रॉयलसोसायटी ऑफ़ एडिनबर्ग
11	जर्नल ऑफ़ मैथमैटिकल सायन्स	23	वैचारिकी
12	जर्नल ऑफ पाकिस्तान हिस्टोरिकल सोसायटी		

c. नियतकालिक दाताओंके नाम:

व्यक्तिगत दाता(सदस्य- गैरसदस्य)

1	डॉ. ए.पी.जामखेडकर	जर्नल ऑफ रॉयल एशियाटिक सोसायटी ऑफ श्रीलंका
2	श्री. सुरेंद्र कुलकर्णी	नियतकालिक के लिये रू. ५०००/-
3	डॉ. टी.ए. श्रीकांत	प्रबुद्ध भारत तथा अवेकन्ड इंडिया (मे २००९- एप्रिल २०२९)

संस्थात्मक दाता

1	सर्वज्ञ विद्यापीठ	ज्ञान मोचक त्रिमासिक
2	पकिस्तान हिस्टोरिकल सोसायटी	जर्नल ऑफ़ द पाकिस्तान हिस्टोरिकल सोसायटी

D JSTOR

JSTOR- २०१० साल से एशियाटिक सोसायटी JSTOR, पूर्ण मूलग्रंथ ऑनलाईन अभिलेखागार की ग्राहक बनी है, और सदस्यों के बीच लोकप्रिय हो रहा है| जनवरी से दिसंबर २०१८ तक पूर्ण विषयवस्तु लेखों की माँग १,१३१ तक पहुँचीं है|

१४.६ किताबें निर्गमन विभाग:

इस साल के दौरान सदस्यों को ७,६७५ किताबें(४,८९१ पुरानी और १,६४९ नयी) और १,१३५ नियतकालिक(मैगझिन्स) इश्यू किए गए|

दैनिक सदस्यता श्रेणी अंतर्गत १८९ आगंतुकों को सोसायटी के परिसर में अवलोकन करने का मौका दिया गया| दैनिक सदस्यता श्रेणी अंतर्गत २० विदेशी अभ्यासकों ने ग्रंथालय का दौरा किया|

१५ संवर्धन और जतन

A. **जतन विभाग:**

साल के दौरान किए गए काम का विवरण नीचे दिया है:

प्रक्रिया	**साल के दौरान किया काम**
किताबों का धूम्रीकरण	१,३१९ किताबें
सदस्यता लेजर धूम्रीकरण	लेजर के ३५ जिलदबंद खंड
विआम्लीकरण	४८, ९७३ पन्ने
महीन कपडे की मरम्मत	(१५८ किताबों की जरदोजी की गयी) ४८,०२४ पन्ने

मरम्मत के बाद १३२ किताबों को जिल्दबंद किया गया| भेट दी गयी १,२४१ किताबों की सूची बनायी गयी|

इसके अलावा अमालिना दवे को उनके, पुरानी किताबे और मानचित्र जतन(१ला चरण) इस पथदर्शी प्रकल्प के लिये सहाय्य किया गया|

इसके अलावा समय के मुताबिक सोसायटी के हर विभाग में दीमक-विरोधी उपचार किया गया है|

A. **मायक्रोफिल्मिंग और डिजिटायझेशन**

इस साल के दौरान ग्रंथालय डिजिटायझेशान योजना के अंतर्गत, १८८६-१९२८ तक कई टाइम्स ऑफ़ इंडिया, ५,१०२ डिजिटल किताबों को अंतर्विष्ट करनेवाली २११ मायक्रोफिल्म की गुणवत्ता जाँच की गयी|

४३ संशोधक/ अभ्यासकों ने उनके संशोधन कार्य के लिए विशेष संग्रह कक्ष से डिजीटाइझ/ मायक्रोफिल्मांकित सामग्री दी गयी, तथा ४४० मायक्रोफिल्म प्रिंटआउट्स भुगतान के बाद संशोधकों को दी गयी|

पहले मायक्रोफिल्मांकित किए गए ३,०३७ मायक्रोफिल्म रोल्स गीलापन या फंगस के वजह से हुए डैमेज हेतु सर्वेक्षण करके साफ़ कर दिए गए है|

१६. जिल्दसाझी विभाग

इस साल के दौरान २,१२२ किताबों को पूरी जिल्द चढ़ाई गयी| यह काम, अखबारों की सिलाई तथा पिन करना, किताबें अथवा फ़ाइलों की मरम्मत, पैकिंग और पार्सल करना इन रोजमर्रा के कामों से अलग था|

१७. वित्त विभाग

भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय से एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई को अंशतः अनुदान प्राप्त होता है| इस साल में सोसायटी को १ करोड़ रुपये दानस्वरूप प्राप्त हुए है| सोसायटी का स्थायी निधी अधिक मजबूत करने हेतू अनुदान में बढ़ावा पाने के लिए भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय से अधिक मदद की जरुरत है| इसके अलावा एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ कोलकाताकी तरह एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई को भी राष्ट्रीय महत्वपूर्ण संस्था घोषित करने के लिए भी उनकी सहायता आवश्यक है|

१८ आभार

हम वित्तसहाय्यता के लिए सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार, और मुंबई महानगर निगम के आभारी है| महाराष्ट्र सरकार, उच्च और तांत्रिक शिक्षण विभाग, पुस्तक संचालनालय, राज्य मध्यवर्ती ग्रंथालय, मुंबई कलेक्टर और उनका कार्यालय, MRA पुलिस स्टेशन ने हमारे टाउन हॉल सहित सभी कार्यक्रमों में दिए हुए सहाय्यता और योगदान के लिए हम उनके आभारी है, तथा अत्यावश्यक नागरी तथा बिजली के कामों को पूरा करने के लिए पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट के भी हम आभारी है|

हर समय और सोसायटी के हर कार्यक्रम में सहाय्यीभूत होनेवाले श्री. बृहद भारतीय समाज, एच.टी. पारेख फ़ौंडेशन, सारस्वत को.ऑप. बैंक लिमि., ऑब्जर्व्हर रिसर्च फ़ौंडेशन, वी. वी. और श्रीम. मरिवाला चैरिटी ट्रस्ट, रोटरी क्लब ऑफ़ बॉम्बे, चोक्सी चैरिटी फ़ौंडेशन, मुंबई फर्स्ट, मुंबई पोर्ट ट्रस्ट और अन्य सभी दाताओंके आभारी है| अपने कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का मौका देनेवाले छत्रपती शिवाजी महाराज वस्तू संग्रहालय के हम आभारी है|

हमारे कार्यक्रम और उपक्रमों का आयोजन करने में अपने कौशल्य का योगदान देनेवाले कई व्यक्ति और संस्थाओं के हम आभारी है|

सोसायटी के लिए अविरत कार्यमग्न रहनेवाले हमारे लेखापाल और सभी समर्पित कर्मचारीगण के हम आभारी है|

अंततः सोसायटी के उपक्रमों में साथ देने के लिए हमारे सभी सदस्योंके हम आभारी है|

व्यस्थापन समिति के प्रतिनिधि

एस. जी काले.
अध्यक्ष

व्हिस्पी बालापोरिया
मा. सचिव

द एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
आर्थिक समीक्षा

१ ३१ मार्च २०१९ को ख़त्म हुए साल का आय-व्यय खाता परिक्षण, मूल्यन्हास के प्रति रु. ४२,८३,६५६/- हस्तांतरित करने के बाद और रु. ४०,००,०००/- एएसएम विकास निधि के प्रति हस्तांतरित करने के बाद रु. ४२,२२,८४८/- का अधिशेष दर्शाता है|

२. ३१ मार्च २०१९ को ख़त्म हुए साल के आय-व्यय खाते का सारांश निम्नप्रकार है:-

विवरण	रुपये	पिछले साल की राशी
आय		
कायिक निधि निवेश से प्राप्त आय	82,20,762	82,40,608
राखीव निधि निवेश से प्राप्त आय	8,21,399	7,28,574
बचत खाते पर ब्याज	1,74,982	2,72,837
A	**92,17,143**	**92,42,019**
सदस्यता शुल्क से प्राप्त और अन्य आय	8,46,944	17,59,448
भारत सरकार/ मुंबई महानगर निगम से प्राप्त अनुदान	1,45,00,000	1,23,00,000
एएसएम शोध पत्रिका विक्रय से प्राप्त अनुदान	30,530	13,360
दान से प्राप्त आय	12,87,270	1,16,707
B	**1,66,64,744**	**1,31,89,515**
A+B	**2,58,81,887**	**2,24,31,534**
व्यय		
कर्मचारी वेतन और भत्ता	51,99183	56,04,002
सामान्य व्यय	41,64,419	30,15,578
I	**93,63,674**	**86,19,580**
न्यास के वस्तुओंपर हुआ व्यय		
नियतकलिकों के लिए शुल्क	32,82,245	29,34,181
अन्य उपक्रम	47,27,493	44,64,831
II	**80,09,738**	**73,99,012**
I+II	**1,73,73412**	**1,60,18,592**
प्रदान किया गया मूल्यन्हास **III**	**42,83,656**	**38,71,850**
प्रारंभिक और अंतिम स्टाक भेद	**1,971**	**3,448**
कुल I से III तक	**2,16,59, 039**	**1,98,93,890**
व्यय पे आया का अधिक्य		
घटाएँ: एएसएम विकास निधि को हस्तांतरित	42,22,848	25,37,644
आय-व्यय खाते में हस्तांतरित निधि	40,00,000	20,00,000
आय-व्यय खाते में हस्तांतरित निधि	2,22,848	5,37,644

इस साल के दौरान न्यास ने सांस्कृतिक मंत्रालय, भारत सरकार से योजना अनुदान रु. १,२५,००,०००/- पाया है; जिसमे से २५,००,०००/- गत साल याने २०१७-१८ से संबंधित थे| इस अनुदान का उपयोग इस प्रकार किया गया:-

क्र.	विवरण	राशी
1	वेतन-नियतकालिकों के ख़रीदारी तथा संस्करण	16,00,732
2	नियतकलिकों की खरीदारी	6,89,426
3	वेतन-खरीदारी और किताबों का संस्करण	29,35,048
4	किताबों की ख़रीदारी	4,13,457
5	पांडुलिपियों का समीक्षात्मक संस्करण और अनुवाद	29,719
6	एएसएम के संस्थापक तथा पालक	1,65,469
7	अखबार और नियतकालिक	22,154
8	वेतन- मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला	18,45,045
9	जिल्दसाजी सामग्री	77,176
10	वेतन-संवर्धन प्रयोगशाला	20,71,239
11	संवर्धन प्रयोगशाला अन्य व्यय	54,003
12	फैलोशिप प्रदान समारोह	1,50,761
	कुलराशी	**1,00,54,229**

कृते, प्रबंधन समिति

अनिल जी. नेवालकर
(मा. वित्त सचिव)

एस.जी.काले
(अध्यक्ष)

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
नियम 17(1) के अंतर्गत अनुसूची VIII

सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
31 मार्च 2018 के स्थितीनुसार आय और व्यय पत्रक

	अनुसूची	31.3.2019 रु.	31.3.2018 रु.
निधि और देयाताएँ			
न्यास निधि और कायिक निधि	1	10,68,79,723	10,63,59,243
उपकरण निधि	2	1,69,40,611	84,33,710
पांडुलिपियाँ निधि	3	1,42,552	1,42,552
मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला और किताबें जतन निधि	4	59,34,537	58,68,602
किताबें गोद लें योजना निधि	5	99,38,499	89,12,260
अन्य निश्चित निधियाँ	6	14,68,70,754	13,72,15,514
अन्य देयताएँ	7	21,20,359	17,74,314
आय और व्यय खाता	20	26,69,523	24,46,675
कुल राशि		**29,14,96,558**	**27,11,52,870**
संपत्ती और परिसंपत्ती			
स्थायी संपत्ती	8	1	1
अस्थायी संपत्ती	9	7,67,36,245	6,83,78,558
उपकरण	10	1,12,92,819	1,12,78,419
मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला	11	48,09,507	48,09,507
संगणक और अन्य सहायक उपकरण	12	22,23,897	29,79,550
विशेष संग्रह कक्ष	13	10,28,861	10,28,861
कॉम्पैक्ट बुक शेल्व्हिंग यंत्रणा	14	1,23,31,929	1,01,95,788
परसियाना योजना संगणक	15	62,919	62,919
स्थिर संपत्ती	16	91,85,399	46,10,865
निवेश	17	16,25,33,151	15,63,89,638
जमाराशि, अग्रीम निधि और स्टाक	18	25,12,953	26,88,114
उपचित आय और बकाया	19	41,16,012	47,77,953
रोकड़ और बैंक शेष		38,70,865	48,52,697
कुलराशि		**29,14,96,558**	**27,11,52,870**

कृते-भोगीलालसी.शाहएन्ड कंपनी
लेखापाल, रजि. नं- 101424W
सुरील शाह(भागीदार)
सदस्यता क्र. 42710
UDIN :
19042710AAAAAX5563

प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया
(मा. सचीव)
अरविंदडी. भोरकर
लेखापाल सदस्यता क्र.8317
UDIN No.
19008317AAAAAA5697

भालचंद्र मुनगेकर
(न्यासी)
श्री. अनिलजी. नेवालकर
(मा. अर्थ सचिव)
सायरस गुझदेर
(न्यासी)

स्थान:- मुंबई दिनांक:- 09/08/2019

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
नियम 17(1) के अंतर्गत अनुसूची VIII
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
31 मार्च 2018 के स्थितीनुसार आय और व्यय पत्रक

	अनुसूची	31.3.2019 रु.	31.3.2018 रु.
आय			
ब्याज और लाभांश	21	92,17,143	92,42,019
अन्य स्रोतोंसे आय	22	1,66,64,744	1,31,89,515
एएसएम शोधपत्रिका डीवीडी अंतिम स्टाक		48,129	49,720
पांडुलिपि सूची अंतिम स्टाक		49,896	49,896
काने संगोष्ठी प्रोसिडिंग अंतिम स्टाक		71,100	71,400
एएसएम शोधपत्रिका अंतिम स्टाक (व्यवस्थापन द्वारा निश्चित किया गया 1.00 रु. नाममात्र शुल्क)		349	429
कुल राशि		**2,60,51,361**	**2,26,02,979**
व्यय			
एएसएम शोधपत्रिका DVD प्रारंभिक स्टाक		49,720	51,709
एएसएम शोधपत्रिका प्रारंभिक स्टाक		49,896	51,030
पांडुलिपि सूची प्रारंभिक स्टाक		71,400	71,700
काने संगोष्ठी प्रोसिडिंग प्रारंभिक स्टाक		429	454
एएसएम शोधपत्रिका प्रारंभिक स्टाक(व्यवस्थापन द्वारा निश्चित किया गया 1.00 रु. नाममात्र शुल्क)			56,04,002
स्थापना व्यय	23	51,99,183	30,15,578
सामान्य व्यय	24	41,64,491	73,99,012
न्यास की वस्तुओं पर व्यय	25	80,09,738	38,71,850
अधिशेष/(घाटा)	26	42,83,656	2,00,65,335
घटाएँ: एएसएम विकास निधि को हस्तांतरण		2,18,28,513	25,37,664
अतिरिक्त		42,22,848	20,00,000
आय और व्यय खाते में हस्तांतरित शेष राशी		40,00,000	
कुल राशि		**2,22,848**	**5,37,644**

कृते-भोगीलालसी.शाहएन्ड कंपनी
लेखापाल, रजि. नं- 101424W

प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया
(मा. सचीव)

भालचंद्र मुनगेकर
(न्यासी)

सुरील शाह(भागीदार)
सदस्यता क्र. 42710
UDIN :
19042710AAAAAX5563

अरविंदडी. भोरकर
लेखापाल सदस्यता क्र.8317
UDIN No.
19008317AAAAAA5697

श्री. अनिलजी. नेवालकर
(मा. अर्थ सचिव)

सायरस गुझदेर
(न्यासी)

स्थान:- मुंबई दिनांक:- 09/08/2019

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
A. न्यास निधि		
परिसर निधिप्रिन्स ऑफ़ वेल्स म्यूजियम के लिए न्यास का योगदान	5000	5000
पाण्डुलिपिनिधि	55,000	55,000
कॉइन निधि	40,000	40,000
एएसएम और सेन्ट्रल ग्रंथालय से विभाजन में प्राप्त किताबें, फर्नीचर,तथा जुड़नार	33,76,795	33,76,795
A	**34,76,796**	**34,76,796**
स्थायी निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	10,28,82,447	1,02,56,080
जोड़े: सालमें प्राप्त दान	5,00,000	3,00,000
जोड़े: साल में प्राप्तप्रवेशशुल्क	20,480	21,640
A	**10,34,02,927**	**10,28,82,447**
A+B	**10,68,79,723**	**10,63,59,243**
अनुसूची २: उपकरण निधि		
A. कार्यालय उपकरण और फर्नीचर निधि		
संगणक और ज़ेरोक्स मशीन खरीदने के लिए नगर महानिगम द्वारा प्राप्त निधि	1,38,005	1,38,005
वाटर कूलर	41,000	41,000
दूरध्वनी	8,000	8,000
प्रिंटिंग कैलक्युलेटर- धवले ग्रन्थ यात्रा द्वारा दान	3,500	3,500
फायालिंग कैबिनेट	60,000	60,000
ज़ेरोक्स मशीन केलिए दान	2,00,000	2,00,000
नियतकालिक रैक्स के लिए दान	3,00,000	3,00,000
ध्वनियंत्रणा के लिए दान	2,85,000	2,85,000
वैक्यूम क्लीनर के लिए दान	35,000	35,000
स्टाफ लॉकर के लिए दान	1,50,000	1,50,000
फर्नीचर के लिए दान	3,00,000	3,00,000
डाटा सेफ कैबिनेट के लिए दान	5,00,000	5,00,000
लिफ्ट के लिए दान	13,56,800	13,56,800
मोबाइल शेल्व्हिंग यंत्रणा केलिए दान	50,00,000	50,00,000
ग्रंथालय विकास के लिए-अनुदान (ब्याजसहित)	50,26,278	----------
कार्यालय फर्निचर के लिएअनुदान	34,80,623	----------
A	**1,68,84,206**	**83,77,305**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
B. ग्रंथालय उपकरण निधि वैक्यूम प्रेस की ख़रीदारी के लिए प्राप्त अनुदान प्रबंध	50,000 6,405	50,000 6,405
A	**56,405**	**56,405**
A+B	**1,69,40,611**	**84,33,710**
अनुसूची3: **पाण्डुलिपि निधि** (पांडुलिपियाँ जतन करने हेतु केंद्र सरकार द्वारा प्राप्त सहायता अनुदान)पिछले तुलनापत्र अनुसार	1,42,552	1,42,552
कुल राशी	**1,42,552**	**1,42,552**
अनुसूची 4 : **मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला और पुस्तक संरक्षण निधि** एएसएम के,मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला ICICI और मुंबई नगर महानिगम निधि और एएसएम के किताबें संरक्षण निधि-पिछले तुलनापत्र के अनुसार:	58,68,602	57,88,662
जोड़े: ब्याज/ लाभांश	**17,040**	**17,040**
प्रिंटआउट फिल्मांकन और वाचन से वसूली	**48,895**	**62,900**
कुल राशी	**59,34,537**	**58,68,602**
अनुसूची ५: **किताबें गोद लें योजना निधि** पिछले तुलना पत्र के अनुसार जोड़े: साल के दौरान पाया गया दान जोड़े: ब्याज/लाभांश	89,12,260 6,47,019 3,51,220	76,11,992 37,58,479 3,53,778
कुल राशी	**99,38,499**	**1,17,24,249**
घटाएँ: कंजर्वेशन प्रयोगशाला नूतनीकरण खर्चा	**-----**	**28,11,989**
कुल राशी	**99,38,499**	**89,12,260**
अनुसूची ६: अन्य निश्चित निधि **A. राखीव निधि** पिछले तुल नापत्र के अनुसार जोडें: साल में आजीवन सदस्यता शुल्क प्राप्ती जोड़ें: संशोधक विद्यार्थिओं की विश्व विद्यालय फीस पूर्ती जोडें: ब्याज/लाभांश	1,20,73,877 7,30,000 9,360 8,21,399	1,11,29,746 8,70,000 5,600 7,28,574
कुल राशी	**1,36,34,636**	**1,27,33,920**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
निचे दिए हुए निधि से ब्याज स्थानांतरण पुस्तकों के खरीदने हेतु किए गए उपयोग:		
एशियाटिक सोसाइटी मुंबई पुस्तक निधि	54,249	55,571
प्रेमचंद रायचंद पुस्तक निधि	240	240
मैडॉन पुस्तक निधि	2,000	2,000
मुख्य न्यायधीश छागला स्मृति पुस्तक निधि	880	880
जी.डी. गोखले चैरिटेबल ट्रस्ट पुस्तक निधि	9,280	9,280
कुल राशी	**1,37,01,845**	**1,28,02,451**
घटाएँ: आय/व्यय खाते में हस्तांतरित ब्याज/लाभांश	**8,21,399**	**7,20,574**
कुल राशी A	**1,28,80,446**	**1,20,73,877**
B : एशियाटिक सोसाइटी मुंबई,पुस्तक निधि		
पिछले वित्तीयस्थिती के अनुसार	21,51,841	21,51,841
जोडें:ब्याज / लाभांश	1,416	1,306
	21,53,257	**21,53,147**
अधिक : 65% ब्याज जस्टिस तेलंग निधि से निधि	52,833	54,265
	22,06,090	**22,07,412**
स्थानांतरण		
घटाएँ:ब्याज/लाभांश का उपयोग पुस्तक खरीदने हेतु राखीव निधि स्थानान्तरण	54,249	55,571
कुल राशी B	**21,51,841**	**21,51,841**
C : प्रेमचंद रायचंद पुस्तक निधि		
पिछले वित्तिय स्थिती के अनुसार	4,103	4,103
जोडें:ब्याज / लाभांश	240	240
	4,343	4,343
घटाएँ: पुस्तक ख़रीदारी के लिए आरक्षित निधि को हस्तांतरित किया गया ब्याज/लाभांश	240	240
कुल राशी C	**4,103**	**4,103**
D : डॉ.. बी.सी.लॅानिधि		
पिछले वित्तिय स्थिती के अनुसार	8,777	8,297
जोडें:ब्याज / लाभांश	480	480
कुल राशी D	**9,257**	**8,777**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
E : मैडॉन पुस्तक निधि		
पिछले तुलना पत्र के अनुसार		
श्री. बेजोंगी शापुरजी मैडॉन 5,000		
श्रीम. जेरबाई बेजोंगी मैडॉन 5,000		
श्री. कैखुश्रु बेजोंगी मैडॉन 5,000		
श्री. रतन बेजोंगी मैडॉन 5,000		
श्री. जहान्सबुर बेजोंगी मैडॉन 5,000		
31.3.2003 तकब्याज/लाभांश 15,900	42,900	42,900
Less :ब्याज/लाभांश काउपयोग पुस्तक खरीदने हेतुनिधि को स्थानांतरण	2,000	2,000
E	**40,900**	**40,900**
F: म.म.डॉ.. पि. व्हि. काणे पुस्तक निधि		
पिछले वित्तिय स्थिती के अनुसार	9,676	9,676
जोड़ें:	560	560
	10,236	**10,236**
ब्याज/लाभांश का उपयोग पुस्तक खरीदने हेतु राखीव निधि कोस्थानान्तरण	560	560
F	**9,676**	**9,676**
G.मुख्य न्यायाधीश छागला स्मृति पुस्तक निधि		
पिछले तुलनापत्र केअनुसार	35,130	35,130
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	880	812
	36,010	**35,942**
घटाएँ: पुस्तक ख़रीदारी के लिए आरक्षित निधि को हस्तांतरित किया गया ब्याज/लाभांश	880	812
G	**35,130**	**35,130**
H.किताबें भेट दें निधि		
पिछले तुलना पत्र केअनुसार	1,30,001	1,30,001
H	**1,30,001**	**1,30,001**
I टी.सी. पारेख स्मृति निधि		
पिछले तुलना पत्र केअनुसार	50,856	57,016
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	1,840	1,840
	60,696	**58,856**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
J जी.डी. गोखले चैरिटेबल ट्रस्ट पुस्तक निधि		
पिछले तुलनापत्र केअनुसार	1,70,630	1,70,630
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	9,280	9,280
	1,70,630	1,79,910
घटाएँ: पुस्तक ख़रीदारी के लिए आरक्षित निधि को हस्तांतरित किया गया ब्याज/लाभांश	9,280	9,280
J	**1,70,630**	**1,70,630**
A. एएसएम प्रकाशन निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	30, 21,578	29,01,618
जोड़ें: प्रकाशनविक्रय	3,100	-
संस्कृत तथा प्राकृत पांडुलिपि सूचीओंका विक्रय	1,680	840
संस्कृत और प्राकृत पाण्डुलिपिओंका अंतिम स्टाक	4,69,165	4,70,507
मोनोग्राफ का अंतिम स्टाक(व्यवस्थापन द्वारा नुमानितसांकेतिक मूल्य रु. 1.00 मात्र)	3,459	2,617
ब्याज/लाभांश	1,12,080	1,18,852
	36,11,062	34,94,632
घटाएँ: संस्कृत और प्राकृत पाण्डुलिपिओंका प्रारंभिक	4,70,705	4,71,218
स्टाक मोनोग्राफ प्रारंभिक स्टाक	2,167	1,836
K	**31,37,740**	**30,21,578**
L. विमलशाह स्मृति प्रकाशन निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	44,19,515	42,90,691
जोड़ें: प्रकाशन विक्रय	3,22,150	26,750
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	3,04,000	3,04,000
	50,45,665	**46,21,441**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	6,13,552	2,01,926
L	**44,32,113**	**44,19,515**
M. एएसएम संगणकी करण निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	7,72,653	7,81,553
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	8,880	8,880
M	**7,90,413**	**7,81,533**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
N. पुण्यार्थ/ स्मृति व्याख्यान/ फैलोशिप निधि		
1. गुलिस्तान बिलिमोरिया वार्षिक युवा संगोष्ठी पिछले तुलनापत्र के अनुसार	1,04,290	1,12,565
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	18,269	18,136
	1,22,559	1,30,701
घटाएँ: गुलिस्तान बिलिमोरिया व्याख्यान निधि को हस्तांतरित ब्याज/लाभांश	18,269	18,136
	1,04,290	**1,12,565**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	18,710	8,275
1.	**85,580**	**1,04,290**
2. चार यूनियन नेताओंके स्मृति में श्रम अध्ययन केंद्र के लिए एएसएम निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	9,87,734	9,47,147
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	66,197	66,143
	10,53,931	**10,13,290**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	(3,420)	25,556
2.	**10,57,351**	**9,87,734**
3. इन्दाल फैलोशिप निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	1,40,572	1,42,501
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	11,120	11,071
	1,51,692	**1,53,572**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	8,000	13,000
3.	**1,43,692**	**1,40,572**
4. मुख्य न्यायाधीश छागला स्मृति फैलोशिप		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	5,31,192	5,29,272
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	41,920	41,920
	5,73,112	**5,71,192**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	40,000	40,000
4.	**5,33,112**	**5,31,192**
5. म.म. डॉ. पी. वी, काणे स्वर्णपदक निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	24,004	23,044
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	960	960
5.	**24,964**	**24,004**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
6. कैम्पबेल स्वर्णपदक निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	30,836	29,442
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	1,370	1,394
6	**32,206**	**30,836**
7. जपानी अभ्यास के लिये पोहेकर फैलोशिप निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	3,38,225	3,21,640
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	23,520	25,615
	3,61,775	**3,47,225**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	(15,000)	9,000
7.	**3,76,775**	**3,38,225**
8. श्रीम. नबदुर्गा बैनर्जी मेमोरियल व्याख्यान निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	6,08,645	5,87,641
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	44,400	42,137
	6,53,045	**6,29,778**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	41,530	21,133
8.	**6,11,515**	**6,08,645**
9. श्रीम. बन्सरी के. सेठ स्मृति व्याख्यान निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	4,50,386	4,33,422
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	33,537	31,653
	4,83,923	**4,65,075**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	30,010	14,689
9.	**4,53,913**	**4,50,386**
10.न्यायाधीश के. टी. तेलंग स्मृति व्याख्यान और फैलोशिप निधि :		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	10,13,561	10,28,183
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	81,281	83,485
	10,94,482	**11,668**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	39,269	43,842
घटाएँ: प्राप्त ब्याज में से 65% एएसएम पुस्तक निधि को हस्तांतरित	52,833	54,265
10.	**10,02,740**	**10,13,561**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
11. गुलिस्तान बिलिमोरिया स्मृति व्याख्यान निधि :		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	7,24,086	7,18,323
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	44,109	44,011
	7,68,195	**7,62,334**
जोड़े: गुलिस्तान बिलिमोरिया युवा व्याख्यान निधि से हस्तांतरित	18,269	18,136
	7,86,464	**7,80,470**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय	16,360	56,384
11.	**7,70,104**	**7,24,086**
12. एल. बी. केनी व्याख्यान/संगोष्ठी निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार		
जोडें: साल के दौरान प्राप्तदान	77,584	63,947
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	50,000	25,000
	9,742	5,697
	1,37,326	**94,644**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	-	17,060
12.	**1,37,326**	**77,584**
13. डॉ. मणी कामेरकर स्मृति व्याख्यान निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	9,63,146	9,18,950
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	68,000	68,000
	10,31,146	**9,86,950**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	18,410	23,804
13.	**10,12,736**	**9,63,146**
14. डॉ. शीला राज स्मृति फैलोशिप निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	2,10,889	2,10,889
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	16,000	16,000
	2,26,889	**2,26,889**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	(16,000)	16,000
14.	**2,42,889**	**2,10,889**
15.बी.जी. देशमुख व्याख्यान/कार्यशाला निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	14,33,225	13,89,463
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	86,430	85,972
	15,19,665	**14,75,435**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	17,270	42,210
15.	**15,02,385**	**14,33,225**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
16. दुर्गा भागवत स्मृति व्याख्यान निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	4,86,936	4,99,914
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	33,746	32,877
	5,20,682	**5,32,791**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	20,345	45,855
16.	**5,00,337**	**4,86,936**
17. प्रा. धीरेन्द्र नारायण पुण्यार्थ व्याख्यान निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	12,94,598	12,32,450
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	88,000	83,920
	13,82,598	**13,16,370**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	-	21,772
17.	**13,82,598**	**12,94,598**
18.विमल शाह स्मृति संशोधन फैलोशिप निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	10,25,351	10,36,351
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	80,000	80,000
	11,05,351	**11,16,351**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	(10,000)	91,000
18.	**11,15,351**	**10,25,351**
19. डॉ. अरुण टिकेकर स्मृति निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	34,82,253	33,31,271
जोडें: साल के दौरान प्राप्तदान	-	35,000
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	29,48,214	2,40,889
	37,74,067	**36,07,160**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	1,50,511	1,24,907
19.	**36,23,556**	**34,82,253**
20. रजनी दांडेकर फैलोशिप निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	4,03,690	4,01,690
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	32,000	32,000
	4,35,690	**4,33,690**
घटाएँ: साल के दौरान का व्यय:	1,000	30,000
20.	**4,34,690**	**4,03,690**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
21.जयंत और देवांगना देसाई फेलोशिप निधी		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	-	-
जोड़ें: सालभर मिले अनुदान	1,00,000	-
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	38,938	-
21.	**10,38,938**	-
कुल राशी N(1-21)	**1,60,82,758**	**1,43,33,233**
o. एएसएम विकास निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	1,74,73,639	1,54,23,820
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	1,11,141	49,819
जोड़ें: आय-व्यय खाते से हुआ हस्तांतर	40,00,000	20,00,000
O	**2,15,84,780**	**1,74,73639**
P. कर्मचारी कल्याण निधि:		
1. एएसएम कर्मचारी कल्याण निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	13,13,597	12,49,115
जोडें: साल के दौरान प्राप्तदान	5,00,000	-
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	37,077	64,482
1.	**14,00,674**	**13,13,597**
2. डॉ. बी. आर. रायरीकर द्विशताब्दी शिष्यवृत्ती निधि :	45,673	42,966
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	2,400	2,307
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	**47,673**	**45,273**
घटाएँ: साल के दौरान हुआ व्यय:	3,950	-
2.	**43,723**	**45,273**
P 1 से2 तक कुल राशी	**14,44,397**	**13,58,870**
Q . विशेष रूम कलेक्शन्स निधि:		
पिछली तुलनापत्र के अनुसार	8,10,609	8,10,609
Q.	**8,10,609**	**8,10,609**
R कौम्पेक्ट बुक शेल्व्हिंग यंत्रणानिधि:		
पिछली तुलनापत्र के अनुसार	34,95,498	34,95,498
R.	**34,95,498**	**34,95,498**
S एएसएम द गुलिस्तान और रुस्तम बिलिमोरिया चैरिटी न्यास- पारसी झोराष्ट्रीयन हेरिटेज निधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	17,35,218	16,50,657
2 जोड़ें: ब्याज/लाभांश	90,293	84,561
S.	**18,25,511**	**17,35,218**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
T. DELNET योजना निधि		
पिछली तुलनापत्र के अनुसार	2643	2643
T.	**2643**	**2643**
P. एएसएम द्विशताब्दी कार्यक्रमनिधि		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	88,67,549	85,40,283
जोड़ें: एएसएम विवरणिकाविक्रय	1,875	5,125
विवरणिका का अंतिम स्टाक	76,795	83,666
ब्याज/लाभांश	3,40,630	3,30,818
	92,86,849	**89,59,892**
घटाएँ: साल के दौरान हुआ व्यय		
एएसएम विवरणिका का प्रारंभिक स्टाक	83,666	92,343
U.	**92,03,183**	**88,67,549**
V. एएसएम साहित्यिक क्लब निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	(1,20,622)	76,552
टी-शर्ट काविक्रय	2,050	-
टी-शर्ट का अंतिम स्टाक	34,944	37,440
नायलोन बैग का अंतिम स्टाक	16,498	16,498
	(67,130)	(22,614)
घटाएँ: टी-शर्ट का प्रारम्भिक स्टाक	37,440	37,440
नायलोन बैग का प्रारंभिक स्टाक	16,498	16,498
साल के दौरान हुआ व्यय	-	44,070
V.	**(1,21,068)**	**(1,20,662)**
W. दरबार सभागृह नूतनीकरण तथा पुनर्स्थापना		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	27,31,215	29,23,245
घटाएँ: साल के दौरान हुआ व्यय	-	1,92,030
W.	**27,31,215**	**27,31,215**
X. मुंबई संशोधन प्रकल्पनिधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	11,61,428	10,94,300
हेरिटेज वॉक	14,950	13,150
ब्याज/लाभांश	76,125	62,358
	12,52,503	**11,69,908**
घटाएँ: साल के दौरान हुआ व्यय	69,739	8,480
X.	**11,82,764**	**11,61,428**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
Y ग्रंथालय डिजिटायझेशन प्रकल्प निधि :		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	2,00,52,375	1,89,67,834
जोड़ें: साल के दौरान प्राप्त दान	59,05,000	54,80,000
जोड़ें: ब्याज/लाभांश	6,81,178	6,53,405
	2,66,38,553	**2,51,01,239**
घटाएँ: साल के दौरान हुआ व्यय	85,56,133	50,48,864
Y.	**1,80,82,420**	**2,00,52,375**
Z. मूल्यह्रास निधि:		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	4,24,09,622	3,85,37,772
जोड़ें: साल के दौरान हुआ मूल्यह्रास	42,83,565	38,71,850
Z.	**4,66,93,278**	**4,24,09,622**
A to Z	**14,68,70,754**	**13,72,15,514**
अनुसूची7अन्य उत्तरदायित्व		
खर्च के लिए	10,96,038	8,69,122
पुस्तकों के लिएजमा राशि	5,90,260	5,54,760
पेशगी में प्राप्तअंशदान	78,000	21,000
भारत सरकार कि तरफ से न-उपयोग किए हस्तलिखित कॅटलॉग के लिए अनुदान	45,500	45,500
भारत सरकार के हस्तलिखित कॅटलॉग के अनुदान पर ब्याज	2,60,561	2,33,932
अन्य	50,000	50,000
कुल राशी	**21,20,359**	**17,74,314**
अनुसूची 8. अचल संपत्ती		
सोसायटी परिसर(नाममात्र मूल्य पर - 1 अप्रैल 1951	1	1
कुल राशी	**1**	**1**
अनुसूची 9. चल संपत्ती		
प्रिन्स ऑफ वेल्स में सोसायटी का संग्रहण	5,000	5,000
हस्तलिखित (अनुमानित मूल्य 1 अप्रैल,1950 का)	55,000	55,000
मुद्रा (अनुमानित मूल्य 1 अप्रैल,1950 का)	40,000	40,000
स्मारक प्रतिमा	63,160	63,160
ASM और सेंट्रल ग्रंथालय से प्राप्त पुस्तकें	30,75,290	30,75,290
A	**32,38,450**	**32,38,450**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

		31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
विभाजन के बाद ख़रीदीं गयी पुस्तकें:			
पिछले वित्तीय स्थिति के अनुसार		4,12,55,884	3,63,82,235
अधिक : साल के दौरान ख़रीदीं और संसाधित पुस्तकें		4,13,457	4,84,483
अधिक : सॅलरी पर्चेस और संसाधित पुस्तक विभाग		49,97,698	43,89,166
	B.	**4,66,67,039**	**4,12,55,884**
मायक्रोफिल्मिंग पुस्तकें (मूल्य)			
पिछले वित्तीय स्थिति के अनुसार		2,38,84,224	2,11,60,290
अधिक : सॅलरी मायक्रोफाल्मिंग विभाग		29,46,532	27,23934
	C.	**2,68,30,756**	**2,38,84,224**
	A+B+C	**7,67,36,245**	**6,83,78,558**
अनुसूची 10: उपकरण			
A. कार्यालयीन उपकरण			
संगणक, ज़ेरोक्स यंत्र		8,45,647	8,45,647
वाटर कूलर		46,273	46,273
दूरध्वनी	53	16,507	16,507
फैक्स मशीन		32,210	32,210
इंटरकॉम यंत्रणा		54,400	54,400
ओव्हरहेड प्रोजेक्टर		14,989	14,989
LCD डेटा प्रोजेक्टर		1,58,500	1,58,500
डीवीडी प्लेयर		6,990	6,990
अग्निशामक		3,30,060	3,30,060
ध्वनीयंत्रणा		26,59,508	26,59,508
अन्य कार्यालयीन उपकरण		14,071	14,071
कर्मचारी व्यक्तिगत लॉकर		1,25,697	1,25,697
पंखे		60,000	60,000
ट्राली		10,631	10,631
फेस अटेंडेंन्स यंत्र		30,937	30,937
डाटा सेफ केबिन		27,27,289	27,27,289
	A.	**71,06,709**	**71,06,709**
B. ग्रंथालय			
वैक्यूम प्रेस		1,35,653	1,35,653
अन्य उपकरण (विशेष योजना निधि से खरीदे)		58,318	58,318
वातानुकूलक		72,700	72,700
फ़ाइल कैबिनेट्स		5,91,517	5,91,517
अल्युमिनियम स्लायाडिंग बुक		31,13,540	31,13,540
	B .	**39,71,728**	**39,71,728**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
C. एमएसएस जतन उपकरण		
सूक्ष्मदर्शी	25,441	25,441
मायक्रोफिल्म्स	1,40,917	1,40,917
फर्नीचर	48,024	48,024
C.	2,14,382	2,14,382
A+B+C	**1,12,92,819**	**1,12,78,419**
अनुसूची 11: मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला		
मायक्रोफिल्म रीडर	19,704	19,704
मायक्रोफिल्मिंग योजना का प्राथमिक व्यय	25,55,820	25,55,820
उपकरण	19,93,888	19,93,888
वातानुकूलक	2,40,095	2,40,095
कुलराशि	**48,09,507**	**48,09,507**
अनुसूची 12: संगणक तथा सहाय्यक उपकरण		
संगणक		
फर्निचर और फिटिंग	16,78,469	15,34,122
विद्युत् फिटिंग	39,120	39,120
लकड़ी का सर्वर कैबिन	26,975	26,975
अप्रत्यक्ष संपत्ती	2,39,400	2,39,400
सॉफ्टवेअर		
वेबसाईट तैयार करना	1,90,298	1,90,298
कुलराशि	49,635	49,635
	22,23,897	**20,79,550**
अनुसूची13: विशेष संग्रह कक्ष		
वातानुकूलन		
विद्युत् फिटिंग	1,97,950	1,97,950
मोबाईल रैक्स	1,47,421	1,47,421
डीह्यूमिडीफायर	6,29,000	6,29,000
कुलराशि	54,490	54,490
	10,28,861	**10,28,861**
अनुसूची 14: कॉम्पेक्ट बुक शेल्व्हिंग यंत्रणा		
मोबाईल रैक्स	1,21,12,983	99,76,842
विद्युत फिटिंग	2,18,946	2,18,946
कुलराशि	**1,23,31,929**	**1,01,95,788**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
अनुसूची 15:निश्चितसंपत्ती		
फर्निचर और फिक्स्चर		
विद्युत फिटिंग	50,84,502	18,95,141
वैक्युम क्लीनर	7,95,263	7,62,643
डाय	38,960	38,960
दरबार सभागृह वातानुकूलन	3,67,299	3,67,299
हाइड्रोलिक लिफ्ट	15,46,822	15,46,822
	13,52,553	-
कुलराशि	**91,85,399**	**46,10,865**
अनुसूची 16: निवेश		
A.कायिक निधि निवेश		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	10,18,25,000	10,18,25,000
b. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ सावधी जमाराशि	13,46,000	8,46,000
A	**10,31,71,000**	**10,26,71,000**
B. एएसएम पुस्तक जतन और मायक्रोफिल्मिंग निधि		
भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	2,13,000	2,13,000
B	**2,13,000**	**2,13,000**
C. किताबें गोद लें योजना निधि निवेश		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	29,10,000	29,10,000
b. बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र के साथ सावधी जमाराशि	-	2,00,000
c. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ सावधी जमाराशि	18,44,011	16,44,011
C	**47,54,011**	**47,54,011**
D. आरक्षित निधि निवेश		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	81,28,000	81,28,000
b. नैशनल हाऊसिंग बैंक के साथ सावधी जमाराशि	4,30,000	4,30,000
c. बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र के साथ सावधी जमाराशि	24,94,168	7,00,000
d. स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया के साथ सावधी जमाराशि	-	90,000
D.	**1,10,52,168**	**93,48,000**
E. एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुम्बई पुस्तक निधि		
निवेश		
भारतीय स्टेट बैंक में सावधी जमाराशि	32,000	32,000
E.	**32,000**	**32,000**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
F. प्रेमचंदरायचंद पुस्तक निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	3,000	3,000
F.	**3,000**	**3,000**
G.डॉ. बी. सी. लॉ निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	6,000	6,000
G.	**6,000**	**6,000**
H.मैडोन पुस्तक निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	25,000	25,000
H.	**25,000**	**25,000**
I. म.म. डॉ. पी. वी. काणे पुस्तक निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	7,000	7,000
I	**7,000**	**7,000**
J. मुख्य न्यायाधीश छागला स्मृति पुस्तक निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	11,000	11,000
J.	**11,000**	**11,000**
K. टी.सी. पारेख स्मृति निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	23,000	23,000
K	**23,000**	**23,000**
L. जी. डी. गोखले चैरिटेबल ट्रस्ट निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	1,16,000	1,16,000
L	**1,16,000**	**1,16,000**
M.एएसएम प्रकाशन निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	14,01,000	14,01,000
M	**14,01,000**	**14,01,000**
N.विमंल शाह स्मृति प्रकाशन निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	38,00,000	38,00,000
N	**38,00,000**	**38,00,000**
O.एएसएम संगणकीकरण निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	1,11,000	1,11,000
O	**1,11,000**	**1,11,000**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
A. पुण्यर्थ/स्मृति व्याख्यान/फेलोशिप निधि निवेश 1.गुलिस्तान बिलिमोरिया- मुंबई के ऐतिहासिक, शिकाश्निक तथा सामाजिक विकास में युवा योगदान a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003 b. भीरतीय स्टेट बैंक में सावधि जमाराशि	 1,91,000 45,000	 1,91,000 45,000
1.	**2,36,000**	**2,36,000**
2. चार ट्रेड यूनियन नेताओं के स्मृति में कामगार अभ्यास केंद्र के लिए एएसएम निधि: a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003 b. भीरतीय स्टेट बैंक में सावधि जमाराशि	 6,78,000 1,80,000	 6,78,000 1,80,000
2.	**8,58,000**	**8,58,000**
3. इन्दाल फैलोशिप निधि भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	 1,39,000	 1,39,000
3.	**1,39,000**	**1,39,000**
4. मुख्य न्यायाधीश छागला स्मृति निधि भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	 5,24,000	 5,24,000
4.	**5,24,000**	**5,24,000**
5. म.म. डॉ. पी. वी. काने स्वर्णपदक निधि भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	 12,000	 12,000
5.	**12,000**	**12,000**
6. कैम्पबेल स्वर्णपदक निधि निवेश भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	 13,000	 13,000
6.	**13,000**	**13,000**
7. जपानी अध्ययन के लिये पोहेकर फैलोशिप निधि भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	 2,94,000	 2,94,000
7.	**2,94,000**	**2,94,000**
8. श्रीम. नबदुर्गा बैनर्जी स्मृति व्याख्यान निधि a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	 5,55,000	 5,55,000
8	**5,55,000**	**5,55,000**
9. श्रीम. बन्सरी के शेठ स्मृति व्याख्यान निधि : a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003 भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	 3,86,000 40,000	 3,86,000 40,000
9.	**4,26,000**	**4,26,000**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
10. न्यायमूर्ति के. टी. तेलंग स्मृति व्याख्यान फैलोशिप निधि:		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 200	9,33,000	9,33,000
b. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	1,00,000	1,00,000
10.	**10,33,000**	**10,33,000**
11. गुलिस्तान बिलिमोरिया स्मृति व्याख्यान निधि:		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	5,14,000	5,14,000
b. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	45,000	45,000
11.	**5,59,000**	**5,59,000**
12. डॉ. एल. बी. केनी व्याख्यान/संगोष्ठी निधि		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	85,000	85,000
b. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	50,000	-
12.	**1,35,000**	**85,000**
13. मणि कामेरकर स्मृति व्याख्यान निधि:		
भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	8,50,000	8,50,000
13.	**8,50,000**	**8,50,000**
14. डॉ. शीला राज स्मृति व्याख्यान निधि:		
भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	2,00,000	2,00,000
14.	**2,00,000**	**2,00,000**
15.बी. जी. देशमुख व्याख्यान /कार्यशाला निधि:		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	2,50,000	2,50,000
b. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	10,00,000	10,00,000
15.	**12,50,000**	**12,50,000**
16. दुर्गा भागवत स्मृति व्याख्यान निधि:		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	1,25,000	1,25,000
b. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	3,50,000	3,50,000
16.	**4,75,000**	**4,75,000**
17. प्रा. नरेंद्र नारायण पुण्यार्थ व्याख्यान निधि		
भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	11,00,000	11,00,000
17.	**11,00,000**	**11,00,000**
18. विमल शाह स्मृति संशोधन फैलोशिप निधि:		
भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	10,00,000	10,00,000
18.	**10,00,000**	**10,00,000**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
19. डॉ. अरुण टिकेकर स्मृति निधि:		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	30,22,000	30,22,000
b. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	10,08,001	-
19.	**40,30,001**	**30,22,000**
20. रजनी दांडेकर फैलोशिप निधि:		
भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	4,00,000	4,00,000
20.	**4,00,000**	**4,00,000**
21.जयंत और देवांगना देसाईफैलोशिप निधि		
a.भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	10,29,124	-
21.	10,29,124	-
P(1-21).	**1,51,18,125**	**1,30,31,000**
Q. एएसएम विकास निधि निवेश		
a. बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र के साथ सावधि जमाराशि	50,000	-
b. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	5,50,000	5,50,000
Q.	**6,00,000**	**5,50,000**
R. कर्मचारी कल्याण निधि निवेश		
1. एएसएम कर्मचारी कल्याण निधि:		
आयसीआयसीआय के साथ क्वांटम ऑप्टिमा जमाराशि	4,47,546	10,29,537
1.	**4,47,546**	**10,29,537**
2. डॉ. बी. आर. रायरीकर द्वि-शताब्दी शिष्यवृत्ति निधि		
भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	30,000	30,000
2.	30,000	30,000
R(1-2)	**4,77,546**	**10.59,537**
S. पारसी- झोराष्ट्रीय योजना निधि निवेश		
a. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	6,90,000	6,90,000
b. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	4,59,988	3,99,300
S.	**11,49,988**	**10,89,300**
T. एएसएम द्वि-शताब्दी कार्यक्रम निधि		
a. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधी जमाराशि	16,82,574	14,60,714
b. भारत सरकार 8% बचत(कराधीन) बांड 2003	28,00,000	28,00,000
T.	**44,82,574**	**42,60,714**
U.पांडुलिपि सूची निवेश हेतु भारत सरकार का अनुदान		
भारतीय स्टेट बैंक में सावधि जमाराशि	3,49,052	3,03,000
U.	**3,49,052**	**3,03,000**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
V. मुंबई संशोधन प्रकल्प निवेश		
सारस्वत को. ऑप. बैंक के साथ सावधि जमाराशि	10,00,000	10,00,000
V.	**10,00,000**	**10,00,000**
W. ग्रंथालय डिजीटायझेशन प्रकल्प निवेश		
a. भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधि जमाराशि	94,22,678	1,15,75,076
बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र के साथ सावधि जमाराशि	10,00,000	10,00,000
W.	**1,04,22,687**	**1,25,75,076**
X. ग्रंथालयसुधारणा निधी		
भारतीय स्टेट बैंक के साथ सावधि जमाराशि	50,00,000	-
X.	**50,00,000**	-
A-X	**16,33,25,151**	**15,63,89,638**
अनुसूची 17 जमाराशि, अग्रिम और स्टाक		
A. न्यास का रौप्य पदक		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	2,416	2,416
A.	**2,416**	**2,416**
B. जमाराशि		
दूरध्वनी जमाराशि	16,000	16,000
बी. ई.एस.टी जमाराशि	46,051	46,051
B.	**62,051**	**62,051**
C. अग्रिम		
नियतकालिकों काअग्रिम शुल्क	50,556	1,37,503
हैड्रोलिक लिफ्ट के लिए अग्रिम शुल्क	-	4,00,000
डॉ. अरुण टिकेकर फैलोशिप अग्रिम शुल्क	25,000	25,000
बुक पायलट योजना के रिस्टोरेशन का अग्रिम शुल्क	-	3,05,645
कर्मचारीयोंको दिवालीअडवान्स	1,91,500	1,56,000
कर्मचारीयों को अडवान्स	9,01,534	2,90,384
प्रीपैड भुगतान	98,697	87,298
C.	**12,67,287**	**14,01,830**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
D. स्टाक		
मायक्रोफ़िल्म स्टाक	37,674	37,674
टिश्यु पेपर स्टाक	2,35,007	2,63,587
संस्कृत और प्राकृत पांडुलिपियाँ सूची स्टाक	4,69,165	4,70,705
पांडुलिपियाँ सूची स्टाक	49,896	49,896
काणे संगोष्ठी प्रोसिडिंग स्टाक	71,100	71,400
एएसएम शोध पत्रिका डीविडी स्टाक	48,129	49,720
मोनोग्राफ स्टाक(व्यवस्थापन द्वारा निश्चित किया गया 1.00 रु. नाममात्र शुल्क)	3,459	2,617
एएसएम शोधपत्रिका स्टाक(व्यवस्थापन द्वारा निश्चित किया गया 1.00 की नाममात्र शुल्क)	349	429
एएसएम ब्रोशर स्टाक	76,794	83,667
टी-शर्ट्स स्टाक	34,944	37,440
नायलोन बैग स्टाक	16,498	16,498
मायक्रोफिल्मिंग कैमरा के	1,38,184	1,38,184
D.	**11,81,199**	**12,21,817**
A+B+C+D	**25,12,953**	**26,88,114**
अनुसूची 18: उपार्जित आय औरबकाया ब्याज		
मुंबई महानगर निगम	25,96,137	32,53,808
ब्याज/लाभांश पर कर कटौती	2,918	2,918
	15,16,957	24,21,227
कुलराशि	**41,16,012**	**47,77,953**
अनुसूची19 : रोकड़ और शेष		
भारतीय स्टेट बैंक में चालू खाता	21,698	20,830
आयसीआयसीआय बैंकमें चालू खाता	56,005	26,537
भारतीय स्टेट बैंक में बचत खाता	12,48,478	11,65,690
भारतीय स्टेट बैंक में बचत खाता (Delnet योजना)	2,463	2,643
भारतीय स्टेट बैंक में बचत खाता (द्वि-शताब्दी निधि)	47,282	45,663
भारतीय स्टेट बैंक मेंएफ. सी. आर. ए. खाता (द्वि-शताब्दी निधि)	14,161	12,546
आयसीआयसीआय बैंकमें बचत खाता	23,70,649	34,26,053
बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र मेंचालू खाता	90,563	1,31,584
यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया में बचत खाता	6,019	3,560
एएसएम- रोकड़	5,903	10,127
द्विशताब्दी कार्यक्रम- रोकड़	7,644	7,644
कुल राशि	**38,70,865**	**48,52,697**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
अनुसूची20: आय और व्यय खाता		
पिछले तुलनापत्र के अनुसार	24,46,675	19,09,031
वर्ष के लिए अधिशेष	2,22,848	5,37,644
कुलराशि	**26,59,523**	**24,46,675**
अनुसूची 21: ब्याज और लाभांश		
सावधि जमाराशि/ बांड परमिला ब्याज	82,20,762	82,40,608
आरक्षी निधिपर ब्याज /लाभांश	8,21,399	7,28,574
बचत खातेपर मिला ब्याज	1,74,982	2,72,837
कुलराशि	**92,17,143**	**92,42,019**
अनुसूची 22. अन्य स्रोतों से आय		
आजीवनसभासदशुल्क(रोकड़)	1,93,000	2,87,125
अनिवासी सभासद शुल्क (रोकड़)	3,802	5,588
भारतीय विद्यार्थी सभासद शुल्क(रोकड़)	6,618	4,600
राजनयिक सभासद शुल्क(रोकड़)	-	10,000
ग्रन्थ संजीवनी सभासद शुल्क(रोकड़)	2,30,177	1,18,651
बकाया अभिदान	-	30,500
रीडरशिप अभिदान	43,175	30,982
सदस्यता कार्ड	2,010	1,980
अस्थायी सदस्यत्व	27,075	29,600
जुर्माना	58,038	57,091
शोधपत्रिका विक्रय	30,530	13,360
प्राचीन भारतीय संस्कृति प्रमाणपत्र अभ्यासक्रमशुल्क	1,12,000	1,15,500
ज़ेरोक्स खर्चा	4,634	8,325
सदस्यता फॉर्म	3,555	1,905
प्राप्त रॉयलटी	-	176
अन्य आय	1,02,860	45,135
स्क्रैप का विक्रय	60,000	12,290
दान	12,87,270	1,16,707
भारत सरकार प्राप्त अनुदान	1,25,00,000	1,00,00,000
मुंबई महानगर निगम अनुदान	20,00,000	23,00,000
	1,66,64,744	**1,31,89,515**

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 रु.	31.3.2018 रु.
अनुसूची 23: स्थापना व्यय		
प्रोव्हीडंट फंड योगदान के साथ कार्यालयीन वेतन और भत्ते	51,99,183	56,04,002
	51,99,183	**56,04,002**
अनुसूची 24: सामान्य व्यय		
छपाई और स्टेशनरी	5,04,731	3,22,409
डाक व्यय	27,694	49,901
वाहन	80,905	37,651
दूरध्वनी शुल्क	1,05,103	1,20,670
बिजली शुल्क	7,50,475	8,31,656
मरम्मत और संरक्षण	17,65,941	9,31,584
लेखापरीक्षकों को मानदेय	33,000	33,000
विधायक और व्यावसायिक शुल्क	84,662	1,44,097
कर्मचारी गणवेश	5,700	74,590
धुलाई शुल्क	35,490	28,130
जिल्दसाजी शुल्क	77,176	72,147
सेफडिपोजिट लॉकर किराया	14,750	14,375
बैंक शुल्क	16,179	6,658
विविधव्यय	6,62,673	3,48,698
भूतल बेसमेंट किराया	12	12
	41,64,491	**30,15,578**
अनुसूची25: न्यास की वस्तुओं पर व्यय		
नियतकालिक अभिदान	7,11,580	6,12,311
नियतकालिक विभाग के लिए वेतन अभिदान	25,70,665	23,21,870
सांस्कृतिक कार्यक्रम	52,591	77,106
एएसएम शोधपत्रिकामुद्रितशोधन, छपाई और डाक व्यय	1,08,017	-
म.म. डॉ. पी.वी. काणेव्याख्यान और संगोष्ठी	27,957	54,598
म.म. डॉ. पी.वी. काणेसंस्था, अध्यक्ष को मानदेय	1,50,000	1,50,000
एएसएमसाहित्य क्लब व्यय	39,651	-
एएसएम फैलोशिप	52,300	53,000
टगोर नैशनल फैलोशिप	-	3,60,00

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
तुलनापत्र और आय और व्यय खाते का वर्गीकरण करनेवाली अनुसूचियाँ

	31.2.2019 **रु.**	**31.3.2018** **रु.**
सिक्के सूची प्रकल्प	-	3,000
फैलोशिप प्रदान समारोह	1,50,761	1,88,128
पाण्डुलिपि समालोचनात्मक संपादन और अनुवाद व्यय	29,719	3,000
बौद्ध पाण्डुलिपि समालोचनात्मक संपादन और अनुवाद व्यय	-	1,54,926
एएसएम संस्थापक और पालक	1,65,469	1,85,000
प्राचीन भारतीय संस्कृति अभ्यासक्रम का व्यय	1,35,233	93,385
किताबों कासंवर्धन(पायलट प्रोजेक्ट)	3,28,307	-
सूचना प्रौद्योगिकीकरण उन्नयन प्रकल्प	35,400	10,620
मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशालाव्यय:		
मरम्मत और संरक्षण	-	1,18,112
जतन प्रयोगशाला व्यय:		
वेतन और भत्ते	3369,505	29,94,129
टिश्यू पेपर्स	28,580	16,331
रसायन और अन्य प्रायोगिक उपकरण	54,003	3,496
	80,09,738	**73,99,012**

* * * * * * * *

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, 1950
सार्वजनिक न्यास का नाम:- एशियाटिक सोसायटी ऑफ मुंबई
अनुसूची 26: मूल्यऱ्हास

संपत्ती	1.4.17 को मूल्य	परिवर्धन/बेचा गया/ बट्टा खाते में डाला गया	31.3.19 को मूल्य	मूल्यऱ्हास
1. किताबें	3,61,33,029	4,13,457	3,65,46,486	15,08,781
2. मायक्रोफिल्मांकित किताबें	1,86,87,779	-	1,86,87,779	8,71,397
3. कार्यालय उपकरण	67,78,220	14,400	67,92,620	3,05,325
4. ग्रंथालय उपकरण	39,71,729	-	39,71,729	1,82,133
5. पाण्डुलिपि जतन उपकरण	1,74,618	-	1,74,618	392
6. मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला उपकरण	48,06,927	-	48,06,927	70,224
7. संगणक	15,34,122	1,44,347	16,78,469	1,71,606
8. वातानुकूलक	21,12,232	-	21,12,232	91,854
9. फर्नीचर और फिटिंग	21,96,425	31,89,361	53,85,786	3,42,205
10. बिजली फिटिंग	11,76,685	32,620	12,09,305	51,520
11. वैक्यूमक्लीनर	38,960	-	38,960	1,282
12. मोबाईल रैक्स	1,06,05,842	21,36,141	1,27,41,983	6,05,244
13. डाय	3,67,299	-	3,67,299	17,447
14. हायड्रोलिक लिफ्ट	-	13,52,553	13,52,553	64,246
15. अप्रत्यक्ष संपत्ती	2,39,933	-	2,39,933	-
	8,88,23,800	**72,82,879**	**9,61,06,679**	**42,83,656**

सूचना: मूल्यऱ्हास की गणना सीधी रेखा पद्धती से की जाती है|

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
दाताओं की सूची
1.4.2018 से 31.3.2019 इसकालावधी में प्राप्त दान

अनुक्रम	दाताओं के नाम	राशी
A.	**स्थायी निधी दान**	
1.	श्री. नवरोझ सीरवई	2,00,000
2.	श्री. सायरस गुझदेर	3,00,000
		5,00,000
B.	**ग्रंथालयडिजिटायझेशन प्रकल्प दान**	
1.	श्री. बृहद भारतीय समाज	50,00,000
2.	रोटरीक्लब बॉम्बे चैरिटीट्रस्ट क्र. 3	6,50,000

अनुक्रम	दाताओं के नाम	राशी
3.	श्रीम. उषा कुलकर्णी	1,00,000
4.	के. बी. डॉक्टर ट्रस्ट डॉक्टर	50,000
5.	श्रीम. वैदेही ठाकुर	1,05,000
		59,05,000
C.	**मुंबईमहानगरनिगम**	
1.	मरम्मत निधी	**20,00,000**
D.	**कार्यालयकी मरम्मत के लिए दान**	
1.	रोटरीक्लब बॉम्बे चैरिटीट्रस्ट क्र. 3	**34,80,623**
C.	**राष्ट्रीय काणे संगोष्ठी के लिए अनुदान**	
1.	ICHR	**1,36,000**
D.	**एल. बी. केनी लेक्चर/ सेमीनार के लिए दान**	
1.	श्री. बलदेव चावला	**50,000**
F.	**ग्रंथालयमरम्मत के लिए अनुदान**	
1.	श्रीम. कल्पनाडी. शेठ	**50,00,000**
G.	**कर्मचारी कल्याण निधि के लिए अनुदान**	
1.	डॉ. देवांगना देसाई	**50,000**
H.	**जयंत और देवांगना देसाई फैलोशिप निधी निर्माण के लिए अनुदान**	**10,00,000**
I.	**सामान्य दाता**	
1.	पुन्शी नारायण देवी विद्यावती चैरिटेबल ट्रस्ट	**5,00,000**
2.	श्री. मंजू मेहरा	**1,25,000**
3.	पी.प्रोडक्शन	**40,000**
4.	सेंटर फॉर स्टडी ऑफ़ सायन्स एन्ड सेक्युलरिजम	**15,000**
5.	रोटरीक्लब ऑफ़ बॉम्बे	**2,10,000**
6.	श्री. सी. जी. चांदोरकर	**5,000**
7.	चंद्रमोहन फ़ौंडेशन	**15,000**
8.	प्रा. जे.व्ही.नाइक	**10,000**
9.	सारस्वत को. ऑप. बैंक लिमिटेड	**12,000**
10.	श्री. सायरस गुझदेर	**2,00,000**
11.	अनंत ऐस्पन	**15,000**

12.	शमा झैदी	270
13.	संयुक्त डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, मुंबई सिटी	15,000
14.	क्षीरसागर आपटे फ़ौंडेशन	25,000
15.	डॉ. ए. के. जोशी(किताबों की खरीदारी के लिए)	1,00,000
		12,87,270
K.	**किताबें गोद लें योजना दान**	
1.	द बॉम्बे इंग्लिश असोसिएशन	1,25,019
2.	रोटरीक्लब ऑफ़ बॉम्बे चैरिटी ट्रस्ट 3	4,00,000
3.	श्रीम. परवीझ कूपर	1,50,000
		6,75,019

* * * * * * * *

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
दिनांक ३१/०३/२०१८ को निवेश सारांश
(विवरण- अनुसूची क्र. १६)

अनुक्रम	31/03/2018 के अनुसार	निवेश	३१/०३/२०१९ के अनुसार
1.	13,39,20,000	भारत सरकार ८% बचत बांड(कराधीन)	13, 39,20,000
२.	1,87,20,101	भारतीय स्टेट बैंक में सावधी जमाराशी	2,65,27,605
३.	4,30,000	नैशनल हाउसिंग बैंक में सावधी जमाराशी	4,30,000
४.	12,90,000	बैंक ऑफ़ महाराष्ट्र में सावधी राशी	10,00,000
५.	10,29,537	आयसीआयसी बैंक में क्वांटम ऑप्टिमा जमाराशी	4,47,546
६.	10,00,000	सारस्वत को. ऑप. बैंक के साथ जमाराशी	10,00,000
	15,63,89,638	**कुल राशि**	**16,33,25,151**

* * * * * * * *

मुंबई सार्वजनिक न्यास अधिनियम, १९५०
सार्वजनिक न्यास का नाम:- द एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई.
आय-व्यय वृद्धि अभिलेख- वार विवरण
पंजीकरणक्र.– E -१०२०(मुंबई)

	वर्ष की समाप्ति										
		31/3/2010	31/3/2011	31/3/2012	31/3/2013	31/3/2014	31/3/2015	31/3/2016	31/3/2017	31/3/2018	31/3/2019
		Rs	Rs	Rs	Rs	Rs	Rs				
	आय										
1	व्याज और लाभांश	39,11,933	35,29,229	38,19,807	37,22,158	52,26,935	54,07,605	63,39,490	94,78,007	92,42,019	92,17,143
2	अन्य स्त्रोतोंसे आय	1,13,90,153	1,83,14,945	84,10,987	11,15,65,522	1,13,75,556	1,36,89,903	1,89,41,333	1,02,65,748	1,31,89,515	1,66,64,744
3	एएसएम पत्रिका अंतिम स्टाक	11,217	10,848	10,549	10,585	10,572	435	401	454	429	349
4	पाण्डुलिपिओंका अंतिम स्टाक	-	-	-	64,865	61,916	53,978	51,483	51,030	49,896	48,129
5	एएसएम डीवीडी का अंतिम स्टाक					61,653	58,272	53,499	51,709	49,720	49,896
6	काने संगोष्ठी कार्यवाहीका अंतिम स्टाक					72,600	72,600	72,300	71,700	71,400	71,100
		1,52,32, 303	2,18,55,022	1,22,41, 343	1,53,63,330	1,68,09,232	1,92,82,793	2,54,58,506	1,99,18,641	2,26,02,979	2,60,51,361
7	आय की तुलना में व्यय का आधिक्य	-	-	37,58,439	7,19,634	-	-	-	-	-	-
	कुल राशी	**1,52,32, 303**	**2,18,55,022**	**1,59,99,782**	**1,60,82,964**	**1,68,09,232**	**1,92,82,793**	**2,54,58,506**	**1,99,18,641**	**2,26,02,979**	**2,60,51,361**
	व्यय										
1	स्थापना व्यय										
	वेतन और मजूरी	30,78,822	35,86,017	45,28,951	41,70,790	44,94,981	50,25,071	50,26,337	60,38,228	56,04.002	51,99,183
2	सामान्य व्यय	10,60,167	15,30,586	18,25,549	24,97, 415	20,24,845	18,64,631	29,25,134	34,25,251	30,15,578	41,64,491
3	न्यास की वस्तुओंपर हुआ व्यय	42,16,441	81,91,862	72,03,399	67,53,273	58,87,163	67,25,909	81,29,696	79,36,013	73,99,012	80,09,738
4	एएसएम पत्रिकाओं का प्रारंभिक स्टाक	12,275	11,217	10,848	10,549	10,585	10,572	435	401	454	429
5	पाण्डुलिपि सूचीपत्र प्रारंभिक स्टाक					64,865	61,916	53,978	51,483	51,030	49,896
6	एएसएम शोधपत्रिका/डीवीडी प्रारंभिक स्टाक						61,653	58,272	53,499	51,709	49,720
7	काने संगोष्ठी की रकमों का प्रारम्भिक स्टाक						72,600	72,600	72,300	71,700	71,400
8	मूल्य ऱ्हास	18,10,382	22,12,139	24,31035	26,50,937	29,61,634	33,81,356	37,59,303	41,16,455	38,71,850	42,83,656
	कुल राशी	1,01,78,087	1,55,31,821	1,59,99,782	1,60,82.964	1,54,44,073	1,72,03,708	2,00,25,755	2,16,93,630	2,00,65,335	2,18,28,513
9	व्यय की तुलना में आय का अधिक्य	50,54,216	63,23,201	-	-	13,65,159	20,79,085	54,32,751	(17,34,982)	25,37,644	42,22,848
10	घट: एएसएम विकासनिधि को हस्तांतरण	30,00,000	30,00,000	-	-	5,00,000	10,00,000	30,00,000	-	20,00,000	40,00,000
11	आय और व्यय खाते में शेष राशी का हस्तांतरण	20,54,216	33,23,201	-	-	8,65,159	10,79,085	24,32,751	-	5,37,644	2,22,848

द एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
पंजीकरण क्र. E-1020(मुंबई)

प्रतिवेदन

हमने यहाँ संलग्न, एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई की वित्तविवरण पत्रिका तथा आय-व्यय खातोंके 31 मार्च2019 के स्थिति का बैंक के पुस्तक तथा व्हाउचरों सहित लेखापरीक्षण किया है, और हम ये प्रतिवेदित करते है:

a) लेखों का रखाव नियमित रूपसे तथा सार्वजनिक न्यास अधिनियम1950 कीनियमानुसार रखा गया है|

b) सभी प्राप्तियाँ औरसंवितरणों कोखातें में सही तरह से दर्शाया गया है|

c) खातें में दर्शाई गयीशेष राशी सही पायी गयी है| बैंक अधिकारी द्वारा प्राप्त प्रमाणपत्र के साथ जाँचा गया है|

d) हमें अपेक्षित होनेवाली सभी पुस्तिकाएँ, दस्तावेज, खाता, व्हाऊचर्स, अन्य कागजाद और रिकार्ड हमारे सामने प्रस्तुत की गयी थी|

E) न्यास की चल सम्पत्ती की सूची के बारे में, मा. सचिव ने दिनांक 09 अगस्त 2019कोहस्ताक्षरांकित किए प्रमाणपत्रकोवैधमान लें|

f) न्यास के व्यवस्थापक तथा विश्वस्तऔरअन्य सदस्य जिनका हमारे सामने प्रस्तुत होना अपेक्षित था, उन्होंने आ कर हमें आवश्यक सभी जानकारी दे दी|

g) न्यास के उद्देश्य या ध्येय के अलावा अन्य किसी ध्येय या उद्देश्य के लिए न्यास की संपत्ति तथा निधि का इस्तेमाल नहीं किया गया है|

h) मरम्मत और निर्माण के बड़े व्ययों के लिए कोटेशनमँगाए गए थे|

I) न्यासकेधना का कोई भी हिस्सा अधिनियमकी धारा35 के उपबन्ध के बाहर जा कर निवेशित नहीं किया गया है|

j) कोई अचल संपत्ति का हस्तांतरण अधिनियम की धारा 36 के उपबन्ध के बाहर जा कर नहीं हुआ है|

2. a) न्यास से सम्बंधित रकमें, अन्य संपत्ति काअनियमित, गैरकानूनी या अनावश्यक व्यय तथा धन या अन्यसंपत्ति की पुनर्प्राप्ति में विफलताया चूक के कोई मामले नहीं है|

b) नियम16(A) के तहत उपलब्ध प्रपत्र में अर्थ विवरण फ़ाइल किया गया है|

3. a) न्यास के संविधान के अनुसार विश्वस्तों की न्यूनतम संख्या बनाई रखी है|

b) वर्ष में नियोजित के जाने वाली बैठकों के संख्या संविधान में निर्धारितनहीं है| तथा पिलेखापरिक्षण के अधीन वर्ष में कुल 11 बैठकें की गयी|

c) बैठकों के कार्यवाही का वृत्त नियमित रखा जाता है|

d) न्यास के निवेशों में किसी विश्वस्त का कोई हित नहीं है|

e) कोई विश्वस्त न्यास का देयदार अथवा लेनदार नहीं है|

f) पिछले साल के खाते में हमने कोई अनिश्चितता नहीं पायी है, अत: उनके अनुपालन का प्रश्न नहीं उठता|

मुंबई
09/08/2019

श्री. वीरेन्द्रबी. शहा **श्री. ए. डी. भोरकर**
सनदी लेखाकार

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई की चल संपत्तियों का प्रमाणपत्र

दिनांक: 26/07/2018

यहाँ प्रमाणित किया जाता है की,(डॉ. ए. पी. जामखेडकर, मुद्राशास्त्रज्ञ तथा तत्कालीन उपाध्यक्ष, द्वारा दिनांक 20 अप्रैल 2011 को दिए प्रतिवेदन के अनुसार) सोसायटी के सिक्कों की जाँच की गयी है, और यह पाया गया है,

रजिस्टरों के अनुसार सभी सिक्के मौजूद है|

पाण्डुलिपि के बारे में – पाण्डुलिपियों की कुल संख्या 2,847 है, और293 मुद्रित पोथियाँ है| सभी पाण्डुलिपि तथा पोथियों की विस्तृत सूची, एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई- पाण्डुलिपि तथा पोथियों की सूची(2012तक अद्यतन)में उपलब्ध है|

छत्रपति शिवाजी महाराज वास्तु संग्रहालय (पूर्व प्रिन्स ऑफ़ वेल्स म्यूजियम) ने संग्रहालय को उधार दी गई प्राचीन कला कृतियों का सत्यापन किया है| अपेक्षित प्रमाणपत्र बाद में भेजा जाएगा|

व्हिस्पी बालापोरिया
मानद सचिव

* * * * * * * *

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
बजेट अंदाज 2018 -19(जानकारी के लिए)

व्यय/भुगतान	पिछलेसाल की राशी 2017-2018	"२०१८-१९ साल का बजट"
1 स्थापना व्यय		
कार्यालयीन वेतन	47,76,908	48,49,000
1. भविष्य निधि योगदान	3,09,975	6,48,000
2. सामूहिक बीमा	54,300	72,000
3. समारोह भत्ता	58,000	58,000
स्थापना व्यय कुल राशी 1	**51,99183**	**56,27,000**
1) सामान्य व्यय	1,94,498	1,60,000
स्टेशनरी	3,10,233	35,00,000
2) छपाई	27,694	25,000
3) डाक	80,905	50,000
4) वाहतूक भत्ता	1,05,103	3,50,000
5) दूरध्वनी	7,50,475	8,50,000
6) बिजली	17,65,941	8,00,000
7) रक्षण और मरम्मत	33,000	33,000
8) लेखा परीक्षक मानधन	84,662	40,000
9) कानूनी शुल्क	5,700	75,000
10) कर्मचारिओं के गणवेश	35,490	30,000
11) धुलाई शुल्क	77,176	1,00,000
12) जिल्द सामग्री	14,750	15,000
13) सेफ डिपॉजीट लॉकर किराया	16,179	15,000
14) बैंकशुल्क	6,62,673	5,00,000
15) विविध व्यय	12	12
16) भूतल(तहखाना) किराया		
सामान्य व्यय कुल राशी 2	**41,64,491**	**31,63,012**
A) ए.एस.एम के अंतर्गत निधि से		
1. ए.एस.एम शोध पत्रिका मुद्रण	1,08,017	1,00,000
2. डॉ. पी. व्ही. काने संस्था संगोष्ठी/ व्याख्यान	27,957	75,000
3. निदेशक,डॉ. पी.व्ही. काने संस्था, मानदेय	1,50,000	1,50,000
4. एएसएम फैलोशिप	52,300	50,000
5. सांस्कृतिक कार्यकलाप	52,591	1,00,000
एएसएम केअंतर्गत निधि से	**3,90,865**	**4,75,000**

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
बजेट अंदाज 2018 -19(जानकारी के लिए)

भारत सरकार से प्राप्त योजना अनुदान	पिछलेसाल की राशी 2017-2018	"२०१८-१९ साल का बजट"
1. नियतकालिकों काक्रय और संस्करण	7,11,580	7,00,000
2. वेतन , नियतकालिकों क्रय और संस्करण	25,70,665	29,70,000
3. मुंबई संशोधन केंद्र	-	1,00,000
4. सोसायटी के पास मौजूद सिक्कों की हस्तपुस्तिका	-	50,000
5. एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई के संस्थापक और अभिभावक	1,65,469	1,00,000
6. हस्तलेखों का समालोचनात्मक संपादन और अनुवाद व्यय	29,719	2,50,000
7. सूचनाप्रौद्योगिकीकरणउन्नयन.	35,400	80,000
8. कार्यालयीन सामग्री का उन्नयन	-	3,00,000
9. ग्रंथालय विकसन	-	1,75,000
10. फैलोशिप प्रदान समारोह	1,50,761	1,50,000
11. प्राचीन भारतीय संस्कृति प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम व्यय	1,35,233	1,20,000
12. साहित्यिक उत्सव	-	25,000
13. एएसएम ग्रंथालय क्लब	39,651	50,000
14. किताबोंका पुनर्संवर्धन(पायलट प्रोजेक्ट)	3.28,307	-
संस्था का कुल प्रयोजन(योजना अनुदान)	**41,66,785**	**50,70,000**
4) स्थायी आस्तिओं पर मूल्यर्हास	**42,83,656**	**42,59,000**
5) आकस्मिक हेतु प्रावधान	**-**	**5,00,000**
6) निधि और अनुदान से किताबें खरीद और संस्करण	**54,11,155**	**58,70,000**
7) मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला सम्बन्धी व्यय		
1. मायक्रोफिल्मिंग प्रयोगशाला कर्मचारी वेतन	**29,46,532**	**33,00,000**
मायक्रो फिल्मिंग प्रयोगशाला कुल व्यय	**29,46,532**	**33,00,000**
8) संवर्धन प्रयोगशाला सम्बन्धी व्यय		
1. संवर्धन प्रयोगशाला कर्मचारी वेतन	**33,69,505**	**40,30,000**
2. संवर्धन प्रयोगशाला रसायन	**82,583**	**50,000**
संवर्धन प्रयोगशालाकुल व्यय	**34,52,088**	**40,80,000**
कुल विनियोग राशी(1+2+3+4+5+6+7+8)	**3,00,14,755**	**3,23,44,012**

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
बजेट अंदाज 2018 -19 (जानकारी के लिए)

आय	पिछलेसाल की राशी 2018-2019	"2019-20 का बजट"
1) ब्याज और लाभांश	82,20,762	81,46,000
a. सावधि जमा राशी/बांड(कायिक निधि) ब्याज	8,21,399	7,41,740
b. आरक्षी निधि(यूनिटें/बांड) ब्याज	1,74,982	1,00,000
c. बचत खाता ब्याज	3,40,630	2,24,000
d. द्विशती अधिशेषपर ब्याज	1,11,141	50,000
e. अन्यनिवेशों पर ब्याज		
कुल ब्याज और लाभांश	**96,68,914**	**92,61,740**
2) अन्यस्रोतों से आय		
निम्नलिखित अभिदान:		
a. निवासी सदस्य शुल्क	1,93,000	1,50,000
b. अनिवासी सदस्य शुल्क	3,802	2,500
c. भारतीय विद्यार्थी सदस्य शुल्क	6,618	6,000
d. ग्रन्थ संजीवनी सदस्यता	2,30,177	1,20,000
e. सदस्यताशुल्क बकाया	-	15,000
f. रीडर सदस्य शुल्क	43,175	30,000
g. अस्थायी सदस्यता	27,025	25,000
h. सदस्यता कार्ड	2,010	1,300
i. सदस्यताप्रपत्र/ जेरॉक्स	8,189	8,600
j. किताब विलम्ब वापसी जुर्माना	58,038	50,000
k. शोधपत्रिका विक्रय	30,530	40,000
l. विविध आय	1,02,860	80,000
m. सामान्यदान	12,87,270	1,00,000
n. केंद्रसरकार अनुदान	1,25,00,000	1,81,50,000
o. स्क्रैप विक्रय	60,000	50,000
p. मुंबई महानगरपालिका से प्राप्त सहायता अनुदान	20,00,000	20,00,000
q. प्राचीन भारतीय संस्कृति प्रमाणपत्र अभ्यासक्रम हेतु शुल्क	1,12,000	1,15,500
अन्य आय स्रोतों की कुल राशी	**1,66,64,744**	**2,09,43,900**
कुलआय राशी(1+2)	**2,63,33,658**	**3,02,05,640**
घाटा	**(36,81,097)**	**(21,38,372)**
कुल राशी	**3,00,14,755**	**3,23,44,012**

द एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई
जाँच समिति 2017-2018
सदस्यता अर्जों की जाँच करने हेतु (AGM द्वारा चुने गए)

1. श्री. बलदेवजी.चावला- अध्यक्ष
2. श्री. प्रसाद अकोलकर- संयोजक
3. श्रीम. ममताकानडे
4. डॉ. कुमुद कानिटकर
5. श्रीम. प्राची मोघे
6. श्रीम. ज्योत्स्ना पटवर्धन
7. डॉ. उषा विजयलक्ष्मी

अन्य विविध उपसमिति सदस्यों की सूची (2018-2019)

I. वित्त और प्रकल्प समिति

1. श्री. एस. जी. काले - अध्यक्ष
2. श्री. अनिल नेवालकर -मा. वित्त सचिव
3. श्री. अरविन्द सोनावले - मा. सह वित्त सचिव
4. श्रीम. माधवीजी. कामत -मा.सह वित्त सचिव
5. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया मा. सचिव
6. श्रीम. सुषमा वी. दाबक- सदस्य
7. श्री. मुरलीआर. सदस्य

II. पूर्व आधुनिककिताबें चुनाव समिति

1. श्रीम. संजीवनी खेर (उपाध्यक्षा)- अध्यक्षा
2. श्री. विठ्ठल नाडकरणी
3. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया(मा. सचिव)-पदसिद्ध
4. श्री. रुसी दारूवाला
5. डॉ. देवांगनादेसाई
6. श्रीम. रेणू पारेख- संयोजिका
7. श्रीम. मीता राजीवलोचन
8. श्री.योगेश शाह
9. श्री. महेश कालरा
10. डॉ. मंजिरी ठाकुर

III. आधुनिक किताबें चुनाव समिति :

1. प्रा. मंगला सरदेशपांडे(उपाध्यक्षा)-अध्यक्षा
2. श्रीम. सुषमा दाबक(संयोजिका)
3. डॉ. आनंद जोशी
4. श्री. हरिदास के.
5. श्री. दिगंबरकाम्बले
6. प्रा. मीनल क्षीरसागर
7. श्री. विठ्ठल नाडकर्णी
8. डॉ. शेहेरनाझ नलवाला
9. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया- मा. सचिव(पदसिद्ध)
10. श्रीम. हुमेरा अहमद
11. श्री. रुसी दारूवाला
12. विद्याधर दाते
13. डॉ. विजया गुपचूप
14. . विजय के. गुप्ता
15. डॉ. लीला बी. जोईस
16. श्री. आर. आर. कुलकर्णी
17. Ad. ह्रदय नारायण
18. डॉ. चैत्रा रेडकर
19. रिचर्ड रेमेदिओस
20. श्री. वाय. सी. ठक्कर
21. डॉ. विद्या वेंकटेशन
22. डॉ. जास्वंदी वांबुरकर

VI. नियतकालिक समिति

1.श्री. योगेश कामदार (उपाध्यक्ष) अध्यक्ष
2.श्री. हरिदास के
3. श्री. विठ्ठल नाडकर्णी(20/10/2018 से प्रभावित)
4. डॉ. वर्षा शिरगावकर(20/10/2018 सेप्रभावित)
5. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया मा सचिव-पदसिद्ध
6. श्री. वीरकुमार दोशी
7. श्री. के. के. मिश्रा- संयोजक
8. श्रीम. पुतुलसाठे

V. पुण्यार्थ व्याख्यान समिति:

1. श्रीम. सुषमाव्ही. दाबक अध्यक्षा
2. प्रा. मीनल क्षीरसागर
3. डॉ. शहरनाझ नलवल्ला
4. श्री. रशीद वाडिया
5. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया(मा. सचिव) पदसिद्ध
6. ॲड. ए. व्ही. गोपालकृष्णन- संयोजक
7. डॉ. मधू केलकर
8. श्री.के. गणेश कुमार
9. श्री. देवदत्त मालशे (1/10/2018सहयोजित)
10. श्री. विनायकपरब

VI. महामहोपाध्याय डॉ. पी. व्ही. काणे पदव्युत्तर अभ्यास तथा संशोधन संस्था समिति:

1. डॉ. ए. पी. जामखेडकर- अध्यक्ष
2. डॉ. परिणिता देशपांडे
3. श्रीम. सुषमा दाबक
4. डॉ. गीता कस्तुरी
5. डॉ. सूरज पंडित
6. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया(मा. सचिव) पदसिद्ध
7. डॉ. शकुंतला गावडे
8. श्रीम. करुणा जाधव
9. डॉ. अंबरीश खरे
10. डॉ.प्राची मोघे
11. डॉ. रुपाली मोकाशी
12. डॉ. माधवी नरसाले
13. डॉ. अरुणचन्द्र एस. पाठक
14. श्रीम. वृषाली पोतनीस-दामले
15. श्री. योगेश शाह
16. डॉ. जास्वंदी वांबुरकर

VII. संशोधन, फेलोशिप तथा पदक समिति:

1. प्रा. मंगला सरदेशपांडे (उपाध्यक्षा)- अध्यक्षा
2. डॉ. मीना वैशंपायन-उपाध्यक्षा
3. डॉ. कुरुष दलाल
4. श्रीम. सुषमा दाबक
5. डॉ. परिणिता देशपांडे
6. डॉ. गीता कस्तुरी
7. प्रा. मीनल क्षीरसागर (9/10/2018 सहयोजित)
8. डॉ. सूरज पंडित
9. डॉ. वर्षा शिरगवाकर
10. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया (मा. सचिव) पदसिद्ध
11. डॉ. विजया गुपचूप
12. डॉ. प्राची मोघे
13. डॉ. मंजिरी ठाकुर
14. डॉ. मनीषा टिकेकर (9/10/2018सहयोजित)
15. डॉ. उषा विजयलक्ष्मी

VIII. शोधपत्रिका समिति :

1. डॉ. ए. पी. जामखेडकर- अध्यक्ष
2. डॉ. कुरुष दलाल (संयोजक)
3. डॉ. परिणिता देशपांडे- (4/12/2018सहयोजित)
4. डॉ. सूरज पंडित
5. डॉ. शिरीन रत्नागर
6. डॉ. अम्बरीष खरे

IX. ए. एस. एम. साहित्यिक क्लब:

1. श्रीम. संजीवनी खेर- अध्यक्षा
2. प्रा. मंगला सरदेशपांडे (उपाध्यक्षा)
3. श्रीम. सुषमा दाबक
4. डॉ. कुरुष दलाल
5. प्रा. मीनल क्षीरसागर (संयोजिका)
6. श्री. विठाल नाडकरणी
7. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया (मा. सचिव) पदसिद्ध
8. श्रीम. हुमेरा अहमद
9. डॉ. हेमांगी भागवत
10. डॉ. विजया गुपचूप
11. श्री. के.के. मिश्रा

X. मुंबई संशोधन केंद्र:

1. श्री. योगेश कामदार- अध्यक्ष
2. डॉ. कुरुष दलाल- संयोजिका
3. श्री. सुरेन्द्र कुलकर्णी
4. डॉ. शेहेरनाझ नलवाला
5. डॉ. सूरज पंडित
6. डॉ. मीना वैशंपायन (पदासिद्धा-डॉ. TC एन्डAS)
7. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया (मा. सचिव) पदसिद्ध
8. श्रीम. हुमेरा अहमद
9. डॉ. रविन्द्र चीमा
10. श्रीम. झैबुन्निसा झरीवाला
11. श्री. वीरकुमारदोशी
12. डॉ. मधू केलकर
13. श्री. एच. जे. मैर
14. श्री. विनायक परब
15. श्रीम. रेणू पारेख
16. श्रीम. वृषाली पोतनीस-दामले
17. डॉ. हेमाली संघवी
18. श्रीम. योगेशशहा

XI. कर्मचारी कल्याण समिति :

1. श्री. एस. जी. काले(अध्यक्ष)- अध्यक्ष
2. श्री. अनिल नेवालकर- मा. वित्त सचिव
3. श्री. अरविन्द सोनावले- मा. सह वित्त सचिव
4. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया (मा. सचिव) पदसिद्ध
5. डॉ. वर्षा शिरगावकर

कर्मचारी कल्याण समिति – कर्मचारी प्रतिनिधि:

1. श्री. सुनील एम. भिरुड- संयोजक
2. श्री. सुनील खेमकर
3. श्री. शंकरठोम्बरे
4. श्री. भालचन्द्र पाटील
5. श्री. प्रकाश रेड्डी- (अध्यक्ष-ASMEU)-(निमंत्रित)

अन्य समितियाँ :

A. प्रकाशन समिति

1. डॉ. मीरा वैशंपायन (उपाध्यक्षा)- अध्यक्षा
2. श्री. के. के. मिश्रा
3. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया(मा. सचिव) पदसिद्ध
4. श्री. मुरली आर.
5. श्री. प्रदीप चंपानेरकर

B. डॉ. अरुण टिकेकर आधुनिक अभ्यास केंद्र

1. डॉ. मीरा वैशंपायन (उपाध्यक्षा)- अध्यक्षा
2. प्रा. मंगला सरदेशपांडे (उपाध्यक्षा)
3. श्री. योगेश कामदार(उपाध्यक्ष)- पदसिद्ध अध्यक्ष, मुंबई संशोधन केंद्र.
4. श्रीम. माधवी जी. कामत- संयोजिका
5. डॉ. शहरनाझ नलवाला
6. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया (मा. सचिव) पदसिद्ध
7. श्री. प्रदीप चंपानेरकर
8. श्री. विलास ढवले
9. श्रीम. स्मृती कोप्पीकर
10. श्री. आनंदलिमये

C.कर्मचारी मामलों की उपसमिति:

1. प्रा. मंगला सरदेशपांडे (उपाध्यक्षा)- अध्यक्षा
2. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया(मा. सचिव)-
3. श्री. अनिल नेवालकर(मा. वित्त सचिव)
4. श्री. ए. व्ही. सोनावले.(मा. सह वित्त सचिव)
5. श्रीम. माधवी जी. कामत(मा. सह वित्त सचिव)
6. श्रीम. गीता कस्तुरी
7. श्री. एस.जी. काले(अध्यक्ष)- निमंत्रित
8. श्री. प्रकाश रेड्डी- (अध्यक्ष- ASMEU)

D. ग्रंथालय डिजीटायझेशन प्रकल्प समिति:

1. श्री. एस. जी. काले- अध्यक्ष
2. श्री. योगेश कामदार- उपाध्यक्ष
3. प्रा. व्हिस्पी बालापोरिया- मा. सचिव
4. श्री. अनिल नेवालकर- मा. वित्त सचिव
5. श्रीम. माधवी जी. कामत- मा. सह वित्त सचिव
6. श्री. मुरली आर. – सदस्य – प्रबंध समिति
7. डॉ. वर्षा शिरगावकर- सदस्य – प्रबंध समिति
8. डॉ. शेहेरनाझ नलवाला- सदस्य – प्रबंध समिति(15-11-2018से प्रभावित)
9. डॉ. माया अवसिया – ग्रंथपाल

निमंत्रित (क्षेत्रके 2 विशेषज्ञ):

10. श्री. अशोक कपूर, पूर्व प्रमुख अभिलेखाध्यक्ष, भारतीय रिज़र्व बैंक
11. श्री. राजेश दोशी, पूर्वकार्यकारी निदेशक, एन. एस. डी. एल.

अन्य निमंत्रित:

12. किशोर गुलगुले, संचालक- के. जी. एस. मायक्रोसिस्टम्स
13. श्री. परवेझ बांटावाला, के. जी. एस. मायक्रोसिस्टम्स
14. श्री. ए. जे. व्हिक्टर, पर्यवेक्षक- दुर्लभ किताबें
15. श्रीम. जयश्री पाझरे- उपग्रंथपाल

* * * * * * * *

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई कार्यालयीन कर्मचारीसदस्य:
लेखा और प्रशासन विभाग

श्री. चंद्रकांत जी. माने-	व्यवस्थापकतथा लेखा अधिकारी
श्री. नितिन पाटील,	व्यवस्थापन – लेखा सह अधिकारी
श्री. ड़ेंझील एक्स. पोन्तेस-	आशुलिपिक (मा. सचिव- स्वीय सहाय्यक
श्री. रोनाल्ड ए. डेनिन्झ-	वरिष्ठ क्लर्क

महामहोपाध्याय डॉ. पां. वा. काणे संशोधन केंद्र, शोधपत्रिका, प्रकाशनप्रेषण पदक, फेलोशिपतथा संशोधन प्रकल्प विभाग: श्री. विजय एस. रिकामे- कनिष्ठ क्लर्क

ग्रंथालय

डॉ. माया अवसिया (अनुबंध पर) – **ग्रंथपालिका**

श्रीम. जयश्री पाझरे (अनुबंध पर) **उपग्रंथपालिका**

श्रीम. प्रियांका पी. मेस्त्री- तांत्रिक सहायिका

श्रीम. कविता व्ही. मांजरेकर – तांत्रिक सहायिका

श्री. संयोगिता पी. मणेरीकर- तांत्रिक सहायिका

श्री. संतोषआर. देसाई- कनिष्ठ क्लर्क

श्री. भालचन्द्र व्ही. पाटील-कनिष्ठ क्लर्क

श्री. माधव डी. मोरे- वरिष्ठ सॉर्टर

श्री. गोविन्द एस. भगते- सॉर्टर

श्री. शंकर एस. पास्ते- सॉर्टर

श्री. प्रदीप एच. घेवड़े-सॉर्टर

श्री. कैलासके. गायकवाड- सॉर्टर

श्री. सुनील एस. खेमकर-सॉर्टर

जतनविभाग:

श्री. सुनील एम. भिरुद- प्रयोगशाला पर्यवेक्षक

जतन सहायक(अनुबंध पर)

श्री.शरद जाधव

श्री. रामचंद्र जाधव

मायक्रोफिल्मिंग विभाग:

श्री. शंकर जी. ठोम्बरे- मायक्रोफिल्मऑपरेटर

श्री. ए. जोसेफ व्हिक्टर- पर्यवेक्षक – दुर्लभ किताबें

जिल्दविभाग:

श्री. दीपक एल. नानिवड़ेकर- कनिष्ठ जिल्दसाज़

श्री. समीर पी. सालवी- कनिष्ठ जिल्दसाज़

हवालदारऔर& चपरासी:

श्री. किरण बी. खरात- हवालदार

श्री. विजय एम. लोंढे- हवालदार

श्री. पांडुरंग एस. नाडनकर- चपरासी

श्री. महेश वाय. भाताड़े- चपरासी

श्री. प्रशांत आर. पोळ- चपरासी

चौकीदार:

श्री. दिनकर एस. गायकवाड

श्री. कृष्णा जी. चिकणेश्री. शाम एस. सालुंखे

किताबें गोद लें योजना'

अब आप, इस योजना मेंसहभागी हो कर, सोसायटी के पास होनेवाली किताबों को जतन करने में आप का योगदान दे सकते है| इस योजना के अंतर्गत आप Rs.7,500/- का शुल्क दे कर, अपनी पसंद की किताब चुनकर उसका पुनर्संचयन और डिजिटायझेशन/माइक्रोफिल्मिंग करने में आपका योगदान दे सकते है, और इस प्रकार किसी दुर्लभ और मूल्यवान किताब, हस्तलेखया अन्य साहित्य प्रकार के जतन करने में हमारी सहाय्यता करा सकते है|

आपआपके, या परिवार के किसी अन्य व्यक्ति के जन्मदिवस पर, शादी की सालगिरह के दिन या अन्य किसी यादगार मौकेपर अपनी किताब चुन सकते है| आपके द्वारा चुने और जतन किए गए किताबपर आप ने दिए दान की अभिस्वीकृति स्वरुप, आप के नाम का एक लेबल लगाया जाएगा|

दिए गए सभी दान आय कर कानून के 80(G) सेक्शनके लाभ पात्र रहेंगे|

सभी चेक/ डिमांड ड्राफ्ट'एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई' के नाम से लिखें|

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई द्वारादान के लिए अपील

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई जैसीसंस्था के लिए पैसा एक साधन है| ज्ञान और संस्कृति के प्रति कुछ नेक उद्दिष्टों की पूर्ति का साधन|अपने दान के माध्यम से आप उन नेक उद्दिष्टों को सफल करने में हमारा साथ दे सकते है| आपके दान का विनियोग,नईनियतकालिक या किताबें ख़रीदना, ग्रंथालय की सुविधाओंका नूतनीकरण, किताबों. को जतन करना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, प्रकाशन, संस्था के अन्य प्रकल्प, कर्मचारी कल्याण अथवा संस्था के कायम निधि के स्वरुप में किया जाएगा|

आप, नगद या एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई के नाम पर लिखे क्रॉस्ड चेक अथवा डिमांड ड्राफ्ट द्वारा आपका यथाशक्ति और उदार योगदान दे सकते है|

ए.एस.एम. पत्रिकाके डिविडी का संच

साल 2013-2014 मेंसंस्था ने Rs.700/- में ख़रीदा हुआ ए. एस. एम. पत्रिका के डीवीडी Vol. 1 to Vol. 26 (पुरानी सीरिज) और Vol. 1 to Vol. 85 (नई सीरिज) का संच उपलब्ध है, जो ग्रंथालय में भुगतान के बाद पढ़ा या घर ले जाया सकता है| पत्रिका के खंडों के बारे में पूछताछ श्री. विजय रिकामे-प्रमुख, पत्रिका विभाग, के पास की जा सकती है|

सोसायटी के प्रकाशन

एशियाटिकसोसायटी ऑफ़ मुंबई द्वारा संग्रहित संस्कृत तथा प्राकृत हस्तलेखों की विवरणात्मक सूची एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई के संग्रह में संस्कृत तथा प्राकृत भाषा के कुछ हस्तलेख है| इन हस्तलेखों की प्रा. एच.डी. वेलनकर- प्रख्यात संस्कृत अभ्यासक द्वारा संकलित यहविवरणात्मक सूची(दूसरा संस्करण, 1998)चार वर्गों में वर्गीकृत है|

1. तांत्रिक साहित्य – भाषाशास्त्र, साहित्यशास्त्र ,(छंदशास्त्र , अलंकारशास्त्र), वैद्यकशास्त्र, खगोलशास्त्र और ज्योतिष, वास्तुशास्त्र
2. हिन्दू(ब्राह्मणी) साहित्य- वेद, वैदिक धर्मशास्त्र, तंत्र, पुराण, तत्वज्ञान, काव्य, स्तोत्र|
3. जैन साहित्य- आगम, तत्वज्ञान, आख्यान और कविताएँ, स्तोत्र|
4. स्थानिक साहित्य – गुजराथी और हिंदी साहित्य (जैनऔर जैनेतर) मराठी, बौद्ध हस्तलेखों का परिशिष्ट

डॉ. व्ही. एम. कुलकर्णी और डॉ. श्रीम. देवांगना देसाई की प्रस्तावना सहित इस संस्करण में एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई द्वारा संग्रहित कुछ चुनिंदा हस्तलेखों के रंगीन चित्र भी समाविष्ट किए गए है|

पृष्ठXVI+500, 18 रंगीन छायाचित्र

रु.1,200/- / US $ 70डाक मूल्य सहित

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई के प्रबंध

1. बुद्धघोष, डॉ. बी. सी. लाव, 1946- RS 60.00
2. सम जैन क्रोनिकल सूत्राज, डॉ. बी. सी. लाव, 1999- RS.150.00
3. ॲन इलुस्ट्रेटेड आरण्यक पर्वन इनद एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ बॉम्बे, बाय श्री कार्ल खंडालवाला और डॉ. मोती चंद्रा, 1974- RS. 300.00
4. कविन्द्र- कल्पद्रुम ऑफ़ कविन्द्र सरस्वती, प्रा. आर.बी. आठवले द्वारा संकलित, 1981- Rs. 200.00
5. जेम्स डार्मस्टेटर रिमेम्बर्ड, संकलक- प्रा. जी. लिझार्ड और डॉ. सी. आर. सरदेसाई, 1994- Rs. 300.00
6. ऑन द मीनिंग ऑफ़ महाभारत, डॉ. व्ही.एस.सुखठनकर, दूसरा संकलन, 1998- Rs. 150.00

सोसायटी के कुछ उपलब्ध विक्रियोग्य प्रकाशन

1. री-विजनिंग मुंबई, कन्सिविंग मैनिफेस्टो फॉर सस्टेनेबल डेव्हलपमेंट- मुंबई सम्मलेन में शोधपत्र प्रस्तुतिकरणोंका संग्रह, विमल शाह और पंकज जोशी द्वारा संपादित, प्रकाशन-2010, मूल्य- 750.00/-
2. कैटलॉग ऑफ़ मैन्युस्क्रिप्ट्स एन्ड प्रिंटेडपोथीज ॲट एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई, (2012 तक अपडेटेड), डॉ. मीना वैशम्पायन द्वारा संकलित, प्रकाशन 2012 मूल्य:- 300.00
3. संस्कृत एन्ड इट्स रिलेशन विथ इंडियन लैंग्वेजेस(प्रोसिडिंग्ज ऑफ़ डॉ. काणे सेमिनार, अप्रैल 2007, डॉ. एम. आर. कोल्हटकर द्वारा सम्पादित, प्रकाशन-2012 मूल्य- 300.00/-
   उपर्युक्त दो प्रकाशनसोसायटी सदस्य तथा संशोधन संस्थाओं के सदस्यों के लिए 20% कीछूट(240.00/-) पर विक्रय के लिए उपलब्ध है|
4. ट्रैव्हल्स ऑफ़ 1857, विष्णुभटजी गोडसे लिखित 'माझा प्रवास' किताब का अनुवाद, सुखमणि रॉय द्वाराअनुवादित औरसंपादित, प्रकाशन-2012 मूल्य-495/-
5. सर जॉर्ज बर्डवूड, दप्रमोटर ऑफ़ गुडविल बिटविन द ईस्ट एन्ड द वेस्ट, डॉ. विजय गुपचुप, प्रकाशन-2014, मूल्य- 750.00/-
6. महिकावतीची बखर: अ हिस्ट्री ऑफ़ मुंबई-साष्टी-ठाणे ड्यूरिंग मिडएव्हिल पिरीअड, अशोक परशुराम सावे, प्रकाशन -2014, मूल्य-550/-
7. कोलोक्विज ऑन द सिम्पल्स एन्ड ड्रग्ज ऑफ़ इंडिया, ग्राशियादा ओर्टा(पुनर्प्रकाशित आवृत्ति) मूल्य- 500/-
8. द कलेक्टेड वर्क ऑफ़ जे. वी. नाईक, संपादन और उपोद्घात – मुरली रंगनाथन, मूल्य-750/-
9. अ कम्पैरिटीव क्रिटिकल स्टडी ऑफ़ महावस्तू आवदान एन्ड पाली जातकज, डॉ. मीना वी. तालीम, मूल्य-550/-

एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुंबई के शोधपत्रिका के वर्तमान अंक

सोसायटी शोधपत्रिका खंड- 88/2014-15 डॉ. ए.पी. जामखेडकर,डॉ. इंदिरा अय्यर और डॉ. अम्बरीश खरे द्वारा संपादित, प्रकाशन- जुलाई 2018, मूल्य- 550/- विदेशी ग्राहकों के लिए डाकशुल्क सहित मूल्य- US$55

सोसायटी सदस्यों के लिए 30% छूट के साथ उपलब्ध |

सभी चेक तथा डिमांड ड्राफ्ट **एशियाटिक सोसायटी ऑफ़ मुम्बई** के नाम से देय होने चाहिए|

एशियाटिक सोसायटी के संस्थापक तथा अभिभावकों पर लिखे गए प्रबंध(Rs. 125/-)

2014 में प्रकाशित

1. एडवर्ड मूर- डॉ. मृदुला रामन्ना
2. जॉन फेथफुल फ्लीट- डॉ. लीला बी. जोईस मेहता और डॉ. पूर्णिमा श्रीकृष्णा
3. सर जॉर्ज बर्डवूड- डॉ. विजय गुपचूप
4. अलेक्झांडर किनलोक फोर्ब्स- डॉ. दीपक मेहता
5. द जर्व्हिस ब्रदर्स- जॉर्ज रिस्टो जेर्व्हिस ॲण्ड थॉमस बेस्ट जर्व्हिस- प्रा. जे. व्ही.नाईक और डॉ. प्रभा रवि शंकर

2015 में प्रकाशित

6. सर जेम्स मॅकिनटो (1765-1832) संस्थापक, लिटररी सोसायटी ऑफ़ बॉम्बे(1804)- श्रीम. मृणाल कुलकर्णी
7. विल्यम एर्स्किन(1773-1852) सेक्रेटरी –सोसायटी, बायडॉ. उषा आर. विजयालक्ष्मी ऑफ़ बॉम्बे लिटररी सोसायटी- डॉ. उषाठक्कर
8. रेव्ह. पी. अंडरसन(1816-1857), द ऑथर ऑफ़ द इंग-लिश इन वेस्टर्न इंडिया- डॉ. लुईझा रोड्रिग्ज
9. डब्ल्यू. ई. फ्रेरे(1811-1880) रॉयल एशियाटिक सोसायटी(BBRAS) और बॉम्बे जिओग्राफिकल सोसायटी, मुंबई शाखा अध्यक्ष- डॉ. उषा आर. विजयालक्ष्मी
10. डॉ. जॉर्ज ब्यूलर(1837-1898) फिलॉलॉजिस्ट ऑफ़ ॲन एपिग्राफिस्ट- श्रीम. वैशाली करमरकर

2016 में प्रकाशित

11 डॉ. जॉर्ज ब्युईस्ट(1805-1860)- डॉ. अरुणटिकेकर

12. विल्यम हेन्री साइक्स(1790- 1872) डॉ. सोनाली पेडनेकर

13. पीटर पीटरसन(1847-1899) डॉ. नम्रता गन्नेरी

2017 में प्रकाशित

14. हेन्री जॉन कार्टर(1813-1895) – रविंदर कौर चिमा

15. जॉन ब्रिग्ज (1785-1875)- प्रभा रवि शंकर

* * * * * * * *